@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 27 दिसंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 47 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नहीं रहे

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नहीं रहे। 92 साल की उम्र में उनका दिल्ली एम्स में निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8~06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9~51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री थे। 1991 में देश में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण के वे शिल्पकार रहे। 2004 से 2014 तक वे प्रधानमंत्री रहे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। जानिए ताजा अपडेट्स.. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया है। ममता ने गुरुवार रात डॉ सिंह के निधन पर एक्स पर लिखा, %हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन से मैं बहुत स्तब्ध और दुखी हूं। मैंने उनके साथ काम किया था और केंद्रीय मंत्रिमंडल में उन्हें बहुत करीब से देखा था। उनकी विद्वता और बुद्धिमत्ता पर कोई सवाल नहीं था और देश में उनके द्वारा शुरू किए गए वित्तीय सुधारों की गहराई को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। देश को उनकी बहुत कमी खलेगी और मुझे उनके स्नेह की कमी खलेगी। उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।% राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक प्रकट किया। राष्ट्रपति ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान सहजता से काम किया। सार्वजनिक कार्यालयों में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में, उन्होंने सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और पार्टी सांसद राहुल गांधी कर्नाटक के बेलगावी से

दिल्ली रवाना हो चुके हैं। केंद्र सरकार ने सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। सरकार ने शुक्रवार सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक भी बुलाई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर उन्होंने अपना मेंटर खो दिया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा, धनखड़ ने डॉ मनमोहन सिंह की तस्वीरें साझा कीं और कहा पद्म विभूषण से सम्मानित और 1991 में भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार रहे डॉ सिंह ने साहसपूर्वक हमारे देश को एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के माध्यम से आगे बढ़ाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया और कहा कि निश्चित तौर पर इतिहास दयालुता के साथ उनका मूल्यांकन करेगा। नि:संदेह, इतिहास आपका दयालुता के साथ मूल्यांकन करेगा, डॉ. मनमोहन सिंह जी! पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से, भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता, बेदाग सत्यनिष्ठ नेता और अद्वितीय कद का अर्थशास्त्री खो दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की सूचना अत्यंत दु:खद है। भारतीय रिजर्व बैंक में गवर्नर से लेकर देश के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह जी ने देश की शासन व्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीएम मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा- भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक, डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक व्यक्त करता है। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। संसद में उनके हस्तक्षेप भी बहुत ही व्यावहारिक थे। हमारे प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए। प्रधानमंत्री ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहने के दौरान अपने कार्यकाल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि सीएम रहने के दौरान उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह से लगातार कई मुद्दों पर बातचीत की। गवर्नेंस के मुद्दे पर उनसे कई बातें हुईं। गुरुवार रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। उन्हें रात 8~06 बजे एम्स के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया। हालांकि, डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। रात 9~51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एम्स की तरफ से प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. रीमा डाडा ने बयान जारी किया। एम्स के बयान में कहा गया, %गहरे दु:ख के साथ, हमें यह सूचित करना पड़ रहा है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह, उम्र 92 वर्ष, का निधन हो गया। वे आयु से संबंधित चिकित्सीय समस्याओं का उपचार करा रहे थे और 26 दिसंबर 2024 को घर पर अचानक बेहोश हो गए।% एम्स के बयान के मुताबिक पहले उन्हें घर पर ही बचाने का हरसंभव प्रयास किया गया। इसके बाद एम्स, नई दिल्ली के मेडिकल इमरजेंसी विभाग में रात 8~06 बजे लाया गया। सभी प्रयासों के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका और रात 9~51 बजे मृत घोषित कर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन 92 साल की आयु में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ढ्ढढ्डस्) में निधन हो गया। लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हुआ। देश के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (क्क) की सरकार का लगातार दो बार नेतृत्व किया। 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे डॉ मनमोहन सिंह रिजर्व बैंक के गवर्नर भी रहे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। कांग्रेस पार्टी ने अपने तमाम कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। पीएम मनमोहन सिंह के निधन की पुष्टि दिल्ली कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर की गई। इसके अलावा कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रकट किया।

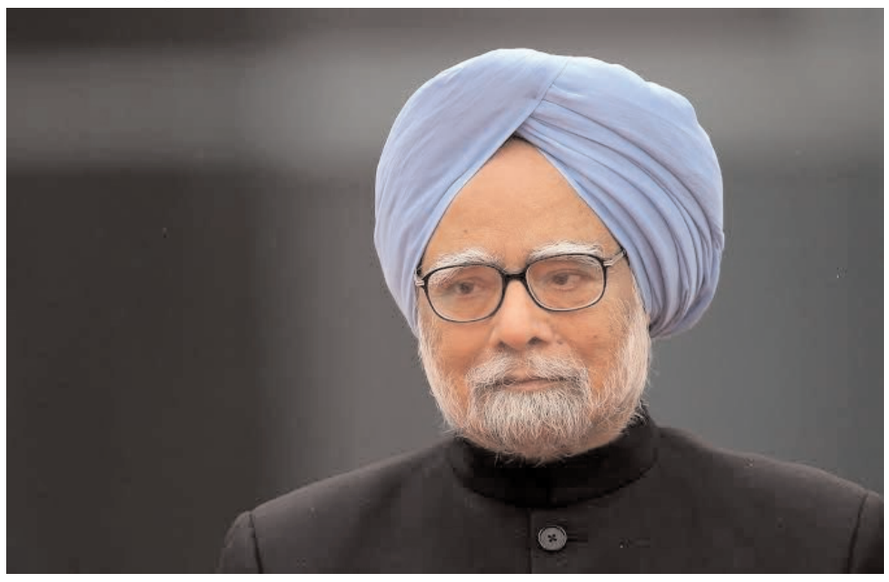

हम नेहरू-गांधी की विचारधारा और बाबा साहब के सम्मान के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे: खरगे

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक को संबोधित करते गुए कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि, हम नेहरू-गांधी विचारधारा और बाबासाहेब अंबेडकर के सम्मान के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा चुनाव आयोग जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है, लेकिन हम यह लड़ाई लड़ते रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि चुनाव प्रक्रिया में लोगों का विश्वास धीरे-धीरे कम हो रहा है और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव नियमों में बदलाव करके यह सरकार क्या छिपाने की कोशिश कर रही है, जिसे साझा करने का आदेश अदालत ने दिया है। उन्होंने आगे कहा कि 2025 संगठन को मजबूत करने का वर्ष होगा, पार्टी में रिक्त पदों को भरा जाएगा और उदयपुर घोषणा को पूरी तरह लागू किया

जाएगा। पार्टी को चुनाव जीतने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाएगा, वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को ढूंढा जाएगा जो संविधान और भारत के विचार की रक्षा करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से बीआर आंबेडकर के बारे में की गई बेहद अपमानजनक टिप्पणी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक नव सत्याग्रह बैठक में अपने भाषण में खरगे ने आरोप लगाया कि इस महीने की शुरुआत में राज्यसभा में आंबेडकर पर शाह का बयान संविधान निर्माता का बेहद अपमानजनक है। हमने आपत्ति जताई, विरोध किया, प्रदर्शन किया। अब पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री और सरकार अपनी गलती मानने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, अमित शाह से माफी मांगने और इस्तीफा देने की बात तो दूर, उन्होंने आपत्तिजनक बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री के बचाव में बयान जारी किया और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया।

पटना में अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की प्रियंका गांधी ने की निंदा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। पटना में बीपीएससी की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किए जाने पर कांग्रेस नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी का एकमात्र लक्ष्य अपनी कुर्सी बचाना है। यहां जो भी रोजगार मांगता है, उस पर अत्याचार किया जाता है। अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने लिखा कि हाथ जोड़े युवाओं पर लाठीचार्ज करना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है। चाहे यूपी हो, बिहार हो या मध्य प्रदेश अगर युवा आवाज उठाते हैं तो उन्हें बेरहमी से पीटा जाता है। उन्होंने लिखा कि दुनिया के सबसे युवा देश के युवाओं के भविष्य के बारे में सोचना और उसके लिए नीतियां बनाना सरकार का काम है। लेकिन भाजपा के पास केवल अपनी कुर्सी बचाने का नजरिया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यहां जो भी रोजगार की मांग करता है, उस पर अत्याचार किया जाता है। वहीं कांग्रेस ने अभ्यर्थियों पर पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। वहीं पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द नहीं किए जाने पर एक जनवरी 2025 को बिहार बंद का आह्वान किया है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा 13 दिसंबर को संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा कराई गई थी। अभ्यर्थियों का आरोप है इसका प्रश्नपत्र लीक हुआ है। जबकि आयोग ने इससे इन्कार किया है। परीक्षा रद्द कराने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया था।

30 दिसंबर को पंजाब बंद का आह्वान: पंधेर

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। पंजाब के किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में 30 दिसंबर को पंजाब बंद का आह्वान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने बंद के दौरान आम जनता की सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। किसान नेता ने कहा कि बंद के दौरान मेडिकल सेवाएं और अन्य आपातकालीन सुविधाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी। एयरपोर्ट पर यात्रियों और शादी समारोहों के वाहनों को रोका नहीं जाएगा। इसके साथ ही, परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र तक जाने में पूरी सहायता दी जाएगी। पंधेर ने युवाओं और जनता से बंद को शांतिपूर्ण तरीके से सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह बंद किसानों के अधिकारों और उनके भविष्य की लड़ाई है। हम पूरे पंजाब, खासकर युवाओं से अनुरोध करते हैं कि मंच द्वारा लिए गए निर्णयों का पालन करें और इस बंद को समर्थन दें।

वीर बाल दिवस पर पीएम ने 17 बच्चों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। वीर बाल दिवस पर गुरुवार को एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (क्क्रूस्ग्स्रद्ब) ने देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने युवाओं से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में कौशल हासिल करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से हो रहे बदलावों और चुनौतियों के अनुकूल ढलने की आवश्यकता पर जोर दिया और सरकार की युवा-केंद्रित नीतियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग की ओर बढ़ गया है। एआई केंद्र में आ गया है और हम इसके अनुप्रयोग को पारंपरिक सॉफ्टवेयर की जगह लेते हुए देख सकते हैं। हमारे युवाओं को इन चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार युवा प्रतिभाओं का समर्थन करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। वीर बल दिवस मनाने वाले एक समारोह में, मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के बेटों, साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को याद किया, जिन्होंने मुगल साम्राज्य के उत्पीड़न के आगे समर्पण करने के बजाय अटूट साहस और विश्वास को चुना। 300 साल से भी अधिक पहले, 26 दिसंबर को, साहिबजादों ने अपनी कम उम्र के बावजूद, अद्वितीय बहादुरी का प्रदर्शन किया और अपने जीवन का बलिदान दिया।

आप ने 24 घंटे में माकन पर कार्रवाई करने की मांग की: मुख्यमंत्री आतिशी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच तनातनी बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से अजय माकन पर कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि कांग्रेस के बयानों से यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। कल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल देशद्रोही हैं। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहती हूं कि क्या उन्होंने कभी किसी भाजपा नेता पर यही आरोप लगाए हैं? नहीं। लेकिन आज कांग्रेस अरविंद केजरीवाल पर देशद्रोही होने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने कल मेरे और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। क्यों? क्या कांग्रेस ने कभी किसी भाजपा नेता के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज कराई है? सीएम आतिशी ने कहा, हमें विश्वसनीय स्रोतों से पता चला है कि

कांग्रेस उम्मीदवारों का चुनावी खर्च भाजपा से आ रहा है। भाजपा कांग्रेस उम्मीदवारों को फंड दे रही है। हमने सुना है कि संदीप दीक्षित को भाजपा से फंड मिल रहा है। अगर कांग्रेस को लगता है कि हम (आम आदमी पार्टी) देशद्रोही हैं, तो उन्होंने हमारे साथ गठबंधन करके लोकसभा चुनाव क्यों लड़ा? यह स्पष्ट है कि कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के साथ आप को हराने और दिल्ली में भाजपा को जिताने के लिए कुछ आपसी समझौता किया है। अगर कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई समझौता नहीं हुआ है, तो उन्हें 24 घंटे के भीतर अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के लिए कांग्रेस हर संभव कोशिश कर रही है। भाजपा कांग्रेस का फंडिंग कर रही है। अजय माकन भाजपा का स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही कहा, पार्टी 24 घंटे में उनके खिलाफ कार्रवाई करे। संजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता अजय माकन भाजपा द्वारा भेजी गई स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और आप नेताओं को टारगेट करते हैं। अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवालों के लिए बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा का इंतजाम किया लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल को देशद्रोही कहा।

शोक संदेश

ੴ ਸਤਿਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦਿ

ਘਲੇ ਆਵਹਿ ਨਾਨਕਾ ਸਦੇ ਉਠੀ ਜਾਹਿ

अत्यंत दु:ख के साथ, हम आपको हमारी प्रिय माता श्रीमती आज्ञा वन्ती कौर के दुखद निधन की सूचना देते हैं, जो 22 दिसंबर 2024 को स्वर्ग सिधार गईं। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने के लिए "श्री अखंड पाठ साहिब का आरंभ" 27 दिसंबर 2024, दोपहर 12:00 बजे "श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति" 29 दिसंबर 2024, दोपहर 12:00 बजे, उसके बाद दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक कीर्तन। "गुरु का लंगर" गुरुद्वारा रब दा कुत्ता, निरंकारी कॉलोनी निरंकारी भवन के पास दिल्ली-110009

शोकाकुल परिवार

G.S Babbar-9971359517 Rachhpal Singh-9718628792
Surinder Verma-7042964649 Harvinder Crony -9953558128
Gunjit Verma-9711733134 Hardik Verma-8368689012 Sarthak Verma-7982523377

इमरान खान के दूतों की आज अदियाला जेल में मुलाकात संभव

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के दूतों के आज अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में अपने नेता इमरान खान से मिलने की उम्मीद है। पीटीआई संस्थापक और मुल्क के अपदस्थ प्रधानमंत्री खान इस जेल में लंबे समय से बंद हैं। सरकार ने उनके दूतों से गतिरोध खत्म करने पर लंबी चर्चा की है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मांग है कि टकराव खत्म करने के लिए सबसे पहले पीटीआई के लोगों और समर्थकों की रिहाई के साथ न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों प्रमुख मांगों को अगर मान लिया जाता है तो वह अपना सविनय सविज्ञा आंदोलन वापस ले लेंगे। खान के निर्देश पर उनके दूतों ने पिछले दिनों संघीय सरकार के प्रतिनिधियों से कई मुद्दों पर वार्ता की है।

ओएससीई से हटने पर विचार नहीं -रूस

मॉस्को। रूस यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) से हटने के विकल्प पर विचार नहीं करता है। ओएससीई में रूसी स्थायी प्रतिनिधि अलेक्जेंडर लुकाशेविच ने यह जानकारी दी। जब श्री लुकाशेविच से पूछा गया कि क्या मॉस्को संगठन में संकट को देखते हुए ऐसे परिदृश्य पर विचार करता है तो उन्होंने कहा, मैंने इसके बारे में नहीं सुना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के लिए कोई प्रक्रिया नहीं है।श्री लुकाशेविच ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय कानूनी अर्थ में, एक संगठन के पास एक घटक दस्तावेज़-एक चार्टर होना चाहिए। ओएससीई के पास ऐसा कोई दस्तावेज़ नहीं है और निकट भविष्य में इसे प्राप्त करने की उम्मीद नहीं है।

चीनी सैनिक पनामा नहर के क्षेत्र में अवैध रूप से कर रहे है काम -ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीनी सैनिक पनामा नहर के क्षेत्र में अवैध रूप से काम करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वाशिंगटन मरम्मत के लिए अरबों डॉलर लगाए। श्री ट्रम्प ने रात 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, चीन के अद्भुत सैनिकों सहित सभी को मेरी क्रिसमस, जो प्यार से, लेकिन अवैध रूप से, पनामा नहर (जहां हमने 110 साल पहले इसकी इमारत में 38,000 लोगों को खो दिया था) का संचालन कर रहे हैं, हमेशा यह सुनिश्चित करते हुए कि अमेरिका अरबों का निवेश करता है मरम्मत के पैसे में डॉलर हैं, लेकिन 'किसी भी चीज' के बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं होगा। श्री ट्रम्प ने रविवार को कहा कि वह पनामा नहर को अमेरिकी स्वामित्व में वापस करने की मांग करेंगे, जब तक कि पनामा के अधिकारी इसकी 'हास्यास्पद' उच्च फीस को विनियमित नहीं करते। श्री ट्रंप ने कहा कि पनामा नहर को अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति माना जाता है। हालाँकि, उन्होंने पनामा द्वारा वसूले जाने वाले उच्च शुल्क को हास्यास्पद बताया और कहा कि यह धोखाधड़ी बंद होनी चाहिए।

गाजा पट्टी में फ़िलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन के सदस्यों पर हमला

यरूशलम। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में नुसीरात शरणार्थी शिविर के पास फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन के सदस्यों के एक वाहन पर हमला किया है। इससे पहले, अल जजीरा ने बताया था कि फिलिस्तीनी समाचार नेटवर्क कुद्स के पत्रकारों की वैन पर इजरायली बलों ने हमला कर दिया था, जिसमें पांच पत्रकार मारे गए। यह घटना तब हुई, जब सभी पत्रकार अपने काम के सिलसिले में नुसीरात शरणार्थी शिविर में आये थे। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, आईडीएफ की खुफिया जानकारी के निर्देश पर रात भर इजरायली वायु सेना (आईएएएफ) ने नुसीरात के इलाके में इस्लामिक जिहाद आतंकवादी सेल के एक वाहन पर सटीक हमला किया।

ट्रम्प ने फ्लोरिडा के पूर्व अधिकारी कैबरेरा को पनामा में राजदूत के रूप में नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उन्होंने पनामा में अमेरिकी राजदूत के पद के लिए पूर्व काउंटी आयुक्त केविन कैबरेरा को नामित किया है। श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि केविन मैरिनो कैबरेरा पनामा गणराज्य में अमेरिका के राजदूत के रूप में काम करेंगे, एक ऐसा देश जो हमें पनामा नहर से अलग करके अपने सपनों से कहीं दूर ले जा रहा है। श्री ट्रंप ने बताया कि श्री कैबरेरा ने मियामी-डेड काउंटी कमिश्नर, इंटरनेशनल ट्रेड कंसोर्टियम के उपाध्यक्ष के रूप में काम किया है और फ्लोरिडा राज्य निदेशक की भूमिका में उनकी 2020 चुनावी टीम में भी काम किया है। उन्होंने कहा, केविन के समान लैटिन अमेरिकी राजनीति को बहुत कम लोग समझते हैं - वह पनामा में हमारे राष्ट्र के हितों का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार काम करेंगे। बाद में श्री कैबरेरा ने कहा कि वह नामांकन से विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, चलो काम पर लग जाए।

भारत और चीन के बीच हुई सहमति पर नेपाल में हो रहा विरोध

एजेंसी

काठमांडू। भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई सहमति के एक बिंदु को लेकर नेपाल में विरोध किया जा रहा है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की बीजिंग यात्रा के दौरान यह सहमति हुई थी। पांच वर्षों के बाद भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बीजिंग में हुई बैठक के बाद दोनों पक्षों के तरफ से जारी संयुक्त वक्तव्य के एक बिंदु को लेकर नेपाल में विरोध किया जा रहा है। अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई मुलाकात के बाद कुछ मुद्दों पर सहमति हुई थी, जिसको दोनों देशों के विदेश मंत्रालय के तरफ से सार्वजनिक किया गया था। इस संयुक्त वक्तव्य में रहे 6 नंबर में मानसरोवर यात्रा को फिर से बहाल करने की बात कही गई है। कोविड के समय से ही चीन ने भारतीय नागरिकों को कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर रोक लगा दिया था। इस यात्रा को फिर से शुरू करने और भारतीय नागरिकों को अनुमति देने पर सहमति

हुई है। इसी सहमति पर नेपाल में विरोध हो रहा है। दरअसल नेपाल की मीडिया का दावा है कि भारत और चीन के बीच हुए इस सहमति में नेपाल के द्वारा दावा किए गए लिपुलेक भूमि होते हुए जाने पर सहमति हुई है। नेपाली मीडिया का कहना है कि नेपाली भूमि प्रयोग करने को लेकर नेपाल से ना तो चीन के तरफ से न ही नेपाल के तरफ से कोई चर्चा की गई। अब नेपाली मीडिया नेपाल सरकार से मांग कर रही है कि इस मुद्दे पर भारत और चीन दोनों को डिप्लोमेटिक नोट भेज कर विरोध दर्ज करे। हिमाल खबर के संपादक कनक मणि दीक्षित ने इस खबर को लिखते हुए कहा है कि एक बार फिर भारत और चीन ने नेपाल के साथ दगाबाजी करते हुए बिना नेपाल की अनुमति के ही उसकी भूमि प्रयोग करने पर आपसी सहमति कर ली है।

रातोपाटी डॉट कॉम में यह खबर दिया गया है कि नेपाल द्वारा नक्शा पास कर दावा किए गए भूमि लिपुलेक के प्रयोग को लेकर भारत और चीन के बीच हुई सहमति से यह साबित हो गया है कि चीन भी भारत के साथ है। चीन पर नेपाल को भारत के विरुद्ध प्रयोग करने और अपनी जरूरत पूरा होने पर भारत के साथ मिलकर नेपाल को बाईपास करना पुरानी आदत है।

सत्तारूढ़ दल नेकपा एमाले निकट रहे नेपाल प्रेस डॉट कॉम के संपादक मातृका पौडेल ने लिखा है कि नेपाल अपने तरफ से जिस भूमि को अपना कहते हुए नक्शा प्रकाशित किया उस पर चीन ने भी नेपाल का साथ नहीं दिया। यह नेपाल के जख्म पर चीन द्वारा नमक छिड़कने जैसा है।

जापान एयरलाइंस पर साइबर हमला, उड़ानों में देरी, टिकटों की बिक्री रोकी गई

एजेंसी

टोक्यो। जापान एयरलाइंस पर बड़ा साइबर हमला हुआ है। इसका असर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ सकता है। जापान एयरलाइंस ने साइबर हमले की पुष्टि की है।

द जापान टाइम्स के अनुसार, जापान एयरलाइंस ने कहा कि सुबह उसके सिस्टम पर साइबर हमला किया गया। सुबह 8:56 बजे इसका पता चला। तकनीकी टीम ने समाधान कर लिया है। साइबर हमले की सूचना के बाद प्रस्थान करने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई। एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इससे हुई असुविधा के लिए हम माफी मांगते हैं। जापान प्रसारण निगम के अनुसार, हानेडा हवाई अड्डे पर लगभग एक दर्जन प्रस्थान उड़ानों में 50 मिनट तक की देरी हुई है। किसी भी उड़ान को रद्द नहीं किया गया है। अन्य घरेलू एयरलाइंस एएनए, स्काई मार्क, सोलासीड एयर, एयर-डो और स्टारफ्लायर का कामकाज पूर्ववत संचालित हो रहा है।

बुशरा बीबी को अदालत से राहत, सात मामलों में 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को आज यहां एक स्थानीय अदालत ने बड़ी राहत प्रदान की। अदालत ने उन्हें 26 नवंबर के विरोध प्रदर्शन के संबंधित मामलों में अंतरिम जमानत दे दी। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। एआरवाई के अनुसार, बुशरा बीबी अपने खिलाफ तारनोल पुलिस स्टेशन में दर्ज चार और रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज तीन मामलों में अंतरिम जमानत के लिए अपने वकीलों के साथ जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश हुईं। न्यायालय ने प्रत्येक मामले में 50 हजार रुपये के जमानती मुचलके पर उनकी जमानत मंजूर की। ड्यूटी जज शबीर भट्टी ने अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई की। उन्होंने बुशरा बीबी को 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी। उल्लेखनीय है कि इससे

पहले 21 दिसंबर को रावलपिंडी की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने उन्हें 32 मामलों में 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी थी। यह मामले नौ मई की हिंसा से जुड़े हुए हैं।

बांग्लादेश सचिवालय की बिल्डिंग नंबर-7 में आग बुझाने के दौरान हादसा, अग्निशमन कर्मचारी की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आज तड़के बांग्लादेश सचिवालय की बिल्डिंग नंबर-7 में आग बुझाने के दौरान हुए हादसे में एक अग्निशमन कर्मचारी की जान चली गई है। इस बिल्डिंग में रात करीब 1:52 बजे आग लग गई थी।

आग बुझाने में करीब लगभग छह घंटे का वक्त लगा। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र ने अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि अग्निशमन कर्मियों ने सुबह 8:05 बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सूचना मिलते ही अग्निशमन सेवा कर्मी दो मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचे।

अधिकारियों के अनुसार, जान गंवाने वाले अग्निशमन कर्मी का नाम मोहम्मद सोहनूर जमान नोयोन है। रंगपुर के मीठापुकुर उपजिला के रहने वाले नोयोन तेजगांव स्टेशन में पदस्थ थे।अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद जाहेद कमाल ने कहा कि मोहम्मद सोहनूर पानी के पंप की लाइनों को जोड़ने के लिए सड़क पार कर रहे थे। तभी उन्हें ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल नोयोन को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कमाल के अनुसार, बिल्डिंग की पांचवीं, छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल को काफी नुकसान हुआ है। कर्मचारी अब हर कमरे में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आग के सभी अवशेष बुझ गए हैं। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कजाकिस्तान विमान दुर्घटना में 38 लोगों की मौत, 29 घायल

एजेंसी

अक्तौ (कजाकिस्तान)। कजाकिस्तान के अक्तौ शहर में अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है, जिसमें 38 लोगों की मौत हुई है। जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 62 यात्री और पांच चालक दल के सदस्यों के साथ यह विमान बाकू से ग्रोजी (रूस) जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान से पक्षियों के झुंड के टकराने (बर्ड स्ट्राइक) के कारण पायलट को आपातकालीन लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा था, इसी कोशिश के दौरान हादसा हुआ।

कजाकिस्तान के आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया कि अक्तौ शहर से उड़ान भड़ने वाला एम्ब्रेयर 190 विमान 62 यात्री और 5 चालक दल के सदस्यों को लेकर रूस के चेचन्या में ग्रोजी जा रहा था। हालांकि ग्रोजी में कोहरे के कारण उसके रूट में बदलाव किया गया।

बताया गया कि विमान के कंट्रोल सिस्टम और बेक-अप सिस्टम के फेल होने के बाद पायलट

ने आपातकालीन लैंडिंग का फैसला किया। विमान से एक पक्षियों का झुंड टकराया, जिसके बाद पायलट ने अक्तौ हवाई अड्डे पर विमान की आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की। इस कोशिश के दौरान ही दुर्घटना हुई, जिसमें 38 लोगों की जान गई। 29 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंत्रालय की ओर बताया गया कि विमान में अधिकतर अज़रबैजानी नागरिक थे, लेकिन रूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के भी कुछ यात्री थे। सरकार ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। कजाकिस्तान की आपातकालीन सेवाओं द्वारा राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। रोसावियात्सिया अजाल, अतरबैजान और कजाकिस्तान के विमानन अधिकारी संपर्क में हैं।

दक्षिण कोरिया आधिकारिक तौर पर बना अति-वृद्ध समाज

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया आधिकारिक तौर पर 'अति-वृद्ध समाज' वाला देश बन गया है, जिसकी 20 फीसदी से अधिक आबादी अब 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की है। योनहाप समाचार एजेंसी ने देश के आंतरिक मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि 65 वर्ष से अधिक उम्र के दक्षिण कोरियाई लोगों की संख्या वर्तमान में एक करोड़ 24 हजार है अथवा देश की कुल जनसंख्या 5 करोड़10 लाख 22 हजार का 20 प्रतिशत है।

मंत्रालय के अनुसार सोमवार तक 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के दक्षिण कोरियाई लोगों की संख्या 1 करोड़ 24 हजार थी, जो देश की कुल आबादी 5 करोड़10 लाख 22 हजार का 20 प्रतिशत है। दक्षिण कोरिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का आयु समूह धीरे-धीरे पिछले कुछ वर्षों में 2008 में 10 प्रतिशत या 40 लाख 94 हजार से बढ़कर 2019

में 15 फीसदी से अधिक और फिर 2024 की शुरुआत में 19.05 फीसदी हो गया।संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वे देश जहां 7 प्रतिशत से अधिक लोग 65 वर्ष से अधिक उम्र के हैं, 'बूढ़ा समाज' हैं। इस आयु वर्ग के 14 प्रतिशत से अधिक लोगों को 'वृद्ध समाज' माना जाता है। अंत में जिन देशों की 20 प्रतिशत से अधिक आबादी 65 वर्ष से अधिक उम्र की है, उन्हें 'अति-वृद्ध समाज' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

करजई ने की पाकटिका में पाकिस्तान हवाई हमले की निंदा

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकटिका प्रांत के बरमल जिले में नागरिक इलाकों पर पाकिस्तान के घातक हमले की कड़ी निंदा की है और इसे स्पष्ट आक्रमण करार दिया है।

श्री करजई ने एक्स पर एक पोस्ट में पाकिस्तानी हवाई हमलों को अफगानिस्तान की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन और सरासर आक्रमण बताया। उन्होंने अफगानिस्ता और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के लिए क्षेत्र में चरमपंथ को बढ़ावा देने और अफगानिस्तान की स्थिरता को लगातार कमजोर करने की पाकिस्तान की त्रुटिपूर्ण नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि मंगलवार रात को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के पूर्वी पाकटिका प्रांत में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान

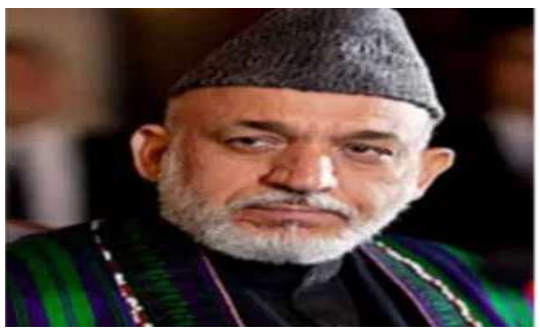

पाकिस्तान (टीटीपी) के शिविरों पर हवाई हमले किए, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 46 लोग मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान ने हवाई हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है।

इस बीच, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार देर रात पाकटिका के गांवों पर बमबारी की पुष्टि की और हमलों की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर वजीरिस्तानी शरणार्थियों के गांवों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

पक्तिका के स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को हुए घातक हवाई हमलों में बरमल जिले के कई गांव तबाह हो गए। पाकिस्तान के हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जिनमें से ज़्यादातर पीड़ित महिलाएँ और बच्चे बताए गए हैं। शुरुआती रिपोर्टों में 15 लोगों के मारे जाने की बात कही गई थी। खामा की रिपोर्ट के अनुसार, अफ़गानिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत ज़लमई खलीलज़ाद ने भी हमलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि तालिबान इस आक्रामकता का जवाब दे सकता है।

सीरिया के विद्रोही गुट अहमद अल-शरा का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में अब सभी सैन्य विद्रोही गुट आपसी मतभेद भुलाकर आक्रामक नेता अहमद अल-शरा के नेतृत्व में काम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भाग जाने के बाद अस्तित्व में आई कार्यवाहक सरकार की भी यही कोशिश है। उसने 25-26 दिसंबर को सरकारी संस्थानों में कामकाज निलंबित करने का फैसला किया है। सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (साना) की खबर के अनुसार, अहमद अल-शरा ने रविवार से मुलाकात का सिलसिला शुरू किया है। वह नए सैन्य संस्थान (रक्षा मंत्रालय) के स्वरूप पर चर्चा कर रहे हैं। अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में भी कहा गया है कि सीरिया के नए नेता विद्रोही गुटों को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक नए समझौते

के तहत कई विद्रोही गुटों ने रक्षा मंत्रालय में शामिल होने पर सहमति दी है।साना की रिपोर्ट में जारी तस्वीर में अहमद अल-शरा को दर्जनों विद्रोही गुट के नेताओं के साथ मुलाकात करते हुए दिखाया गया है। हयात तहरीर अल-शाम के नेता अहमद अल शरा ने इस संबंध में तुर्किये के विदेशमंत्री हाकन फिदान से भी चर्चा की है। उल्लेखनीय है कि हयात तहरीर अल-शाम ने असद शासन को उखाड़ फेंकने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

कुर्स्क पर यूक्रेन के हमले में चार लोगों की मौत

एजेंसी

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की लपटों से कुर्स्क झुलस रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रूस के दक्षिण-पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के एलजीओवी शहर पर यूक्रेनी हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। द मॉस्को टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, कुर्स्क क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा, %%प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार यूक्रेनी सशस्त्र बलों की एलजीओवी में की गई बर्बर गोलाबारी में तीन लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।खिनशेटिन ने कहा कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक महिला की हालत गंभीर है।

कजाकिस्तान में यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त, कई लोगों की मौत

एजेंसी

अस्ताना। कजाकिस्तान में लगभग 70 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अजरबैजान के अधिकारियों ने बताया है कि कम से कम 30 लोग जीवित बचे हैं। एनबीसी न्यूज के मुताबिक, विमान अजरबैजान की राजधानी बाकू से रूस के चेचन्या क्षेत्र के ग्रोज्नी जा रहा था, लेकिन कोहरे के कारण इसे ग्रोज्नी से लगभग 100 मील पूर्व में रूसी शहर माखचकाला की ओर मोड़ दिया गया। कजाकिस्तान के आपातकालीन मंत्रालय ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान, जो दक्षिण-पश्चिमी कजाकिस्तान के शहर अक्तौ के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसमें 62 यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। कजाकिस्तान अक्तौ के पास आपातकालीन लैंडिंग करने का

प्रयास करने के दौरान उड़ान संख्या जे 2-8243 में आग लग गई। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के अनुसार, विमान ने भारतीय मानक समयानुसार सुबह 9.25 बजे बाकू से उड़ान भरी और लगभग 11.58 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले पक्षियों के झुंड से टकराया था, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित देशों के अधिकारियों ने विमान में सवार लोगों और जीवित बचे लोगों के लिए अलग-अलग संख्या बताई है। एयरलाइन ने एम्ब्रेयर 190 में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की कुल संख्या 67 बताई है, जबकि अन्य रिपोर्टों में कुल संख्या 72 बताई गई है। जीवित बचे लोगों की संख्या 28 से 32 बताई गई है। विमान में सवार ज्यादातर लोग अज़रबैजानी नागरिक थे, लेकिन रूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के भी कुछ यात्री सवार थे। अज़रबैजान एयरलाइंस ने कहा कि घटना की जांच पूरी होने तक बाकू और रूसी शहरों ग्रोज़्नी और माखचकाला के बीच उड़ानें रद्द रहेंगी। अपुष्ट वीडियो फुटेज में जीवित बचे लोगों को मलबे से रेंगते और बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिनमें से कुछ के शरीर पर चोटें भी दिखाई दे रही हैं। अज़रबैजान और कज़ाकिस्तान दोनों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्रधानमंत्री ने बेंजामिन नेतन्याहू को हनुका की शुभकामनाएं दीं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विश्व भर में हनुका त्योहार मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू और दुनिया भर में हनुका का त्योहार मना रहे सभी लोगों को शुभकामनाएं। हनुका की चमक सभी के जीवन को आशा, शांति और शक्ति से रोशन करे। हनुका समीच।'

आआपा की कोंडली से निगम पार्षद प्रियंका अपने समर्थकों के साथ भाजपा में हुईं शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में आम आदमी पार्टी की कोंडली से निगम पार्षद एडवोकेट प्रियंका गौतम अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। इस मौके पर दिल्ली भाजपा में अन्य दलों से ज्वाइनिंग की कमेटी के संयोजक आशीष सूद, मुख्य प्रवक्ता अभय वर्मा उपस्थित रहे। दक्षिण दिल्ली से पूर्व पार्षद एवं गूजर समाज के नेता धर्मवीर सिंह भी भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली में एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने राजनीति में ना आने की कसमें खाई थीं और जब राजनीति में आ गए तो बंगला, सिक्योरिटी और गाड़ी ना लेने की कसमें खाई लेकिन आज उन्होंने अपने लिए शीशमहल बना लिया। दिल्लीवालों को ठगने के अलावा इन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ छलावा करने वाले केजरीवाल पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने दिल्ली से पहले पंजाब में भी 1000 रुपये देने का वायदा किया। पंजाब में सरकार बने दो साल हो गए और आज तक उन्होंने एक रुपये पंजाब की बहनों को नहीं दिया। मल्होत्रा ने कहा कि आज संजीवनी योजना और महिला सम्मान योजना के नाम पर लोगों को ठगने का काम अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा किया जा रहा है।

महिला सम्मान योजना पर केजरीवाल की साजिश का पर्दाफाश: देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी की उपस्थिति में दिल्ली की महिलाओं को 2100 रुपये देने की घोषणा की पोल खुल चुकी है। अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली की गरीब बस्तियों में जिस तरह से भ्रमित करके फार्म भरवाए कि उन्हें 2100 रुपये मासिक दिए जाएंगे। दिल्ली सरकार के बाल विकास विभाग द्वारा जारी नोटिस के बाद चुनावों में वोट की राजनीति करके धोखा देने की साजिश दिल्ली की जनता के सामने आ चुकी है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना सरकारी योजना नहीं है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की जनता समझ चुकी है कि केजरीवाल सिर्फ वादा करते हैं, उसे पूरा कभी नहीं करते। सिर्फ भ्रष्टाचार और अपने स्वार्थ हित की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के बीच जाकर नकली अधिकारी बनाकर 2100 रुपये देने के लिए भोली भाली महिलाओं के फार्म भरवाकर आम आदमी पार्टी सिर्फ उनकी जानकारी प्राप्त कर रही है और इनके वालियंटर 2100 रुपये देने के नाम पर जो पैसा महिलाओं के खाते में है, उसे भी खाली कर रहे हैं। दिल्ली सरकार द्वारा जारी नोटिस में साफ कहा गया है कि अपनी जानकारी सार्वजनिक करने पर अपराध, साइबर अपराध सहित बैंकिंग धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं और केजरीवाल के लोग यह कर भी रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि 2022 में पंजाब में और मार्च 2024 में दिल्ली में महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा किया था परंतु आज तक गरीब महिलाओं को यह वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली सहित पंजाब की जनता भी केजरीवाल के झूठे वादों का शिकार हुई है, जिन्हें अपना मत देने के बाद सिर्फ धोखा ही मिला है।

हम दिल्ली में किए गए विकास कार्यों पर वोट मांग रहे हैं: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कहना है कि उनकी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव जीत रही है, लेकिन भाजपा हमें रोकने की साजिश कर रही है। हालांकि वह इसमें कामयाब नहीं होगी। यहां संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल ने भाजपा से तीन प्रश्न किए। पहला- पिछले 10 साल में उसने दिल्ली के लिए क्या काम किया? दूसरा- अगले पांच साल में वह क्या काम करेगी तीसरा- उसका एजेंडा क्या है और मुख्यमंत्री चेहरा कौन है केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली वालों ने भाजपा (केंद्र सरकार) को कानून व्यवस्था का एक ही काम दिया था, इसका भी उन्होंने कबाड़ा कर दिया। आज पूरी दिल्ली में लोगों में डर का माहौल है। जब उसने दिल्ली के लिए कोई काम ही नहीं किया है तो जनता उनको वोट क्यों दे। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में अच्छे स्कूल-अस्पताल बनाए, बिजली, पानी, महिलाओं की बस यात्रा फ्री करने समेत कई काम किए। हम अपने कामों पर वोट मांग रहे हैं, लेकिन भाजपा सिर्फ गालियों पर वोट मांग रही है।

सरकार एयरपोर्ट्स पर शुरू करेगी यात्रियों के लिए सस्ती कैंटीन उठाया मुद्दा

नई दिल्ली। देश के सभी एयरपोर्ट्स पर महंगे खानपान का मुद्दा लंबे समय से यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। संसद के शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाते हुए एयरपोर्ट्स पर महंगे दामों पर मिलने वाले पानी, चाय और स्नैक्स की समस्या को उजागर किया था। उनके इस प्रयास का नतीजा ये हुआ कि अब सरकार ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए ÷उड़ान यात्री कैफे÷ शुरू करने की योजना बनाई है। इसकी शुरुआत कोलकाता एयरपोर्ट से की जाएगी, जहां सस्ती दरों पर खान-पान उपलब्ध कराया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो ने विरासती ट्रेन 'टीएस-01' के साथ मनाई यात्री परिचालन की 22वीं वर्षगांठ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने विरासती ट्रेन 'टीएस-01' के साथ यात्री परिचालन के 22 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। डीएमआरसी ने आज अपने यात्री परिचालन की शुरुआत 22वीं वर्षगांठ मनाकर की। 24 दिसंबर 2002 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली दिल्ली मेट्रो ट्रेन, टीएस-01 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था, जिसने दिल्ली एनसीआर में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के एक नए युग की शुरुआत की थी। डीएमआरसी की यात्रा की शुरुआत करने वाली टीएस-01 ट्रेन ने दिल्ली में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन लाने में अपनी एक अलग ही विरासत बनाई है। 2002 में शुरू की गई टीएस-01 की

शुरुआत 4 कोच वाली ट्रेन के रूप में हुई थी लेकिन यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में इसे अपग्रेड किया गया है और 2014 में इसे 6 कोच और 2023 में 8 कोच तक बढ़ाया गया है। अपने 22 साल के सफर में टीएस-01 विश्वसनीयता और दक्षता का प्रतीक रहा है, जिसने लगभग 27 लाख किलोमीटर की दूरी तय की है, 5.4 करोड़ से अधिक यात्रियों को सुरक्षित रूप से पहुंचाया है और 23 लाख डोर ऑपरेशन को अंजाम दिया है। दक्षिण कोरिया में एनआरएम कंसोर्टियम द्वारा निर्मित, ट्रेन को जहाज से कोलकाता और फिर भारतीय रेलवे नेटवर्क के माध्यम से दिल्ली पहुंचाया गया। इसकी उन्नत प्रणोदन प्रणाली ने न केवल सुचारू संचालन सुनिश्चित किया है, बल्कि पुनर्योजी ब्रेकिंग के माध्यम से खपत की गई कुल बिजली का लगभग 40% पुनर्निवेश करके पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान दिया है। सुचारू संचालन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, टीएस-01 में डीएमआरसी की विशेषज्ञ रखरखाव टीमों द्वारा दो बड़े ओवरहाल/अपग्रेड किए गए हैं।

जेपी नड्डा के आवास पर एनडीए घटक दलों के नेताओं ने की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन के बीच तालमेल और विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। भाजपा अध्यक्ष ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कर रहा है और आज उसने खुद को वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार सभी के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य के लिए विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, टीडीपी नेता एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, जनता दल सेक्युलर नेता एचडी कुमार स्वामी, अपना दल (एस) की अनुप्रिया

पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा नेता उपेंद्र कुशवाहा, जनता दल (यू) नेता लल्लन सिंह और अन्य घटक दलों के नेता मौजूद रहे। माना जा रहा है कि बैठक में आंबेडकर पर गृह मंत्री के बयान, एक देश एक चुनाव, वक्फ संशोधन विधेयक सहित अन्य मुद्दों पर घटक दलों के नेताओं ने चर्चा की।

नड्डा ने क्रिसमस पर सीबीसीआई मुख्यालय और सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल का किया दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने आज क्रिसमस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) मुख्यालय और सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च का दौरा किया। भाजपा अध्यक्ष नड्डा के साथ सांसद बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी भी थे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा कि जैसा कि हम ईसा मसीह के जन्म का जश्न मनाते हैं, आइए हम देने की भावना, शांति की खोज, आशा की शक्ति और एक राष्ट्र के रूप में हम कैसे प्रेम, करुणा एवं सद्भाव के मूल्यों को अपना सकते हैं और बढ़ा सकते हैं, इसका भी जश्न मनाएं। नड्डा ने कहा कि वह सभी देशवासियों की खुशी और कल्याण की प्रार्थना करते हैं। हमारा राष्ट्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र से निर्देशित होकर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे और सभी भारतीयों के योगदान से विकसित भारत 2047 के अपने लक्ष्य तक पहुंचे। आप सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं।

उच्च न्यायालय से आजीवन कारावास का सजायफ़ता मुलज़िम हुआ रिहा, सुप्रीम कोर्ट का फ़ैसला, वरिष्ठ वकील डॉ. एपी सिंह ने करी पैरवी

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट के दो जजो की संयुक्त विशेष खंडपीठ जिसमें जस्टिस पंकज मिथाल और जस्टिस संदीप मेहता ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की विशेष खंडपीठ के तत्कालीन दो जजो जिसमें जस्टिस सुधीर अग्रवाल और जस्टिस ओमप्रकाश द्वारा हत्या के केस में सुनाये हुए फ़ैसले में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश राज्य सरकार एवं मृतक के परिवार वालो का पक्ष सुनने के बाद आजीवन कारावास की सजा के फ़ैसले को पलटते हुए अभियुक्त की रिहाई के आदेश जारी किए, मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की विशेष खंड पीठ के उम्र क़ैद के फ़ैसले के ख़िलाफ़ देश के जाने माने वकील डॉ. एपी सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका अभियुक्त के वरिष्ठ नागरिक एवं मेडिकल कंडीशन को आधार बनाते हुए लगाई थी, उपरोक्त मामले में अभियुक्त तक़रीबन एक साल से सेंट्रल जेल, बरेली, उत्तर प्रदेश में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। विदित रहे मामला उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली थाना मीरगंज का है जहां के ग्राम हरदोई, तहसील फतेहगंज, बरेली के धर्मपाल सिंह के यहा दिनांक 27-08-1981 की सुबह पाँच बजे चौपाल पर वीरेंद्र सिंह एवं महिपाल सिंह दोनों भाइयों ने पहले से घात लगाकर गैर लाइसेंसी पिस्तोल से ताबड़तोड़ हमला करके नृशंस हत्या कर दी थी, दोनों पक्षों के बीच ज़मीनी विवाद चल रहा था, अभियुक्तगणों के पास 200 बीघा ज़मीन पहले से थी और वही के ग्राम मनकरी में 10 बीघा ज़मीन का बैनामा भी अभियुक्त करवा रहे थे, लेकिन वही ज़मीन धर्मपाल सिंह ने ख़रीद ली, इस मामूली बात पर अभियुक्त रंजिश रखने लगे और उन्होंने

धर्मपाल सिंह की हत्या कर दी थी घटना के समय चौपाल पर मौजूद मृतक के भाई सत्यपाल सिंह ने थाना मीरगंज में मुक़दमा पंजीकृत करवाया। ज़िला एवं सत्र न्यायालय बरेली के समक्ष मामला तक़रीबन डेढ़ साल चला एवं उन्होंने तमाम तथ्यों और सबूतों के आधार पर दोनों आरोपियों को वर्ष 1983 को धारा 302 एवं 34 भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत आजीवन कारावास की सजा सुनाई, आजीवन कारावास की सजा के ख़िलाफ़ दोनों भाइयो ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील दायर की, उसके उपरांत उच्च न्यायालय की दो जजो की विशेष खंडपीठ जिसमें तत्कालीन जस्टिस सुधीर अग्रवाल और जस्टिस ओम प्रकाश ने बीरेन्द्र सिंह की सजा में किसी भी प्रकार की नरमी और परिवर्तन करने की दलीलों को साफ़ इनकार करते हुए वर्ष 2018 में ख़ारिज कर दी जिसके उपरांत बीरेंद्र सिंह कई सालों तक फ़रार रहा और ज़िला न्यायालय द्वारा उसके ख़िलाफ़ वारंट वग़ैरा जारी होते रहे, काफ़ी परेशानियों के बाद पुलिस अभियुक्त को गिरफ़्तार करके ज़िला न्यायालय बरेली में पेश करके न्यायिक अभिरक्षा सेंट्रल जेल, बरेली में भेज पायी। आजीवन कारावास से छुटकारा पाने के लिए बीरेन्द्र सिंह ने विशेष अनुमति याचिका सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. एपी सिंह के माध्यम से लगाई और डॉ. एपी सिंह की दलीलों को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका आने के सालों के डिले को ख़त्म करते हुए पहले एडमिट की फिर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया एवं राज्य सरकार और मृतक के परिवार वालो द्वारा मामले में दाखिल जवाब का अध्यन एवं सभी की दलीलों को मद्देनज़र रखते हुए सुप्रीम कोर्ट की संयुक्त विशेष खंडपीठ ने एकमत होकर आजीवन कारावास के फ़ैसले को पलटते हुए अभियुक्त की सेंट्रल जेल बरेली से रिहाई के आदेश जारी किए।

NAME CHANGE
I, Rekha Rani W/o Dinesh R/o H.No-175/9, Shivpuri, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Charu For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, KUDUS S/O HASAN ALI residing at S-66/155, PRATAP CAMP, NEHRU NAGAR, DELHI-110055. Have changed my name to KHUDUS for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Neeru Arora W/o Gulshan Kumar Pahwa R/o House No-238/9, Shivpuri, Near Parnami Bhawan, New Colony, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Sakshi Pahwa for All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, Chhavi W/o Shekhar Godiyal R/o N5-2101, Paras Irene, 21st Floor, Sector-70A, Palra(164), Gurgaon, Haryana-122101 Have Changed My Name To Chhavi Singh For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, Basir Ahmed S/o Isan R/o H.No.1306, Maheliya Mohalla, Ghasera (161), Ghasera, Mewat, Haryana-122103 have changed my name to Baseer.

NAME CHANGE
I, Asari W/o Basheer Ahmed R/o Maheliya Mohalla, Ghasera (161), Ghasera, Mewat, Haryana-122103 have changed my name to Asri.

NAME CHANGE
I, Pushpa Rawat W/O Balwant Singh R/O R O-13, Nanda Block, Mahavir Enclave, Palam, South West Delhi, Delhi-110045, have changed my name and shall hereafter be known as Sudha Rawat

NAME CHANGE
I AKEEL UR REHMAN S/O ABDUL RAZZAQ R/O B-66 GALI NO-1 SUMAN VIDHYA SCHOOL BHAGIRATHI VIHAR NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO SAEED AHMAD

NAME CHANGE
I NASEEMA BAGUM W/O SAEED AHMAD R/O B-66 GALI NO-1 SUMAN VIDHYA SCHOOL BHAGIRATHI VIHAR NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME FATIMA BEGUM

NAME CHANGE
I Bilal Ahamed S/O Ikramuddin R/O 2842/5, chuna mandi, paharganj, new delhi-110055, have changed my name to Bilal Ahmed.

NAME CHANGE
I, JAGDISH KUMAR THUKRAL S/O HANSRAJ THUKRAL residing at A-54, THIRD FLOOR, ASHOK VIHAR PHASE-II, DELHI-110052 . Have changed my name to JAGDISH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, KRISHAN KANT JHA S/o LOCHAN JHA, R/o J-71, Old Seemapuri, Jhilmil, East Delhi, Delhi-110095, declare that name of mine, my wife and my minor Son has been wrongly written as KRISHAN KANT, NUTAN and AYUSH KUMAR in my minor son namely AYUSH KUMAR JHA, aged 15 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor son are KRISHAN KANT JHA, NUTAN JHA and AYUSH KUMAR JHA respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Bharat Bhushan alias Bharat Bhushan Dharmani S/O C.D.Dharmani R/O 7/51, South Patel Nagar VTC: Patel Nagar South PO: Patel Nagar , Sub District: New Delhi , District Central Delhi , Delhi -110008, have changed my name and shall hereafter be known as Bharat Bhushan Dharmani

NAME CHANGE
I, RAFIA W/O SHUJAUDDIN residing at H NO-916, GALI CHAH SHIRIN, FARASH KHANA, DELHI-110006 . Have changed my name to RAFIA BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sanjeev Kumar Tyagi S/O Prakash Singh R/O F-15, Krishna Garden Govindpuram Ghaziabad Uttar Pradesh 201301 Have Changed my name to Sanjeev Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Km Laxmi W/o Devendra Singh R/o H No 375/7, Subhash Nagar Gurgaon Haryana -122001 Have Changed My Name To Laxmi For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHUSEELA W/o ATTAR SINGH YADAV Residing at E - 23, Defence Colony, Lajpat Nagar, South Delhi, Delhi - 110024 have changed my name and shall hereafter be known as SHILA DEVI.

NAME CHANGE
I hitherto known as Lucky S/O Noor Mohammad R/O H. no- C - 405, Gali No -19, Purana mustafabad, north East delhi,Delhi- 110094, have changed my name and shall hereafter be known as Abdul Rehman.

सार्वजनिक सूचना
सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि श्री सचकिरत सिंह कोहली, तीसरी मंजिल के पश्चिमी दिशा का पिछला हिस्सा आधे हिस्से के बिना छत अधिकार के, जो प्लॉट नंबर E-66-67, क्षेत्रफल 240 वर्ग गज, जो खसरा नंबर 481 और 482, गाँव तिहाड़ के क्षेत्र में, गुरु नानक पुरी कॉलोनी, जेल रोड, नई दिल्ली में स्थित है मालिक हैं। श्री सचकिरत सिंह कोहली ने उक्त संपत्ति को श्रीमती जसपाल कौर उर्फ जसपाल कौर कोहली से 29.03.2017 को विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदी, जिसका दस्तावेज़ नंबर 7856, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 3056, पृष्ठ 192-200, दिनांक 28.03.2018, एस.आर.-IIB, दिल्ली & संशोधन विलेख दस्तावेज़ नंबर 2024/25/I/3163, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 13193, पृष्ठ 29-38, दिनांक 25.11.2024, एस.आर.-IIB, दिल्ली में दर्ज है। यह संपत्ति आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड, शाखा-254 डिफेन्स कॉलोनी दिल्ली 110024 द्वारा वित्तपोषित है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है और कोई आपत्ति होती है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज़ के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें, अन्यथा उपरोक्त विक्रय पत्र के अनुसार दावा संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Ajai Kumar Rai S/O Dukhanti Rai R/O H No-24 C1, Meera Enclave, Near Nasha Mukti Kendre, Ranholla Extension, Nangloi West Delhi-110041 Have Changed my name to Ajay Rai for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Jatender Kumar S/O Gurbaksh Lal R/O C-13 Duggal Colony, Khanpur, Dr Ambedkar Nagar South delhi - 110062 Have Changed my name to Jitender Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Amit Raizada S/O Pramod Kumar R/O -Flat no-e-1102 11floor, Rajnagar Extension River Hrights, Towar Erica Ajnara Integrity Ghaziabad, uttar pradesh-201001 have changed my name to Amit Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No-15827752F Rank-NK Name-KULDEEP SINGH S/o YADRAM SINGH Residing at H.NO-45, MAHENDRA NAGAR, NEAR ANAAJ MANDI SONKH ROAD, MATURA, UTTAR PRADESH-281004 have changed my minor daughter's name from ADITRI SINGH to AADITRI SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 26/12/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NARENDER KUMAR S/o RAM PRASAD Residing at Plot No. - 9, Khasra No. - 106/8, 2nd Floor, Village Rajapur, Rohini , Near Mall, Rohini Sector -7, North West, Delhi - 110085 declare that name of mine has been wrongly written as NARENDER in my Driving License No. DL1119950127726. The actual name of mine is NARENDER KUMAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ASHOK KUMAR S/O HUKAM CHAND R/O RZ-133/60, STREET NO-11/2, EAST SAGARPUR, NANGAL RAYA, S.O, DISTT, SOUTH WEST DELHI-110046 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as VANSHIKA in my minor daughter namely VANSHIKA KUMARI aged 16 year in her school record. The actual name of my minor daughter is VANSHIKA KUMARI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, LAXMI DEVI W/o LATE SHRI DICREE RAM R/o G-70, GALI NO-22, RAJAPURI, UTTAM NAGAR, D K MOHAN GARDEN, WEST DELHI-110059, declare that name of mine has been wrongly written as LACHHMI DEVI in my husband PPO NO-DH-37250 . The actual name of mine is LAXMI DEVI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I,Pinki D/O Harveer Singh W/O Rakesh Kumar Singh R/O GB 32 A/B, Pul Pehlad Pur , Badarpur VTC Jait Pur PO: Jaitpur , District South Delhi, Delhi -110044, declare that name of mine has been wrongly written as Kumari Pinki in my 10th,and 12th Graduation,and Bachelor of education degree educational documents and name of mine and my husband has been wrongly written as Pinki Kumari and Rakesh Kumar in my CTET marksheet and certificate and name of mine and my father has been wrongly written as Pinki Duhoon and Sub. Harveer Singh in my N. C. C. Certificate the actual name of mine, my father and Husband are Pinki , Harveer Singh and Rakesh Kumar Singh

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJEEV KUMAR S/o RANBIR SINGH Residing at House No. 264, Near Balmiki Choupal, Darya Pur Kalan, North West Delhi, Delhi - 110039, declared that the name of my minor son has been wrongly written as BHEVIN in my minor son namely BHEVIN SEHRAWAT aged 6 years in his School Records. The actual name of my minor son is BHEVIN SEHRAWAT, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Bharat Bhushan alias Bharat Bhushan Dharmani S/O C.D.Dharmani R/O 7/51, South Patel Nagar VTC: Patel Nagar South PO: Patel Nagar , Sub District: New Delhi , District Central Delhi , Delhi -110008, have changed my name and shall hereafter be known as Bharat Bhushan Dharmani

NAME CHANGE
I, hitherto known as JYOTI BHAYANA W/o ASHOK KUMAR BHAYANA D/o JAGDISH CHANDER NAGPAL residing at Flat No. 58, Priya Appartment Plot No. 4, Sector - 14, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as REKHA BHAYANA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PURAN SINGH NAYAL S/o KIRPAL SINGH NAYAL residing at A-130, Top Floor, Gali No. -3 (North Block) Behind Manglam Hospital, West Vinod Nagar, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi - 110092 declare that the name of mine and my Father has been wrongly written as PURAN SINGH and KIRPAL SINGH in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are PURAN SINGH NAYAL and KIRPAL SINGH NAYAL respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I,Om Prakash Bhargava S/O Murari Lal Bhargava R/O Flat Number - 202,Block -2, 19 Rajpur Road Opposite M C D Office Civil Lines North Delhi Delhi -110054, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Om Prakash Murari Lal Bhargava and Murarilal Kishorilal Bhargava in my Pan Card bearing No. AAAPB8216F,The actual name of mine and my father are Om Prakash Bhargava and Murari Lal Bhargava

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित करने के लिए है कि श्री वरुण जैन और श्रीमती प्रिया जैन, एक आवासीय संपत्ति नंबर 31, ब्लॉक-ए, पॉकेट-8, क्षेत्रफल 60.00 वर्ग मीटर, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली में स्थित है, को श्री दीपक कपूर और श्री विवेक कपूर से खरीदने का इरादा रखते हैं। यह संपत्ति मूल रूप से श्री मदन लाल कपूर द्वारा 20.11.1998 को डी.डी.ए. (DDA) से एक कन्वेयान्स डीड (Conveyance Deed) के माध्यम से खरीदी गई थी। श्री मदन लाल कपूर का 19.02.2006 को निधन हो गया, और वह अपने पीछे कानूनी वारिसों के रूप में श्रीमती शांता कपूर, श्री दीपक कपूर और श्री विवेक कपूर थे। इसके बाद, श्रीमती शांता कपूर ने 03.09.2012 को एक रिलिनक्विशमेंट डीड (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपनी हिस्सेदारी श्री दीपक कपूर और श्री विवेक कपूर के पक्ष में छोड़ दी। वही संपत्ति RBL Bank, शाखा जीपी 3, यूजीएफ, पीतमपुरा रोड, दिल्ली-110034 द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, A GOPALA KRISHNAN Father of No 14662457X, Rank-NK, Name-SUJEESH MG Presently residing at VPO-PILAKKAD, TEH-THALAPILLY, DIST-THRISSUR, KERALA-680585, have changed my name from A GOPALA KRISHNAN to A GOPALAKRISHNAN for all future purposes vide Affidavit dated 26/12/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mrs. Rajesh Devi the owner of Residential Plot bearing No. 270, area measuring 163 sq. yds., out of Khasra No. 22, situated at Panch Enclave, in the area of Village Chaprola, Paragana and Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U. P. vide a sale deed dated 07.03.2018, registration No. 4318, All persons are hereby informed that above mentioned owner want to obtain a loan facility from our client against the said property. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property/floors, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigred in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15

NAME CHANGE
I, GEDAM SAMIKSHA DILKHUSH Wife of No-4581294X Rank-HAV Name GEDAM DILKHUSH SEWAK Presently residing at GHIWARI, GATRA, GONDIA, MAHARASHTRA-441601 have changed my name from GEDAM SAMIKSHA DILKHUSH to SAMIKSHA DILKHUSH GEDAM for all future purposes vide Affidavit dated 26/12/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Mr. Harish Kumar and Smt. Chandrawati Owner of the Residential Flat bearing no. 308, on 3rd Floor, AM Block, area measuring 125.42 Sq. mtrs., in AMRAPALI VILLAGE , at Village Makanpur Ghaziabad, U.P., I have lost Original GPA executed by Mr. Harish Kumar in favour of Smt. Chandrawati in California and Duly AIG Stamp Ghaziabad dated 27.05.2008, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced GPA aforesaid owners may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication. If any claim of anyone against this property then he/she is free to contact the undersigned within 15 days from today. After the expiry of 15 days, the subject property shall be deemed to be free from any kind of encumbrances, claim, right, mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
M-NO- 7252922875

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **विकास उर्फ बेंगारी, पुत्रः सुनील राय, निवासीः पंचशील कॉलोनी लाला का मकान, भोपुरा, पप्पू डेयरी के पास, गाजियाबाद, यूपी** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 215/2020 U/S 380/457/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि उक्त **विकास उर्फ बेंगारी** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **विकास उर्फ बेंगारी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है), इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि अभियुक्त **विकास उर्फ बेंगारी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
संघमित्रा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01,
कोर्ट नं.54, दूसरी मंजिल,
शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/16885/SHD/2024

अभियुक्तों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तों **(1) समीर गुप्ता** पुत्र स्व. सत नारायण निवासी इन्वेस्ट एनसीआर-103, ओशन प्लाजा, सेक्टर -18, नोएडा (उ.प्र.) और **(2) चंदन ठाकुर** पुत्र स्व. आर. आर. ठाकुर निवासी 375, आनंद विहार, नेहरू नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 56/2018 धारा 420/34 भा.द.स., थाना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **(1) समीर गुप्ता** और **(2) चंदन ठाकुर** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **(1) समीर गुप्ता** और **(2) चंदन ठाकुर** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 56/2018 धारा 420/34 भा.द.स., थाना राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **(1) समीर गुप्ता** और **(2) चंदन ठाकुर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **24.02.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री प्रीति,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03 (केन्द्रीय),
कमरा नं. 150,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16831/CD/2024

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अश्विनी कुमार, आवासीय प्लॉट नं. 198 और 199, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खेवट नं. 331, खतौनी नं. 397, मुसन्ना नं. 14, किला नं. 10/1 (2-8), 11 (8-0), 20 (8-0), मुसन्ना नं. 19, किला नं. 11/1 (2-19), तथा खेवट नं. 718, खतौनी नं. 851, मुसन्ना नं. 14, किला नं. 21 (8-0), मुसन्ना नं. 19, किला नं. 1 (8-0), 10 (8-0), वाका मौजा बसेलवा कॉलोनी, जिला फरीदाबाद, हरियाणा मे स्थित है को श्रीमती बाबिता शर्मा से खरीदने का इरादा रखते हैं। यह सम्पत्ति मूल रूप से श्री विकाश, श्री गोपाल दास और श्री चंद्र मोहन से दो बिक्री विलेखों (18.01.2012 और 08.05.2012) के माध्यम से गोयल एसोसिएट्स (M/s Goyal Associates) द्वारा खरीदी गई थी। इसके बाद गोयल एसोसिएट्स (M/s Goyal Associates) ने 19.06.2012 को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), बिक्री अनुबंध (ATS) और वसीयत (Will) के माध्यम से सम्पूर्ण सम्पत्ति श्री हेमराज गुप्ता और श्री मनोज शर्मा को हस्तांतरित की। इसके पश्चात, श्री हेमराज गुप्ता और श्री मनोज शर्मा ने उक्त सम्पत्ति को 07.02.2014 को पंजीकृत बिक्री विलेख (पंजीकृत संख्या 15565) के माध्यम से श्रीमती बाबिता शर्मा को विक्रय किया। श्रीमती बाबिता शर्मा उपरोक्त सम्पत्ति की पूरी अधिकारिणी हैं। यह सम्पत्ति विवादों से मुक्त है और इस पर किसी भी अदालत में कोई मुकदमा लंबित नहीं है। उक्त सम्पत्ति को हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा बी-93, दूसरी मंजिल, सेक्टर-2, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301 के द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है, यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 14 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती राधा त्यागी पत्नी श्री प्रेमराज त्यागी, खसरा संख्या 1129 में से 209 वर्ग गज यानी 174.74 वर्ग मीटर के फ्रीहोल्ड आवासीय भूखंड की मालिक हैं, जो छपरौला गांव, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। दिनांक 11.09.2024 के विक्रय विलेख के आधार पर, जो दस्तावेज संख्या 48115 के तहत पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 28701 में पृष्ठ संख्या 21-40 पर, दिनांक 11.09.2024 को एसआर-दादरी, गौतमबुद्ध नगर के कार्यालय में पंजीकृत है, नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात स्वर्गीय लीला वती की एसएमसी की मृत्यु 30.07.2022 को हो गई है, अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, सेक्टर-02 नोएडा, उ.प्र. यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
General Public is informed that my client ANWAR JAVED Son of AFJALIPESHAWARI, R/o 3933, Urdu Bazar, Jama Masjid, Delhi-110006,has severed all relationship with his son OVAIS, and has DEBARRED & DISOWNED him from all my moveable and immoveable properties absolutely & forever. Anybody dealing with them shall do so at his own cost & risk

ABHINAY GUPTA ADVOCATE
47, SR-III, Office Campus, Asaf Ali Road, New Delhi

NAME CHANGE
I, Veena W/O Yogesh Kumar R/O 34-U/g F Sukhi Ram Park Mati ala Village Uttam Nagar West Delhi , Delhi -110059, have changed my name and shall hereafter be known as Aarti

हिसार का बेटा उदय सिंह बूरा बना सेना में लेफ्टिनेंट

एजेंसी

हिसार। जिले के गांव घिराय निवासी उदय सिंह बूरा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने हैं। नियुक्ति के बाद वे उसी यूनिट में तोपखाने की रेजिमेंट में शामिल होंगे जहां उनके पिता ने कमांडिंग ऑफिसर के रूप में कमान संभाली थी। मूल रूप से घिराय निवासी एवं वर्तमान में हिसार की डिफेंस कॉलोनी में रह रहे कर्नल सतपाल सिंह के पुत्र उदय सिंह बूरा की नियुक्ति हाल ही में हुई है। उदय सिंह बूरा की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी सेना अधिकारियों से जुड़ी रही है और वे दूसरी पीढ़ी के अधिकारी हैं। उदय सिंह के पिता सतपाल सिंह कर्नल रहे हैं। उदय के पिता कर्नल सतपाल सिंह कारगिल और सियाचिन ग्लेशियर के युद्ध में घायल, मैडल से सम्मानित अफसर हैं। उदय के परदादा सूबेदार लहरी सिंह बूरा भी भारतीय सेना की जाट रेजिमेंट में जूनियर कमीशंड ऑफिसर के रूप में काम कर चुके हैं। उदय सिंह की माता अलका सिंह एमए बीएड तक पढ़ी है वहीं उनके नाना सज्जन सिंह एडवोकेट है। उदय सिंह बूरा के लेफ्टिनेंट बनने पर उनके परिवार व प्रशंसकों में खुशी का माहौल है और उन्हें हर ओर से बधाई मिल रही है।

हरियाणा छुएगा सहकारिता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां: डॉ अरविंद शर्मा

नारनौल। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में सहकारिता के क्षेत्र में हरियाणा नई ऊंचाइयों को छूएगा। प्रदेश के हर गांव में समिति पंजीकृत करवाई जाएंगी। अरविंद शर्मा सुशासन दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर पर सहकारिता विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग सहकारिता के साथ जुड़कर अपनी आजीविका शुरू करें। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में 33 हजार सोसाइटी पंजीकृत हैं। वहीं प्रदेश के 50 लाख से ज्यादा लोग सहकारिता के साथ जुड़े हुए हैं। आने वाले समय में गांव में और अधिक समिति खोली जाएगी तथा पैक्स भी खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार विकसित भारत के चार स्तम्भ युवा, किसान, महिलाओं व गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों के कल्याण के लिए लगातार नई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आत्मनिर्भर व सशक्त बनाया जा रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा किसानों की 24 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछड़े वर्गों के लिए क्रीमीलेयर की वार्षिक आय सीमा 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की है।

कैथल में सुशासन दिवस पर भाजपा विधायक ने सरकारी व्यवस्था पर उठाए सवाल

कैथल। पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने सुशासन दिवस पर विधानसभा के स्पीकर हरविंदर कल्याण की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार की व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर दिए। सुशासन दिवस पर जहां सरकार अपनी उपलब्धियां गिनवाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रही है। वहीं सतपाल जांबा ने कमियां गिनाकर सरकार की व्यवस्था की पोल खोल दी।?विधानसभा अध्यक्ष हरेंद्र कल्याण ने विधायक विधायक को बीच में ही टोका भी, लेकिन उसके बावजूद भी विधायक ने प्रशासन के सभी अधिकारियों की कमियां बात कर उनकी क्लास लेना चालू रखा। सुशासन दिवस पर लघु सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि दुकानों पर नशा खुलेआम बिक रहा है। उन्होंने कई बार पुलिस अधिकारियों को नाम भी दे दिए। पुलिस को पता है वह हमसे बेहतर जानते हैं। फिर भी नशा बेचने वाले को नहीं पकड़ रहे हैं। बेचने वाला नशा दुकान में नहीं रखेगा। यह पुलिस वाले भी जानते हैं। उनके पास पूरी लिस्ट है।पुलिस वाले नशा बेचने वालों को सुबह पकड़ते हैं शाम को छोड़ देते हैं।? बताते हैं कि कुछ नहीं मिला। पूंडरी में 115 स्कूल है। एक भी स्कूल ऐसा नहीं है जहां टीचर की कमी ना हो। यह क्या हमारे डीईओ या बीईओ को नहीं दिखता। उन्होंने कहा तो बोल 5 टीचर भेज देतेहैं।

सुशासन से सेवा करना भाजपा का मुख्य उद्देश्य: कृष्ण कुमार बेदी

यमुनानगर। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को प्रत्येक वर्ष की तरह प्रदेश सरकार द्वारा सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में मनाया गया । इसी कड़ी में सुशासन दिवस के अवसर पर जिला लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के सामाजिक न्याय और अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण, अंत्योदय, सत्कार एवं वास्तुकला मंत्री कृष्ण कुमार बेदी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके साथ सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा और भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा भी मौजूद रहें। कार्यक्रम के इस मौके पर मंत्री कृष्ण बेदी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी को पुष्पांजलि देकर याद किया। सराहनीय कार्य करने वाले तीन विभागों के अधिकारियों को सुशासन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय, सत्कार,वास्तुकला मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का संपूर्ण जीवन देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत रहा।

देश को सर्व शिक्षा अभियान,ग्राम सडक़ जैसी योजनाएं देने वाले अटल की स्मृतियां अमिट: नायब सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। देश को सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाने वाले, टेक्नोलॉजी को आम आदमी की पहुंच तक लाने वाले, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोडऩे वाले, पोखरण में सफल परीक्षण करवाकर देश को परमाणु शक्ति बनाने वाले, देश को सर्व शिक्षा अभियान और प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ जैसी योजनाएं देने वाले अटल जी आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट हैं। यह बात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां भाजपा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर आयोजित समारोह में कही। इससे पूर्व उन्होंने कार्यालय परिसर में अटल जी के जीवन पर लगाई गई प्रदर्शनी

का अवलोकन किया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा व वरिष्ठ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अटल जी की तस्वीर के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री सहित सभी नेताओं ने राष्ट्र निर्माण के अटल आदर्श की शताब्दी वर्ष पर कार्यालय में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।अटल जी की प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन भारतीय राजनीति और जनमानस के लिए सुशासन का अटल दिवस है। अटल जी सदा देश के लोगों की स्मृतियों में रहेंगे। आज पूरे देश में हर बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ता अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी को मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी ने हमें सुशासन की परिकल्पना दी जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धरातल पर उतारा और आज हम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जंयती को सुशासन दिवस के रूप में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जब तक सूरज-चांद रहेगा अटल जी का नाम रहेगा।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अटल जी कहते थे भारत की आत्मा गांवों में बसती है, जब तक गांवों का विकास नहीं होगा।

सरकारी विभागों को हाईटैक बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही सरकार : महिपाल ढांडा

एजेंसी

हिसार। व्यवस्था परिवर्तन करने के लिए मजबूत राजनीतिक सोच की आवश्यकता है। तभी हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को सिद्धि तक ले जा सकते हैं। यह बात बुधवार को शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने लघु सचिवालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हरियाणा में सरकारी विभागों को हाईटैक बनाने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं को नैतिक मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्ध है। देश के महापुरुषों की जीवनी को विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। विद्यार्थियों को वास्तविक इतिहास की घटनाओं से रूबरू करवाया जाएगा। हरियाणा सरकार नई शिक्षा नीति पर अनेक सुझावों पर विचार कर रहे हैं, जो सुझाव विद्यार्थियों के पक्ष में होंगे उनको लागू किया जाएगा।ढांडा ने एक पत्रकार के नए जिले बनाने के सवाल पर कहा कि गठित कमेटी की मंत्रणा जारी है, अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कमेटी में आए सुझावों पर जनता के हित को देखते हुए निर्णय किया जाए। हरियाणा सरकार ने 20 किलोमीटर की दूरी पर बच्चों की पढ़ाई के लिए कॉलेज खोलने का निर्णय लिया हुआ है। इसके अलावा खाली पदों को जल्द भरा जाएगा। हरियाणा सरकार ने लड़कियों के लिए स्नातक तक की शिक्षा को निश्शुल्क किया हुआ है। सरकार का लक्ष्य है कि कम खर्च में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए।

भाजपा का हर कार्यकर्ता अटल जी के पद चिन्हों का कर रहा अनुसरण: डा. सतीश पूनिया

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि कोई चलता है पदचिन्हों पर तो कोई पद चिन्ह बनाता है। अटल बिहारी वाजपेयी ऐसी शख्सियत थे, उन्होंने जो पद चिन्ह बनाएं उसका अनुसरण भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता करता है। वे यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि देने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

डा. पूनिया ने कहा कि अटल जी की समाधि का नाम सदैव अटल है और युगों-युगों तक जब तक यह सृष्टि रहेगी अटल बिहारी वाजपेयी का नाम रहेगा। उन्होंने कहा कि जब हमने अपने विचार और संगठन की शुरूआत जनसंघ के तौर पर की थी तब उस समय हमारे राजनीतिक विरोधी मजाक उड़ाते थे। हमारे विरोधी बोलते थे कि जिस दिए में तेल नहीं, सरकार चलाना खेल नहीं। डा. पूनिया ने कहा कि हमने तीन प्रतिशत और तीन सीटों से शुरूआत की। दुनिया ने भाजपा के विचारों की प्रबलता देखी और हम देश की

हुकुमत पर 303 सीटों पर काबिज हुए। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा के शुरूआती दौर में लोग यह भी कहते थे कि संगठन बनाना सपने जैसा है। अटल जी कि कही गई पंक्तियों को याद करते हुए डा. पूनिया ने कहा कि 1980 के भाजपा अधिवेशन में अटल जी ने कहा था- अंधेरा हटेगा, सूरज उगेगा, कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि आज निश्चित तौर पर भाजपा का स्वर्णिम कमल पूरी दुनिया के नक्शे पर खिल रहा है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जो हौंसला और प्रेरणा हमें दी उस पर चलते हुए भाजपा ने देश की राजनीति और देश की दिशा में बड़े-बड़े बदलाव किए हैं।

जनता की वोट की चोट से कांग्रेस सड़कों पर: मोहन लाल बडौली

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी को प्रदेशभर में सुशासन दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर सोनीपत में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने अटल जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

उन्होंने प्रदेशवासियों को सुशासन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अटल जी का नेतृत्व और विचारधारा भाजपा के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि अटल जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने सुशासन की नई शुरुआत की थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने गोहाना रोड स्थित छोटू राम धर्मशाला में अटल जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता की वोट की चोट से कांग्रेस सड़कों पर है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वंचित वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने

में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने तेज विकास किया है और हर वर्ग को लाभ पहुंचाया है।

पत्रकारों से बात करते हुए पंडित बड़ौली ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस फाइव स्टार होटलों से राजनीति करने वाली पार्टी बन गई है, जबकि भाजपा जमीनी स्तर पर जनता के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का झूठ अब जनता के सामने आ चुका है, और पार्टी का पतन इसी वजह से हुआ है। कार्यक्रम में विधायक निखिल मदान, जिला अध्यक्ष जसबीर दोदवा, जिला महामंत्री निशांत छौक्कर, कार्यक्रम के संयोजक नीरज अत्रे, पूर्व जिला अध्यक्ष डा. ओम प्रकाश अत्रे, राजीव जैन, ललित बतरा, मंडल अध्यक्ष नरेश वर्मा, मुकेश बतरा, सुरेंद्र मदान, आनंद हुड्डा, चरण सिंह जोगी, देवेंद्र कौशिक, अंजू दहिया, किरण बाला और प्रेमा तिवारी आदि मौजूद रहे।

हिसार पुलिस ने नशीले पदार्थों की बरामदगी के लिए चलाया सर्च अभियान

हिसार। पुलिस की नशा निरोधक टीम ने स्टेट नारकोटिक्स टीम और डॉग स्क्वाड के साथ शहर की अंबेडकर बस्ती में नशीले पदार्थों की बरामदगी के लिए स्पेशल सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने दो महिलाओं से 2.35 ग्राम हेरोइन, 224 ग्राम गांजा और दो लाख 74 हजार 910 रुपए बरामद किए। नशा निरोधक टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीमों ने अंबेडकर बस्ती में संदिग्ध जगहों पर जांच की और लोगों से पूछताछ भी की। इस अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी को रोकना है। अभियान के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर जांच की गई साथ ही शराब या अन्य कोई नशा करने वालों, संदिग्ध लोगों और अपराधियों की धरपकड़ पर जोर दिया गया।

खेल मंत्री ने ककरोई रोड की मरम्मत पर दिए निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। ककरोई रोड की खराब स्थिति पर संज्ञान लेते हुए खेल एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जब तक इस सड़क का स्थाई समाधान नहीं होता, अस्थाई रास्ता बनाया जाए। उन्होंने तय समय-सीमा में स्थाई समाधान के लिए कार्य सुनिश्चित करने को कहा। राज्यमंत्री ने जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 22 शिकायतों में से 7 का मौके पर निपटारा किया और 15 को आगे की कार्रवाई के लिए लंबित रखा। प्रमुख शिकायतों में दीपालपुर निवासी प्रमिला ने शिकायत की कि अस्पताल ने आयुष्मान कार्ड स्वीकारने से मना कर दिया और चार लाख रुपये वसूल किए। मंत्री के निर्देश पर अस्पताल ने महिला को चार लाख रुपये लौटाए। सेक्टर-10 के निवासियों की शिकायत पर मंत्री ने डीटीपी को एक महीने में बिल्डिंग का ऑडिट कराने का निर्देश दिया। रंगोली बिल्डटेक कंपनी के खिलाफ शिकायत पर मंत्री ने एक कमेटी गठितकर अगली बैठक तक कार्रवाई का निर्देश दिया। गांव रोहट में अवैध कब्जे की शिकायत पर

एसडीएम को मौका मुआयना करने को कहा है।इसके पश्चात गांव निवासी डोली की शिकायत थी कि उसके पति एक ठेकेदार के यहां कार्य करते थे जो दूसरे फ्लोर से गिर गए, जिससे उनके पैर में गंभीर चोट आई है। ठेकेदार न तो उनका ईलाज करवा रहा है और यहां से भाग गया है। इसपर राज्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर उस ठेकेदार को गिरफ्तार करके लाएं और इस महिला के पति की मदद करवाई जाए। गांव रिढाऊ में ट्यूबवेल के खारे पानी के लिए आरओ लगाने का आदेश दिया। गांव मलिकपुर में खड़ंजा पक्के रास्ते के दोनों ओर मिट्टी डालने के निर्देश दिए। बैठक में राशन वितरण की जांच और उचित सुधार कार्य के आदेश भी दिए गए।

जल संसाधनों का प्रबंधन और भूजल संचय पर होगा मंथन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में खिसकता भू-जल चुनौती बना हुआ है। बढ़ती जनसंख्या और अत्याधिक भू-जल दोहन से जल संसाधनों की स्थिति चिंताजनक पहुंच गई है। जल संसाधनों का प्रभावी उपयोग और प्रबंधन को लेकर भू-लेख हरियाणा की ओर से तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। 26 से 28 दिसंबर तक चंडीगढ़ में जल संचय, जल संसाधनों का प्रबंधन और पानी बचाव पर मंथन होगा।26 दिसंबर को अनुराग रस्तोगी वित्तायुक्त, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण, लघु सिंचाई सांख्यिकी प्रकोष्ठ भारत सरकार की उप महानिदेशक प्रियंका कुलश्रेष्ठ मुख्यातिथि होंगी। भू-अभिलेख के सहायक निदेशक और क्षेत्रीय कार्यशाला के नोडल अधिकारी राजकुमार ने बताया कि कार्यशाला में भू-अभिलेख हरियाणा के निदेशक डॉ. यशपाल सहित नदी विकास और गंगा संरक्षण, लघु सिंचाई सांख्यिकी प्रकोष्ठ के अधिकारी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा में जल संसाधनों में कमी आ रही है। प्रदेश में जल संबंधी गंभीर चुनौतियों, जिनमें अत्याधिक भूजल दोहन, घटता जल स्तर, असक्षम सिंचाई पद्धतियां और जल स्त्रोतों के प्रदूषण पर चर्चा होगी। यही नहीं अंतरराज्यीय नदी विवाद, सीमित वर्षा जल संचयन, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और बढ़ती जनसंख्या के लिए जल प्रबंधन पर भी मंथन होगा।

सुशासन दिवस पर कांता यादव को मिला प्रथम पुरस्कार

एजेंसी

जींद। स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष में जिला स्तरीय सुशासन दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने की। समारोह में मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई।

इसके साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी कांता यादव को 31 हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार मिला। जिला परियोजना अधिकारी प्रवीण कुमार को 21 हजार रुपये का पुरस्कार द्वितीय रहने पर तथा जिला राजस्व अधिकारी राजकुमार को 11 हजार रुपये का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सांसद सुभाष बराला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के ईमानदार और

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी थे। उनका जीवन सुशासन और सशक्त शासन का प्रेरणा स्रोत है और उनके जन्मदिन को देशभर में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। सुशासन को परिभाषित करते हुए कहा कि यह पारदर्शी, उत्तरदायीए समावेशी और प्रभावी शासन का परिचायक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन की दिशा में उठाए गए क्रांतिकारी कदमों का उल्लेख किया। इनमें डिजिटल इंडिया अभियान, आयुष्मान भारत योजना, फसल बीमा योजना और ई-गवर्नेंस जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। सांसद बराला ने कहा कि पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के जरिये भारत ने वैश्विक मंच पर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के तहत सुशासन को सरकार की पहचान बनाया गया है। सरकार आपके द्वार सिद्धांत पर कार्य कर रही है। जिसमें जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

महिला, किसान, युवा उत्थान को समर्पित नई इबारत लिखेंगे: डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि महिला, किसान और युवाओं की आत्मनिर्भरता को समर्पित जिला स्तरीय सहकारिता जागरूकता अभियान का उद्घाटन करने के साथ ही नई इबारत लिखेंगे। सरकारी नौकरी के साथ-साथ प्रतिभाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ही स्थान पर सहकारी संस्थाओं की योजनाओं की जानकारी देंगे। जिसके आधार पर पात्र अपना पंजीकरण करवा सकेंगे।

मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना का ताऊ देवीलाल स्टेडियम सहकारिता विभाग व सहयोगी संस्थाओं द्वारा जिला स्तरीय सहकारिता जागरूकता अभियान का गवाह बनेगा। अभियान की शुरुआत में हैफेड वीटा, शुगर फेड, हरको बैंक व अन्य सहकारी संस्थाओं व स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। यह प्रदर्शनी पूरे आयोजन का केंद्र बिंदु है, क्योंकि इस प्रदर्शनी के माध्यम से सहकारी संस्थाएं आमजन को अपनी योजनाओं के बारे में जानकारी देंगी और उनसे जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की प्रक्रिया से अवगत करवाएंगे।

सरकारी प्रवक्ता ने बताचया कि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंकुर गुप्ता, हरियाणा राज्य सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार मुख्यातिथि का स्वागत करेंगे। हरकोफैड की प्रबन्ध

निदेशक सुमन बल्हारा सहकारी गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी सांझा करेंगी। सांस्कृतिक टोली द्वारा सहकारिता पर जागरूकता गीत पेश किया जाएगा। जिला स्तरीय सहकारिता जागरूकता अभियान के मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा पैक्स पदाधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों व जिला भर से आए नागरिकों को संबोधित करेंगे। चौधरी देवीलाल सहकारी चीनी मिल्ज, आहुलानाकी प्रबन्ध निदेशक अंकिता वर्मा आभार व्यक्त करेंगी।

कैथल में बोले हरविंद्र कल्याण, हरियाणा को जल्द मिलेगी मॉडर्न विधानसभा

एजेंसी

कैथल। हरियाणा को जल्द ही मॉडर्न विधानसभा का भवन मिलेगा। कैथल में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने बताया कि नई विधानसभा के निर्माण के लिए यू.टी प्रशासन ने जमीन दे दी है। उसमें सेंसिटिव जोन को लेकर जो रुकावटें थीं, वह दूर हो गई हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान भवन का उपयोग काफी समय से हो रहा है और नए भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नई विधानसभा न केवल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगी, बल्कि इसमें सदस्यों और कर्मचारियों की बढ़ती संख्या को भी ध्यान में रखा जाएगा।?हरविंद्र कल्याण ने संकेत दिया कि परिसीमन प्रक्रिया को जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिसीमन के बाद विधानसभा क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि हो सकती है, जिससे हरियाणा के सभी क्षेत्रों का बेहतर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि नई विधानसभा भवन कै लिए जमीन मिलने के बाद जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह भवन हरियाणा की राजनीतिक और प्रशासनिक क्षमता को मजबूत करेगा। नई विधानसभा में मॉडर्न तकनीक, डिजिटल सुविधाएं और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण

तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा विधायकों के लिए विस्तृत बैठने की व्यवस्था, कैफेटेरिया, पुस्तकालय और मीडिया सेंटर जैसी सुविधाएं भी होंगी। इस पहल से हरियाणा की प्रशासनिक क्षमता में सुधार होने की उम्मीद है और यह राज्य के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। चंडीगढ़ प्रशासन ने हरियाणा को विधानसभा भवन बनाए जाने के लिए जमीन देने के प्रस्ताव पर सहमति तो दी थी। लेकिन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था। जिस पर अब केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। प्रशासन के अनुसार जो जमीन हरियाणा की ओर से पंचकूला एरिया की मिली रही है, वह चंडीगढ़ के आईटी पार्क के 123 एकड़ जमीन के साथ लगती है। जुलाई 2022 में जयपुर में एनजेडसी की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा की नई बिल्डिंग के लिए चंडीगढ़ में जमीन देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

किसी की समस्या लिखे कागज में होता है उस व्यक्ति का दर्द, अधिकारी उसे समझें: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को जन सेवा के माध्यम से सुशासन का संदेश दिया। उन्होंने सरकारी सेवकों को कहा कि हम जब अंत्योदय की बात करते हैं तो हमें हमारे कार्य में संवेदनशीलता होना चाहिए। जिस भी कुर्सी पर हम बैठे हैं, वह एक मौका हमें ईश्वर ने दिया है कि हम अंत्योदय के उत्थान की सोचें। मुख्यमंत्री पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमेशा ध्यान रखना है कि जब भी कोई व्यक्ति हमारे दफ्तर में आता है, हमसे मिलता है और अपनी समस्या रखता है तो उसे संवेदनशीलता से समझें। उसका दिया हुआ कागज, दरखास्त, वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि उसके दर्द का निचोड़ है। उस कागज के पीछे की कहानी को समझें। जिस दिन हम उस कहानी को समझ पाए तो मान लेना हम अपने सुशासन के प्रयास में सफल हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम हरियाणा प्रदेश को ऐसा बनाएंगे, जहां विकास समावेशी होगा, जहां नागरिक को अपनी क्षमताओं को पहचानने और निखारने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने अनेक निर्णय लेकर जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। आज घर बैठे सुविधाओं का लाभ नागरिकों को मिल रहा है, यही सुशासन का सबसे बड़ा मंत्र है। नायब सिंह सैनी ने भारत रत्न से सम्मानित महामना पंडित मदन मोहन मालवीय व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर बधाई देते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन हम सभी के लिए न केवल एक स्मरणीय अवसर है, बल्कि यह अवसर हम सभी को यह प्रेरणा देता है

संयुक्त राष्ट्र ने साइबर अपराध पर ऐतिहासिक संधि को अपनाया

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आज साइबर अपराध को रोकने और उससे निपटने के लिए एक नई संधि को अपनाया, जिसके साथ ही पांच साल की वार्ता प्रक्रिया पूरी हो गई। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सभी देशों से संधि में शामिल होने और संबंधित हितधारकों के सहयोग से इसे लागू करने का आह्वान किया है। साइबर अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र संधि का उद्देश्य साइबर अपराध को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से रोकना और उससे निपटना है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करना शामिल है, खासकर विकासशील देशों के लिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने कहा ÷हम एक डिजिटल दुनिया में रहते हैं, जहां सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में समाज के विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन साथ ही साइबर अपराध के संभावित खतरे को भी बढ़ाती हैं। इस सम्मेलन को अपनाने के साथ, सदस्य देशों के पास साइबर अपराध को रोकने और उससे निपटने, लोगों और उनके अधिकारों की ऑनलाइन सुरक्षा करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए उपकरण और साधन उपलब्ध हैं। ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वार्ता के सचिवालय के रूप में कार्य किया।

शक्कर में मांग, खाद्य तेलों में तेजी, दलहन नरम, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव रहा। खाद्य तेलों में लिवाली से भाव तेजी लिए रहे। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की खरीदी रही। दलहनों में मांग सुस्ती के साथ आवक दबाव से तुअर में नरमी दर्ज की गई। आज दाल तथा चावल में कामकाज सामान्य वत बना रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव बताया गया। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ ऊंचा होकर बिका। खोपरा बूरा तथा हल्दी में मांग सुधार लिए बताई गई।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में लिवाली सुधार से सोयाबीन रिफाइंड तेजी लिए रहा। तिलहन में उठाव से सरसों में मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन में लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज सुस्ती लिए बताया गया। तुअर घटकर बिकी। दाल में उठाव रहा। चावल में लिवाली से भाव स्थिरता लिए बताए गए।

गोमैकेनिक 700 करोड़ रुपये राजस्व का लक्ष्य पाने के बाद लाएगी आईपीओः सीईओ

नयी दिल्ली। यात्री वाहनों की सर्विसिंग एवं मरम्मत सेवाएं देने वाली कंपनी गोमैकेनिक को उम्मीद है कि वर्ष 2027 तक उसका शुद्ध राजस्व तीन गुना होकर 700 करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगा। इसके बाद वह शेयर बाजार में सूचीबद्धता का रुख करेगी। गोमैकेनिक के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिमांशु अरोड़ा ने बातचीत में कहा कि कंपनी की वाहन सर्विसिंग बाजार में फिलहाल करीब तीन प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसे अगले तीन वर्षों में बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। गोमैकेनिक ने वित्त वर्ष 2023-24 में 210 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया था, जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसने 85 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। अरोड़ा ने कहा, ''अभी हमारी बाजार हिस्सेदारी करीब तीन प्रतिशत पर है और 2027 तक यह करीब 10 प्रतिशत हो जाएगी। हमें उम्मीद है कि 2027 तक हमारा ब्रांड लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करेगा। हमारा मानना है कि गोमैकेनिक की कहानी का अगला स्वाभाविक कदम आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) होगा।''

सीमेंट उद्योग में इस साल बड़ी कंपनियों में दिखी विलय और अधिग्रहण की होड़

नयी दिल्ली। भारतीय सीमेंट उद्योग 2024 में दो बड़े कॉरपोरेट घरानों के बीच छोटी कंपनियों के अधिग्रहण को लेकर बढ़ती प्रतिद्वंद्विता और एकीकरण का गवाह रहा है। अगले साल सीमेंट उद्योग बिक्री से प्राप्ति में सुधार, ऊंचे मार्जिन और मांग में तेजी के साथ-साथ बड़ी ढांचागत परियोजनाओं पर सरकार के बढ़ते खर्च से बिक्री में लगभग आठ प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। दो प्रमुख कंपनियों - आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट और अरबपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाली अंबुजा सीमेंट्स द्वारा 4.5 अरब डॉलर में पांच करोड़ टन सालाना से ??अधिक की क्षमता का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके अलावा, इन कंपनियों ने मौजूदा इकाइयों का विस्तार भी किया है, क्योंकि उन्होंने अवसरों की तलाश में अपनी पूंजी तैयार रखी है। उद्योग को 2024 में कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें मध्यम क्षमता उपयोग से लेकर कम बिक्री प्राप्ति तक शामिल है। इससे कई सीमेंट विनिर्माताओं की आमदनी प्रभावित हुई।

6जी की वैश्विक दौड़ में आगे निकलने को तैयार भारत : सीओएआई

एजेंसी

नई दिल्ली। सेलुलर ऑपरेटरों के संघ सीओएआई ने आज कहा कि टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप को गति देने के लिए उत्साहजन अवसर और सरकार के जबरदस्त प्रयास की बदौलत भारत अब इंटरनेट की छठी पीढ़ी 6जी की वैश्विक दौड़ में आगे निकलने के लिए तैयार है। सीओएआई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एस. पी. कोचर ने मंगलवार को भारत के दूरसंचार क्षेत्र की वृद्धि के लिए वर्ष 2024 की उपलब्धियों और रूपरेखा को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय दूरसंचार उद्योग ने हाल के वर्षों में एक शानदार यात्रा करते हुए इस देश की सामाजिक आर्थिक वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक का काम किया है। देश में 1.2 अरब से अधिक दूरसंचार ग्राहक के कारण

अक्टूबर,2024 तक प्रति वायरलेस डेटा उपभोक्ता का औसत मासिक डेटा उपभोग 21.30 जीबी (गीगीबाइट) तक पहुंच गया है। डॉ. कोचर ने कहा कि अक्टूबर, 2024 तक 4,60,592 बीटीएस साइट्स स्थापित किए जा चुके हैं जिससे 5जी यूज़र का आधार बढ़कर 12.5 करोड़ पहुंच गया और वर्ष 2026 तक इसके 35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्लूए) भारत में एक प्रमुख 5जी यूज़ केस के तौर पर उभरा है और लॉन्चिंक के एक साल के भीतर इसके कनेक्शंस की संख्या करीब 30 लाख पहुंच गई है। जीडीपी में एक बड़ा योगदान करने वाला यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 40 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। ग्राहक सेवा, परिचालन सहयोग, नेटवर्क के अधिकतम उपयोग और ऑटोमेशन, अनुमान योग्य रखरखाव, धोखाधड़ी की रोकथाम आदि सभी क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जेनएआई टेक्नोलॉजीज़ को व्यापक तौर पर अपनाया जाना, दूरसंचार में डिजिटल नवप्रवर्तन की तेज़ गति को परिलक्षित करता है। केपीएमजी इंडिया के मुताबिक, भारत में टेक्नोलॉजी, मीडिया और दूरसंचार (टीएमटी) क्षेत्रों में 55 प्रतिशत संगठनों ने एआई को पूर्ण रूप से एकीकृत किया है जिसमें 37 प्रतिशत विस्तार के चरण में हैं।

सरकार ने पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात को फरवरी, 2025 तक बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बिना शुल्क और न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) के पीली मटर का आयात दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। फिलहाल पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात की मौजूदा अवधि 31 दिसंबर 2024 है, जिसे बढ़ाकर फरवरी, 2025 किया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की अधिसूचना में कहा गया है कि पीली मटर का आयात एमआईपी शर्तों और बंदरगाह प्रतिबंधों के बिना हो सकता है। इसके लिए तत्काल प्रभाव से ऑनलाइन आयात निगरानी प्रणाली के तहत 28 फरवरी, 2025 तक या उससे पहले जारी किया गया पंजीकरण होना चाहिए। दरअसल, भारत पीली मटर का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक देश है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 20 लाख टन पीली मटर का आयात किया है, जो कुछ साल अनुमति मिलने के बाद से अब तक का सबसे अधिक आयात है।

ओला इलेक्ट्रिक ने खोले 3200 नये शोरूम

एजेंसी

बेंगलुरू। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने आज पूरे देश में 3200 से अधिक नये शोरूम शुरू करने की घोषणा की जिससे उसके शोरूम की संख्या बढ़कर चार हजार हो गयी है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 3200 से अधिक नए स्टोर खोले गये हैं जो सर्विस सेंटरों के साथ जुड़े हैं, इससे भारत में सबसे बड़े ईवी नेटवर्क का विस्तार हुआ है। यह विस्तार सिर्फ मेट्रो और टियर 1 तथा 2 शहरों तक ही नहीं है, बल्कि छोटे कस्बों और तहसीलों तक हुआ है, जिससे पूरे देश में ईवी की पहुंच और भी आसान हो गई है।

उसने आज अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर्स तक बढ़ाने की घोषणा की जो मौजूदा नेटवर्क से चार गुना ज्यादा है। यह दुनिया में ईवी नेटवर्क के सबसे बड़े विस्तारों में से एक माना जा रहा है, इस विस्तार से यकीनन देश में ईवी तक लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी और ईवी के क्षेत्र में बहुत बड़ा विकास होने की संभावनाएं भी काफी हद तक बढ़ जाएंगी साथ ही ईवी के प्रति भरोसा और उसे अपनाने को मजबूती भी मिलेगी। इस विस्तार के साथ ओला

इलेक्ट्रिक ने अपने सेविंग वाला स्कूटर अभियान के तहत किए गए वादे को पूरा कर दिया है।कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भाविष अग्रवाल ने कहा हमने जो वादा किया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। भारत के ईवी के सफर में आज का दिन बहुत बड़ा है, क्योंकि हमने अपने नेटवर्क का विस्तार हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका तक कर दिया है। हमारे नए स्टोर्स, जो सर्विस सेंटर्स के साथ जुड़े हैं, उन्होंने ईवी खरीदने और उसे इस्तेमाल करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल दिया है। सेविंग वाला स्कूटर अभियान के साथ हमने नए मानक स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे हम उन्नत हो रहे हैं, हम इन्नोवेशन की सीमाओं को नया आयाम देने और देश को इंडआईसीईऐज की ओर तेजी से ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही कंपनी ने मूवओएस 5 बीटा के लिए प्रायोरिटी रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए है, जिसमें ग्रुप नेविगेशन, लाइव लोकेशन शेयरिंग, रोड ट्रिप मोड (ओला मैप्स द्वारा संचालित) जैसे फीचर्स शामिल हैं। कंपनी ने एस 1 पोर्टफोलियो पर लगभग 25,000 रूपये तक के ऑफरों की भी घोषणा की है।

सिनेमाघरों में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर पांच फीसदी ही लगेगा जीएसटी

एजेंसी

नई दिल्ली। सिनेमा घरों में खुले रूप से बिकने वाले पॉपकॉर्न पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर पांच फीसदी ही लागू होगा, जैसा कि रेस्टोरेंट सेवाओं पर लागू होता है। अगर पॉपकॉर्न को फिल्म टिकट के साथ बेचा जाता है, तो इसे एक समग्र आपूर्ति के रूप में माना जाएगा। चूंकि, इस मामले में मुख्य आपूर्ति टिकट है, इसलिए उसकी लागू दर के अनुसार कर लगाया जाएगा।

इस बारे में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में स्पष्टीकरण दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में कहा कि नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर लागू वर्गीकरण और जीएसटी दर को स्पष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश से अनुरोध मिला था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद मीडिया को बताया था कि परिषद ने पॉपकॉर्न पर कर के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने पर सहमति जताई है। पॉपकॉर्न पर जीएसटी की दर में कोई वृद्धि और बदलाव नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी के तहत नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न को नमकीन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसको खुले में बेचने पर 5 फीसदी का कर लगता है। पहले से पैक और लेबल के साथ ईट स?नैक?स पर 12 फीसदी जीएसटी और कुछ वस्तुओं को छोड़कर सभी चीनी कन्फेक्शनरी पर जीएसटी 18 फीसदी लगता है। इसलिए कारमेलाइज चीनी वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जाएगा।

केंद्र ने ग्रामीण विकास के लिए राजस्थान को 614 करोड़ रुपये और ओडिशा को 455 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत राजस्थान और ओडिशा में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए धनराशि जारी कर दी है। आयोग ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजस्थान को 614 करोड़ रुपये और ओडिशा को 455 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया है। पंचायती राज मंत्रालय ने राजस्थान को वित्त वर्ष 2024-25 की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किश्त के रूप में 560.63 करोड़ रुपये के साथ-साथ चालू वित्त वर्ष की असंबद्ध अनुदान की पहली किश्त के रोके गए 53.4123 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए हैं। ये धनराशि राज्य की 10105 पात्र ग्राम पंचायतों, 315 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 20 पात्र जिला पंचायतों के लिए है। मंत्रालय ने ओडिशा को ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किश्त के 370.20 करोड़ रुपये जारी किये हैं। इसके साथ ही

चालू वर्ष के लिए असंबद्ध अनुदान की पहली किश्त की रोकी गई धनराशि 84.5086 करोड़ रुपये जारी की गई है। ये धनराशि राज्य की सभी पात्र 6794 ग्राम पंचायतों, 314 ब्लॉक पंचायतों और 30 जिला पंचायतों के लिए है।

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू और अगले वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी: ईवाई रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2024-25 और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है। इसकी वजह निजी उपभोग व्यय और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में गिरावट है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान से कहीं कम 5.4 फीसदी रही है, जो सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है।

इससे पिछली तिमाही अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 6.7 फीसदी थी। ईवाई इकोनॉमी वॉच की जारी नवीनतम रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2047-48 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के राजकोषीय दायित्व ढांचे में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में उन

प्रमुख राजकोषीय और आर्थिक उपायों पर भी प्रकाश डाला गया है, जो इस वृद्धि प्रक्षेपवक्र को बनाए रख सकते हैं और बढ़ावा दे सकते हैं। ईवाई वॉच रिपोर्ट में कहा गया है कि टिकाऊ ऋण प्रबंधन, सरकारी बचत को खत्म करने तथा निवेश आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने से भारत के विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने का मार्ग प्रशस्त होगा। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी. के. श्रीवास्तव ने राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन भारत को राजकोषीय विवेक बनाए रखते हुए सतत विकास को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए जरूरी बताया है। अर्न्स्ट एंड यंग ग्लोबल लिमिटेड का ट्रेड नाम EY ईवाई है। ये इंग्लैंड में स्थित एक ब्रिटिशबहुराष्ट्रीय पेशेवर सेवा साझेदारी कंपनी है। ईवाई दुनिया के सबसे बड़े पेशेवर सेवा नेटवर्क में से एक है। डेलोइट, केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी के साथ इसे बिग फोर अकाउंटिंग फर्मों में से एक माना जाता है। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर अब 6.6 फीसदी कर दिया है।

ईपीएफओ ने अक्टूबर महीने में 13.41 लाख सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अक्टूबर महीने में शुद्ध रूप से 13.41 लाख सदस?य जोड़े हैं। इस दौरान ईपीएफओ ने अपने साथ 7.50 लाख नए सदस?यों को जोड़े हैं। यह रोजगार के अवसरों में वृद्धि और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि ईपीएफओ ने अक्टूबर 2024 में नेट 13.41 लाख सदस?यों को जोड़ा है। इस दौरान ईपीएफओ से 7.50 लाख नए सदस?य जुड़े हैं। ईपीएफओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में 18-25 आयु वर्ग के जोड़े गए कुल नए सदस?यों की संख?या 5.43 लाख है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के दौरान 18-25 आयु वर्ग का दबदबा रहा है, जो अक्टूबर 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 58.49 फीसदी है।

ईपीएफओ के अक्टूबर 2024

के लिए जारी आंकड़ों से चलता है कि लगभग 12.90 लाख सदस्य ईपीएफओ से बाहर निकल गए और बाद में फिर से जुड़ गए। इस दौरान जोड़े गए नए सदस्यों में से करीब 2.09 लाख नई महिला सदस्य हैं। ये आंकड़ा अक्टूबर 2023 की तुलना में 2.12 फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, अक?टूबर महीने के दौरान शुद्ध महिला सदस्य जुड़ाव करीब 2.79 लाख रहा, जो महिला सदस्यों में वृद्धि अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है।

मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफओ के जारी पेरोल डेटा के राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि टॉप 5 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुद्ध सदस्य वृद्धि कुल सदस्य वृद्धि का करीब 61.32 फीसदी है, जो अक?टूबर के दौरान कुल मिलाकर लगभग 8.22 लाख शुद्ध सदस?य जोड़े हैं। इन राज्यों में महाराष्ट्र ने 22.18 फीसदी शुद्ध सदस्यों को जोड़कर सबसे आगे रहा। इसके साथ ही महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, हरियाणा, तेलंगाना और गुजरात जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अक्टूबर के दौरान कुल 5 फीसदी से अधिक शुद्ध सदस्यों का जोड़ने का योगदान दिया है।

भारत में महिला निदेशकों वाले स्टार्टअप की संख्या 73 हजार के पार हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम हब बन गया है। देश में 73 हजार से ज?यादा स्टार्टअप है, जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक हैं। इनको स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता दी गई है। 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य नवाचार और उद्यमिता के भविष्य को आकार दे रहा है। पिछले दशक में भारत में उद्यमशीलता की भावना में काफी बदलाव आया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर नवाचार के केंद्र बन गए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर सबसे जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक के रूप में उभरा है, जिसने तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप हब के रूप में अपनी जगह बनाई है। भारत अब 73 हजार से ज?यादा स्टार्टअप का घर है, जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक को स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता दी गई है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार

समर्थित 1,57,066 स्टार्टअप में से करीब आधे का प्रतिनिधित्व करता है, जो नवाचार और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि किफायती इंटरनेट की व्यापक उपलब्धता के साथ ही युवा और गतिशील कार्यबल ने फिनटेक, एडटेक, हेल्थ-टेक और ई-कॉमर्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप के विकास को बढ़ावा दिया है। भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट के मुताबिक भारत के स्टार्टअप ने स्थानीय और वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उभरती हुई तकनीकों का लाभ उठाया है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इनक्यूबेटर, एक्सेलेरेटर और मजबूत मेंटरिंग नेटवर्क समर्थित नवाचार की इस संस्कृति ने एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया है, जो जमीनी चुनौतियों को अत्याधुनिक समाधानों से जोड़ता है।

ऊर्जा क्षेत्र के लिए अगले 25 साल का खाका तैयार किया है: फडणवीस

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के लिए अगले 25 साल का खाका तैयार किया है। उन्होंने

यहां 'प्रेस से मुलाकात' कार्यक्रम में कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत गरीब लोगों को दिए जाने वाले मकानों में सौर ऊर्जा सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। फडणवीस के पास ऊर्जा विभाग का प्रभार भी है। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन साल में बिजली की दरें कम करने की भी कोशिश की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, '' ऊर्जा क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है और हमने इसके लिए अगले 25 साल का खाका तैयार किया है।'' उन्होंने कहा, '' हमारी योजना यह भी है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत गरीबों को दिए जाने वाले मकानों का बिजली का बिल न आए। इन मकानों को सौर ऊर्जा के तहत लाया जाएगा।''

2024 में सोने ने कराया जोरदार मुनाफा, 27 प्रतिशत रिटर्न से निवेशकों की बल्ले-बल्ले

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने के निवेशकों को साल 2024 में जमकर फायदा हुआ है। इस साल सोने ने करीब 27 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिससे निवेशकों को काफी फायदा हुआ है। माना जा रहा है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन और वैश्विक अर्थव्यवस्था के उथल-पुथल की वजह से इस साल निवेशकों ने सोने को सेफ इन्वेस्टमेंट मानते हुए जमकर पैसे लगाए। इसके साथ चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भी अपने गोल्ड रिजर्व को मजबूत करने की इरादे से जमकर खरीदारी की। इसीलिए साल 2024 सोने की जबरदस्त तेजी का गवाह बन गया। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की सरपट चाल पर मामूली ब्रेक भी लगा। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद होने वाले संभावित नीतिगत परिवर्तनों की आशंका ने डॉलर इंडेक्स को मजबूत किया है, जिसकी वजह से सोने की मांग में कुछ कमी भी आई है। इसके बावजूद बुलियन की डिमांड में तीसरी तिमाही के दौरान आई तेजी की वजह से इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत में एक बार फिर तेजी आने की उम्मीद बन गई है। मौजूदा वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान पहली बार सोने की डिमांड 100 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई है। जानकारों का कहना है कि इस साल सोने की कीमत में आई जोरदार तेजी के लिए मुख्य रूप से इजरायल और ईरान के बीच बने जंग जैसे हालात, रूस और यूक्रेन यूक्रेन में जारी जंग और सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद की विद्रोहियों से हुई हार को जिम्मेदार माना जा सकता है। इन तीनों वजहों से सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग में तेजी आई। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार साल 2024 में कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी करते रहे। साल 2025 में भी केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इस तरह अगले साल भी सोने के सबसे बड़े लिवाल अलग-अलग देशों के बैंक ही रहने वाले हैं। इसके अलावा ज्वेलरी मार्केट में भी इस साल तेजी बने रहने की उम्मीद है। इसलिए ज्वेलरी हाउसेस की ओर से भी फिजिकल गोल्ड की खरीदारी में तेजी होगी। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि सोना साल 2025 में भी सरपट चाल में भागता रहेगा। इस बीच यदि जियो-पॉलिटिकल टेंशन में बढ़ोतरी हुई, तो इन्वेस्टर भी बड़ी तादाद में गोल्ड में इन्वेस्टमेंट करेंगे, जिसकी वजह से सोने के भाव में और तेजी आ सकती है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि अमेरिकन फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती किए जाने की वजह से निवेशकों के लिए सोना आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके साथ ही महंगाई के खतरे को देखते हुए भी कई बड़े निवेशकों ने सोने में पैसा लगाने का फैसला किया है, जिसकी वजह से इस धातु की कीमत में लगातार तेजी आई है। आने वाले दिनों में भी सोने में तेजी का अनुमान लगाया जा रहा है। खासकर, जेपी मॉर्गन, गोल्डमैन सैक्स और सिटी ने साल 2025 में सोने की कीमत बढ़ कर 3,000 से 3,100 डॉलर प्रति ऑन्स तक पहुंच जाने की उम्मीद जताई है।

क्या आप भी ओवन में इन बर्तनों में करते हैं खाना गर्म बम की तरह फट सकता है Oven, जानें कारण

कड़कड़ती ठंड में जब शीत लहर चलती है तो इंसान क्या पौधे भी सूखने-मरने लगते हैं. खासकर, आंगन, बालकनी में लगा तुलसी का पौधा बहुत जल्द मुरझाने लगता है. आप चाहते हैं तुलसी को बचाए रखना तो इन 6 बातों को ध्यान में रखकर करें तुलसी प्लांट की देखभाल.

हिंदू धर्म में घर के आगन, बलकनी में तुलसी का पौधा (Tulsi plant) लगाना बेहद पवित्र, सुख-समृद्धि लाने वाला माना गया है. तुलसी का पौधा अधिकतर लोग अपने घर में लगाते हैं. कहते हैं इसमें मां लक्ष्मी का वास होता है. ऐसे में तुलसी जी के पौधे का विशेष ध्यान रखना चाहिए वरना आपके घर से लक्ष्मी जी रुष्ठ होकर चली जाएंगी. अक्सर सर्दियों के मौसम में अधिकांश इनडोर पौधों का बुरा हाल हो जाता है. प्रॉपर देखभाल ना मिले तो ये सूखकर मुरझा जाते हैं. पत्तियां सारी झड़ने लगती हैं. खासकर, घर के आंगन और बालकनी में आपने तुलसी (Tulsi) का पौधा लगा रखा है तो आपको विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि तुलसी का पौधा ठंड के दिनों में जल्दी खराब होने लगता है. आपके घर में लगा तुलसी का पौधा भी मुरझाने लगा है तो तुरंत ही यहां बताए गए टिप्स को फॉलो करना शुरू कर दें.

सर्दियों में भी ऐसे रखें तुलसी के पौधे को हरा-भरा (Tulsi care tips in winter)

1.अधिकतर लोग अपने घर में तरह-तरह के पौधे लगा तो लेते हैं, लेकिन उसकी किस मौसम में कैसे देखभाल करनी चाहिए, इसकी जानकारी नहीं होती है. इससे पौधे सूखने लगते हैं. तुलसी का पौधा आपके घर में लगा है और उसकी पत्तियां मुझाती सी दिख रही हैं तो आप तुरंत ही नीम के पत्तों का पानी तुलसी प्लांट के गमले में डाल दें. इसके लिए नीम की कुछ पत्तियों को पानी में डालकर उबालें और इसे ठंडा करके डालें. आप ये उपाय प्रत्येक चार दिनों में करें. मिट्टी सूखी हो तो ही पानी डालें.

2. आप तुलसी के गमले में लौंग का पानी भी डाल और छिड़काव कर सकते हैं. इसके लिए एक छोटे भगोने में पानी लें और उसमें कुछ लौंग डालकर उबालें. पानी ठंडा हो जाए तो पौधे पर स्प्रे करें. इससे कीड़े, चीटियां पौधे को नुकसान नहीं पहुंचाएंगी.

3. ठंड के मौसम में बार-बार अधिक खाद और केमिकल युक्त फर्टिलाइजर का इस्तेमाल न करें. इससे पौधा हरा-भरा नहीं रहेगा, बल्कि और सूख जाएगा. खाद कैसा, कितनी मात्रा में और कब डालना चाहिए, इसकी जानकारी नहीं है आपको तो किसी एक्सपर्ट से जरूर पूछ लें.

4. यदि आपकी बालकनी या आंगन में तुलसी के पौधे को प्रॉपर धूप नहीं लगती है, तो इसे उस जगह पर 6-8 घंटे के लिए रखें जहां धूप अच्छी आती हो. हर दिन इस पौधे को 6 से 8 घंटे की डायरेक्ट धूप जरूरी है. ठंड के मौसम में हर दिन तुलसी जी के पौधे में पानी नहीं डालें. इससे मिट्टी जल्दी सूखेगी नहीं और जड़ सड़ भी सकता है. पौधा मुरझा सकता है. पानी तभी डालें जब मिट्टी का एक-तिहाई हिस्सा सूखा दिखाई दे.

5. आंगन, बालकनी में तुलसी का पौधा लगा है तो उस पर कोई साफ सूती कपड़ा डाल दें. इससे रात के समय ओस गिरने से पौधे को कोई नुकसान नहीं होगा. आप चाहें तो सर्दियों में तुलसी के पौधे को शेड के नीचे रख दें. तुलसी के पौधे को आप प्लास्टिक से भी ढक सकते हैं. इससे ठंडी हवा से होने वाले नुकसान से पौधा बचा रहेगा.

6. यदि तुलसी के पौधे पर मंजरी निकल आए तो उसे काटकर हटा दें. यह पौधे के ग्रोथ को रोकती है और पत्तियां मुरझाने लगती हैं. मजंरी नहीं है तो भी ठंड में कटाई-छंटाई करते रहें ताकि ग्रोथ न रुके. बेशक, ठंड में तुलसी का पौधा धीरे बढ़ेगा, लेकिन फरवरी और मार्च के महीने में इसकी ग्रोथ सही से शुरू हो जाएगी.

संविधान पर बहस : मोदीशाही की गोयबल्सीय रणनीति

आरक्षण का मुद्दा एक और ऐसा मुद्दा है, जिस पर मोदीशाही ने एक्यूजेशन इन मिरर रणनीति का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया है। और यह स्वाभाविक भी है क्योंकि धर्मनिरपेक्षता के बाद इसी मामले में उसकी नीयत सबसे ज्यादा संदेह के घेरे में है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि संघ-भाजपा का मनुवादी विचारधारात्मक आधार इतना हाल-हाल तक लिखत-पढ़त में बना रहा है कि, न उसे छुपाना संभव है और न उनके लिए उसके खिलाफ जाना संभव है।

एक्यूजेशन इन मिरर उस झूठे दावे का नाम है, जिसमें शिकार होने वाले पर शिकारी द्वारा वह सब करने का आरोप लगाया जाता है, जो वह खुद कर रहा होता है या करने का इरादा रखता है।

संविधान के 75वें वर्ष के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में हुई बहस में सत्तापक्ष की ओर से सबसे बढ़कर %एक्यूजेशन इन मिरर% की प्रचार रणनीति का ही सहारा लिया जा रहा था। वैसे संघ परिवार के इस रणनीति का सहारा लेने में शायद ही किसी को हैरानी होनी चाहिए, क्योंकि यह रणनीति गोयबल्स की शिक्षाओं तथा उसके अमल पर ही आधारित मानी जाती है। फिर भी यह बात अतिरिक्त रूप से चिंतित करने वाली जरूर है कि आधुनिक नरसंहारों के विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, यह रणनीति नरसंहारकर्ताओं की आम रणनीति रहती आयी है; ऐसी रणनीति का संविधान की महत्ता पर चर्चा के संदर्भ में इस तरह का खुलेआम सहारा लिया जाना, नरसंहार की निकटता के एहसास से बदन में एक सिहरन तो पैदा करता ही है।प्रधानत- इस गोयबल्सीय रणनीति का सहारा लेकर ही मोदी की भाजपा और उसके सहयोगी भी, अपने साढ़े दस साल के राज में संविधान के एक प्रकार से ध्वस्त ही कर दिए जाने और उससे भी बढ़कर अब भी लगतार ध्वस्त किए जाने की कड़वी सच्चाइयों को, अपने विरोधियों पर ही संविधान को ध्वस्त करने के आरोप लगाने के जरिए छुपाने की कोशिश कर रहे थे।

याद रहे कि एक धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक संविधान को ध्वस्त कर के, उसकी जगह पर एक हिंदू राज के नाम पर सांप्रदायिक तानाशाही को बैठाने की इस परियोजना में, अब भी कोई पक्की रुकावट नहीं आयी है। यह तब है जबकि इसी वर्ष हुए आम चुनाव में, संविधान को बदलने के उसके इरादों पर विपक्ष के सुगठित प्रहार ने, न सिर्फ इन्हें चुनाव में बचाव पर पड़ने के लिए मजबूर कर दिया था, बल्कि मोदी की भाजपा और उसके नेतृत्ववाले गठजोड़ को, चार सौ पार के उसके मंसूबों और उसके आधार पर संविधान बदलने के इरादों से काफी सुरक्षित दूरी पर ही, रोक दिया था।हैरानी की बात नहीं है कि आम चुनाव के समय से ही और खासतौर पर चुनाव नतीजे आने के बाद से, पूरी संघी बिरादरी इसका रक्षात्मक प्रचार करने में लगी रही थी कि उसके संविधान को बदलने के इरादों के, अपने %झूठे नैरेटिव% के जरिए ही उसके विरोधी आम चुनाव में अपनी ताकत काफी बढ़ाने में कामयाब रहे थे। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में विधानसभाई चुनाव में अपनी संदिग्ध किंतु स्पष्ट जीत के बाद से तो उनके इस प्रचार में एक नयी और बढ़ती हुई आक्रामकता भी दिखाई देने लगी है। एक प्रकार से बड़े झीने से पर्दे के पीछे से उन्होंने इसका दावा ही शुरू कर दिया है कि आम चुनाव में जनता बहक गयी थी और अब उसने तेजी से अपनी गलती सुधारनी शुरू कर दी है!बहरहाल, एक्यूजेशन इन मिरर की ही रणनीति का सहारा लेकर, इस मिथ्या प्रचार को एक नयी ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, जहां वे संविधान को घाव भी देते रहेंगे और उसी समय इसका शोर भी मचा रहे होंगे कि विपक्ष ही संविधान को घायल कर रहा है। इस मुहिम के लगातार जारी होने का सबूत तब मिल गया, जब राज्यसभा में जिस समय संविधान के 75 वर्ष पर बहस का, मोदी राज में अपनी नंबर दो की हैसियत का और खुला ऐलान करते हुए, गृहमंत्री अमित शाह जवाब दे रहे थे, ठीक उसी समय लोकसभा में मोदीशाही द्वारा तथाकथित %एक देश, एक चुनाव% के अपने नारे को लागू करने के लिए, दो-दो विधेयक पेश किए जा रहे थे।यह पूरा प्रोजेक्ट किस तरह भारत के पूरे संघीय ढांचे को ही उलट-पुलट कर देने वाला है और इसके साथ ही साथ हमारी संसदीय जनतांत्रिक व्यवस्था को गंभीरता से भीतर से खोखला कर देने वाला है, इसके विस्तार में हम यहां नहीं जाएंगे। इसी प्रकार, हम यहां इसके विस्तार में भी नहीं जाएंगे कि किस तरह इस नारे को एक अलोकतांत्रिक हठ के साथ, देश पर इसके बावजूद थोपने की कोशिश की जा रही है कि देश, इस सवाल पर साफ तौर पर और दो लगभग बराबर के हिस्सों में बंटा हुआ है। इस विभाजन का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इन विधेयकों को पेश किए जाने के प्रस्ताव पर हुए मत विभाजन में बेशक , 263 वोट के साथ उक्त प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया, लेकिन इस प्रस्ताव के खिलाफ भी पूरे 198 वोट पड़े थे।

यह भी याद रहे कि उक्त विधेयकों में संविधान संशोधन के प्रस्ताव भी शामिल हैं, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की न्यूनतम शर्त है। लेकिन, लोकसभा में जिन कुल 461 सदस्यों ने वोट किया, उनका दो-तिहाई आंकड़ा 307 होता है। जाहिर है कि इन संशोधनों के पक्ष में दो-तिहाई बहुमत दूर-दूर तक नहीं है। वैसे बड़े विडंबनापूर्ण तरीके से यह प्रकरण एक बार फिर चार सौ पार के नारे की याद दिला देता है। चार सौ पार का आंकड़ा इसी तरह मनमर्जी से संविधान संशोधन थोपने के लिए ही तो चाहिए था, जिस सच्चाई को उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान तथा कर्नाटक, देश के अलग-अलग कोनों से भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान, नासमझी से उजागर कर दिया था।इसे एक्यूजेशन इन मिरर का उदाहरण नहीं तो और क्या कहेंगे कि जिस मोदीशाही ने दोनों सदनों में संविधान पर बहस में, अब तक हुए संविधान संशोधनों की कथित रूप से बड़ी संख्या को इसका सबूत बनाकर पेश करने की कोशिश की थी कि कैसे उसके राज से पहले सत्ता में रहे लोग संविधान से खिलवाड़ ही करते रहे थे, वही लोकसभा में बहस के एक दिन बाद ही, संविधान में संशोधन के प्रस्ताव ले आयी। याद रहे कि इस सिलसिले में मोदीशाही ने अर्द्ध-सत्य का सहारा लेते हुए, संविधान के पहले संशोधन के बहाने से, यह कहकर कि यह संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हरण करने के लिए लाया गया था, जवाहरलाल नेहरू को ही संविधान के साथ खिलवाड़ की जड़ बताने की कोशिश की थी। और नेहरू के मुख्यमंत्रियों के लिए पत्र में यह लिखने को भारी अपराध बनाने की कोशिश की थी कि, अगर संविधान आड़े आता है तो उसमें भी बदलाव किए जा सकते हैं%। लेकिन, खुद अमित शाह के आंकड़े के अनुसार, भाजपा के 16 साल के राज में कुल 22 संविधान संशोधन किए गए हैं, जबकि कांग्रेस के 55 साल के राज में 77 संशोधन किए गए थे।

दोनों का सालाना औसत तो लगभग बराबर ही बैठता है। और दिलचस्प है कि मोदी के लोकसभा के भाषण से भिन्न, राज्यसभा में अमित शाह संविधान में संशोधन की व्यवस्था बचाव ही करते नजर आए।बेशक, मोदीशाही इस खोखली दलील से खुद अनेक संविधान संशोधन लाने को सही ठहराने की कोशिश कर रही है कि उसी के संशोधन, संविधान की भावना के अनुरूप थे! लेकिन, वास्तव में उनके संविधान संशोधन, हमारे संविधान की भावना के उलट और सिर्फ संघ के एजेंडे तथा उसके हिंदू राष्ट्र के प्रोजेक्ट के अनुरूप रहे हैं, यह सीएए कानून और जम्मू-कश्मीर से संबंधित धारा-370 के कुटिल चालबाजी से खात्मे जैसे उनके विभाजनकारी संशोधनों से साफ हो जाता है। इसी सिलसिले की कड़ी के तौर पर अब %एक देश, एक चुनाव% से संबंधित संशोधन लाए जा रहे हैं और अमित शाह की घोषणा के अनुसार, निकट भविष्य में ही %समान नागरिक संहिता% संबंधी संशोधन लाए जाने वाले हैं। वास्तव में समान नागरिक संहिता के मामले में तो उनके इरादे और भी कुटिल लगते हैं। शाह की घोषणा के अनुसार, मोदीशाही इस मामले में राज्यों से ही, और जाहिर है कि भाजपा-शासित राज्यों से ही, तथाकथित समान नागरिक संहिता कानून बनवाने का रास्ता अपनाने जा रही है।आरक्षण का मुद्दा एक और ऐसा मुद्दा है, जिस पर मोदीशाही ने एक्यूजेशन इन मिरर रणनीति का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया है। और यह स्वाभाविक भी है क्योंकि धर्मनिरपेक्षता के बाद इसी मामले में उसकी नीयत सबसे ज्यादा संदेह के घेरे में है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि संघ-भाजपा का मनुवादी विचारधारात्मक आधार इतना हाल-हाल तक लिखत-पढ़त में बना रहा है कि, न उसे छुपाना संभव है और न उनके लिए उसके खिलाफ जाना संभव है। यह कोई संयोग ही नहीं है

कि आरक्षण के मामले में मोदीशाही ने जो इकलौती उल्लेखनीय पहल की है, सवर्णों के लिए 10 फीसद आरक्षण की पहल है, जो न सिर्फ आरक्षण के विचार के ही सिर के बल खड़ा कर दिए जाने को दिखाती है बल्कि सत्ताधारियों की विचारधारा पर ब्राह्मणवादी प्रभाव को भी दिखाती है।जहां तक पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का प्रश्न है, खुद प्रधानमंत्री समेत संघ-भाजपा के अटपटे झूठे दावों के बावजूद, विश्वनाथ प्रसाद सिंह की सरकार द्वारा मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने के बाद, उसके खिलाफ अगड़ी जातियों की उग्र लामबंदी में भाजपा समेत संघ परिवार की अग्रणी भूमिका का इतिहास इतना हाल का और ताजा है कि उसे फिर से याद दिलाने की शायद ही जरूरत होगी। और जाति जनगणना का मोदीशाही का विरोध तो और भी हाल का है। यह भी दिलचस्प है कि अमित शाह ने आरक्षण की 50 फीसद की सीमा को इस बहस में भी यह कहकर उचित ठहराने की कोशिश की है कि इस सीमा को हटाने की मांग अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के लिए हो रही है; संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की इजाजत नहीं देता है।

विडंबना यह है कि आर्थिक रूप से वंचितों के आरक्षण को सिर्फ हिंदू सवर्णों तक सीमित करने के जरिए, इस दावे से ठीक उल्टा अमल किया जा रहा है यानी न सिर्फ हिंदू धर्म बल्कि सवर्ण जातियों तक सीमित आरक्षण चलाया जा रहा है। लेकिन, यही तो एक्यूजेशन इन मिरर का कमाल है, दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं क्योंकि उन्हें खुद वही करना है।

संपादकीय

श्याम बेनेगल होने का मतलब

हिंदी सिनेमा और टीवी जगत को कई बेहतरीन रचनाओं से नवाजने वाले श्याम बेनेगल का 90 बरस की आयु में एक लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। अभी 14 दिसंबर को उन्होंने अपना 90वां जन्मदिन मनाया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर देखी जा सकती हैं। बीमारी की तकलीफ को मुस्कुराहट से ढंकते श्याम बेनेगल के साथ शबाना आजमी, नसीरूद्दीन शाह, कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार इस तस्वीर में हैं, जो उनकी 50 बरस की सिनेयात्रा के साथी रहे हैं। इन जैसे कई उम्दा कलाकारों को फिल्म दुनिया में मौका देने, तराशने और निखारने का काम श्याम बेनेगल ने किया है। दरअसल किसी भी फिल्म या धारावाहिक में इन कलाकारों का नाम और श्याम बेनेगल का निर्देशन ही इस बात की आश्वस्ति देता था कि उसे देखने के बाद खुद को आप भीतर से थोड़ा और समृद्ध महसूस करेंगे।

सादा लगने वाली बहुत सी कहानियां, रोजमर्रा के जीवन के कई प्रसंग, मीडिया में दमन और शोषण के रोजाना प्रकाशित होते समाचार, जिन पर हमारा ध्यान नहीं जाता या जो हमें विचलित नहीं करती हैं, ऐसी कहानियों, घटनाओं और प्रसंगों पर श्याम बेनेगल ने एक से बढ़कर एक फिल्में बनाईं। अंकुर, निशांत, मंथन, मंडी, कलयुग, जुनून, सरदारी बेगम, जुबैदा, से लेकर समर, वेल डन अब्बा, और वेलकम टू सज्जनपुर जैसी फिल्मों की एक लंबी फेहरिस्त है, जो बताती हैं कि श्याम बेनेगल होने का मतलब क्या है। जिस समय हिंदी सिनेमा राजेश खन्ना की सुपरस्टार वाली चकाचौंध से लिपटा था और जिसमें अमिताभ बच्चन एंग्री यंग मैन बनकर अपनी अलग जगह बनाने में लगे थे, उसी समय नसीरूद्दीन शाह या ओम पुरी, अमरीश पुरी, कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकारों के साथ श्याम बेनेगल अदाकारी का नया ककहरा जनता के बीच स्थापित कर रहे थे। इन कलाकारों के चेहरे पर सुपरस्टार जैसा रौबदाब नहीं था, न ही एक अकेला सब पर भारी होने का कोई दावा था, लेकिन ये सब मिलकर श्याम बेनेगल के निर्देशन में भारतीय सिनेमा का खजाना अपनी अभिनय कला से भर रहे थे। श्याम बेनेगल को समानांतर सिनेमा शब्द स्वीकार्य नहीं था। और यह सही भी है, क्योंकि जो फिल्में सतही निर्देशन और मामूली अभिनय के बावजूद सौ करोड़ क्लब में शामिल होने के लिए बनाई जाएं, वे मुख्यधारा कहलाएं और जो उत्कृष्टता के पैमाने पर खरी उतरें वे समानांतर कहलाएं, यह न्यायोचित नहीं है।

श्याम बेनेगल ने हिंदी सिनेमा में ही नहीं टीवी जगत में भी एक नयी क्रांति का आगाज़ किया। वर्ना भारत एक खोज जैसी कालजयी रचना और नेहरूजी के नजरिए को छोटे पर्दे पर उतारना आसान नहीं था। 53 कड़ियों में भारत के 5 हजार साल के इतिहास को इस अद्भुत धारावाहिक में समेटा गया। कमाल यह था कि रामायण, महाभारत समेत कई पौराणिक कहानियों के अलावा मौर्यकाल, मुगलकाल से लेकर टीपू सुल्तान और अंग्रेजी राज, भारत का आजादी का संघर्ष सभी को बेहद रोचक तरीके से फिल्माया गया। सूत्रधार की तरह नेहरूजी बीच-बीच में आते हैं और फिर एक काल से दूसरे काल तक भारत का सफर आगे बढ़ता रहता है। 90 के दशक में प्रसारित हुए इस धारावाहिक का शीर्षक गीत ही बेहद रोमांचित करता है। जो ऋग्वेद के 10 वें मण्डल का 129 वां सूक्त नासदीय सूक्त का भावानुवाद है। इस सूक्त में ब्रह्माण्ड को लेकर जिज्ञासा प्रकट की गई है। जिसमें विज्ञान और ब्रह्मांड की उत्पत्ति पर कई सवाल हैं। माना जाता है कि इस सूक्त में भारतीय तर्कशास्त्र के बीज छिपे हैं। ऋषि प्रजापति परमेष्ठी ने नासदीय सूक्त की रचना की थी। भारत एक खोज के लिए इससे बेहतर शुरुआत नहीं हो सकती थी, जिसमें तर्क और वैज्ञानिक नजरिए को प्राथमिकता दी गई है। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक वसंत देव ने इसका अनुवाद किया और वनराज भाटिया ने इसे सुरबद्ध किया था।

सृष्टि से पहले सत नहीं था
असत भी नहीं
अंतरिक्ष भी नहीं
आकाश भी नहीं था
छिपा था क्या, कहां
किसने ढका था
उस पल तो
अगम अतल जल भी कहां था

इन पंक्तियों से शुरु होकर गीत निम्नलिखित पंक्तियों पर खत्म होता है कि-

ऊँ! सृष्टि निर्माता, स्वर्ग रचयिता पूर्वज रक्षा कर।
सत्य धर्म पालक अतुल जल नियामक रक्षा कर।
फैली हैं दिशायें बाहु जैसी उसकी सब में सब पर
ऐसे ही देवता की उपासना करें हम हवि देकर।

बायोहैकिंग क्या है भारत में इसका प्रचलन कैसे बढ़ा

आखिर बायोहैकिंग में क्या होता है? जानकार बताते हैं कि भारत में बढ़ते बायोहैकर कम्युनिटी के पास भले ही जॉनसन जैसा मोटा बजट न हो, लेकिन वे लोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने तरीके आजमा रहे हैं जो खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा प्रमाणित नहीं है।

लाइफ इज मिंट फ़ॉर जॉय यानी जीवन जीने के लिए है। लेकिन कुछ लोग प्राकृतिक और शारीरिक परिस्थितियों में मनमाफिक बदलाव लाकर ज्यादा से ज्यादा जीने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इनके लिए %बायोहैकिंग% एक ऐसा शब्द बन चुका है जो शरीर की काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने और उम्र बढ़ाने के तरीकों से जुड़ा हुआ है। इसलिए अब दुनिया के लोग इस पर फिदा होते जा रहे हैं। भारत में भी बायोहैकिंग के दीवाने बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि विश्वविद्यालयों में बायोसाइंसेज और हेल्थ रिसर्च से जुड़े छात्रों में इस नवीनतम ज्ञान और शोध के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है। इस बारे में लोग पूछताछ कर रहे हैं। विटामिन और फ़ूड सप्लीमेंट खरीदें

बता दें कि %बायो% और %हैकिंग% नामक दो शब्द सेहत से जुड़ी बायोलॉजिकल प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। ये भले ही नॉन-ट्रेडिशनल हैं और अभी मेडिकली इस पर मुहर नहीं लगी है। फिर भी इनके पीछे कुछ वैज्ञानिक साक्ष्य हैं, जो क्लिनिकल प्रैक्टिस में आने के लिए यह काफी नहीं है। हालांकि, इसके व्यक्तिगत अनुप्रयोग में इजाफा देखा जा रहा है, जो खतरे से खाली नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स भी इस बात की चुगली कर रही हैं कि %मौत को मात% देने के इस नए ट्रेंड का भारत में प्रचलन बढ़ रहा है। यहां बायोहैकिंग का क्रेज़ इतना है कि रोज इसके अनुगामियों की संख्या बढ़ रही है। अब तो डाइटिंग के साथ प्राकृतिक चिकित्सा उपायों और योग-ध्यान से जुड़े रहस्यों के साथ भी इसे जोड़ा जाने लगा है।

आपको पता होगा कि महज 47 साल के अमेरिकी बायोहैकर और उद्यमी ब्रायन जॉनसन इन दिनों %मौत को मात% देने पर तुले हुए है। हाल ही में वो भारत भी आए थे।यहां पर भी उन्होंने अपना %एज-रिवर्सिंग ब्लूप्रिंट प्रोटोकॉल% लॉन्च किया, जिसमें ढेर सारे सप्लीमेंट्स, टेस्ट, एक्सपेरिमेंट्स, खास तरह का डाइट प्लान और एलईडी लाइट एक्सपोजर जैसे तमाम उपायों के सहारे जीवन प्रत्याशा बढ़ने-बढ़ाने के दावे किए गए हैं। एक अंग्रेजी दैनिक के मुताबिक, भारत में भी ऐसे लोगों का एक बड़ा समूह (ग्रुप) बन गया है, जो अपने शरीर और दिमाग को बेहतर बनाने के लिए हर तरह के उपाय लगा रहे हैं। इनमें कड़ाके की ठंड में बर्फ स्नान से लेकर रेड लाइट थेरेपी और ढेर सारे सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल तक शामिल है। यही नहीं, कुछ लोगों के रूटीन में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी शामिल है। वहीं, कुछ लोग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें पैदा करने वाले उपकरणों से अपनी आयु बढ़ाने के जतन में जुटे हुए हैं।

इसलिए आज मैं अपने इस आलेख के माध्यम से आपको यह बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि आखिर बायोहैकिंग में क्या होता है? जानकार बताते हैं कि भारत में बढ़ते बायोहैकर कम्युनिटी के पास भले ही जॉनसन जैसा मोटा बजट न हो, लेकिन वे लोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने तरीके आजमा रहे हैं जो खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा प्रमाणित नहीं है। इससे जुड़ी कोई शोध रिपोर्ट्स भी अबतक नहीं आई है। हालांकि कुछ बायोहैक्स तो बहुत आसान हैं, जैसे ध्यान, उपवास, सप्लीमेंट्स लेना, धूप में बैठना और एक्सरसाइज करना। लेकिन इस क्षेत्र में कई तरह के अनुप्रयोग भी किए जा रहे हैं। मिसाल के तौर पर, जॉनसन ने अपने बेटे के साथ प्लाज्मा और ब्लड स्वैप किया। वहीं, चेहरे में डोनर फैट इंजेक्शन भी लगाया, जो कामयाब नहीं रहा।

सवाल है कि भारत में बायोहैकिंग का चलन कैसे विकसित और प्रचलित हुआ? क्योंकि बायोहैकिग आधुनिक दवाइयों के परिणाम से नाखुशी मतलब साइड इफेक्ट्स की वजह से विकसित हुआ है। समझा जाता है कि लंबी उम्र या सेहतमंद जीवन जीने की बढ़ती दिलचस्पी ही लोगों को बायोहैकिंग की तरफ आकर्षित कर रही है। बताया जाता है कि जहां भारत में डिकोड एज के को-फाउंडर राकेश सोमानी ने दस साल पहले अपनी परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए बायोहैकिंग शुरू किया था। वहीं, लोग तरह-तरह के अनुप्रयोग कर रहे हैं और अपने अनुभवों को भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

इसे भी पढ़ें- किसानो कि बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

कुछ लोग बर्फ के पानी में डुबकी लगाते हैं; वो भी तब, जबकि दिल्ली में कड़ाके की सर्दी पड़ रही हो। क्योंकि इनका मानना है कि आइस बाथ यानी बर्फ स्नान से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यायाम के बाद रिकवरी अच्छी होती है। इससे दिमाग भी ज्यादा मजबूत बनता है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने ग्लूटेन, कॉर्न, डेयरी और प्रोसेस्ड फूड आदि छोड़ दिए हैं। इनका डिनर शाम छह-सात बजे तक खत्म हो जाता है। ऐसे लोग स्किन हेल्थ, मसल्स रिकवरी के लिए रेड लाइट थेरेपी का भी इस्तेमाल करते हैं। वहीं, योग के अलावा तनाव को कंट्रोल में रखने के लिए न्यूरोफीडबैक के रूटीन को पूरा करते हैं। वहीं कुछ लोग हफ्ते में दो बार 23 घंटे का उपवास करते हैं। इनकी प्रक्रियाओं में प्रोटीन लेना, ढेर सारे सप्लीमेंट्स, क्रायोथेरेपी (जबरदस्त ठंड में रहना), एंटी-एजिंग द्धङ्क ड्रिप्स और रेड लाइट थेरेपी आदि शामिल हैं, जो इनके प्रयोगकर्ताओं के रूटीन में शामिल हो चुके हैं। विटामिन और फ़ूड सप्लीमेंट खरीदेंदिलचस्प बात तो यह है कि ऐसे लोग यह सब कुछ करते हुए भी रोज महज छह घंटे ही सोते हैं और अपनी प्रोग्रेस ट्रैक करने के लिए डिवाइस भी पहनते हैं। वहीं कुछ लोगधूप में बैठते हैं, घास पर नंगे पैर चलते हैं, रेड लाइट थेरेपी करते है, ग्राउंडिंग मैट्स का इस्तेमाल करते हैं। वह ब्लू-लाइट ब्लॉकिंग ग्लासेज पहनते हैं, ताकि लंबा जीवन जी सकें। ये लोग पेट के माइक्रोबायोम का एनालिसिस भी करवाते हैं और अपने ब्लड एज भी चेक कराते है। कहने का तातपर्य यह कि लोग अपने जीवन को, आयु को बढ़ाने के लिए इतने सारे यत्न प्रयत्नपूर्वक करते हैं।हालांकि, इनकी बढ़ती गतिविधियों से कुछ लोगों के मनोमस्तिष्क में यह सवाल भी पैदा हो रहा है कि क्या बायोहैकिंग नुकसानदेह भी हो सकता है? इसको स्पष्ट करते हुए सीएसआईआर इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के एक्सपर्ट बताते हैं कि %बायोहैकिंग एक खतरनाक रास्ता भी हो सकता है, क्योंकि ज्यादातर बायोहैकिंग क्रियाएं बिना खतरों को देखे, महसूस किए ही किये जाते हैं। वो वजन कम करने के लिए डायबिटीज की दवा ओजेम्पिक (ह्र5द्गद्वश्चद्बष्) के हालिया चलन का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि यह दवा अत्यधिक मोटापे और मेडिकल कॉम्प्लिकेशन्स से जूझ रहे लोगों के लिए तो अच्छी हो सकती है। लेकिन जब कोई फ़िल्म स्टार अपना थोड़ा सा वजन करने के लिए यही दवा लेता है, तो ये हैकिंग है। ये इसका समर्थन नहीं करते हैं, क्योंकि ये इसके दीर्घकालीन प्रभावों व उसके नतीजों के बारे में नहीं जानते हैं। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि एक समय में भूख कम करने वाली गोलियां बहुत ज्यादा चलती थीं, लेकिन जब बाद में पता चला कि इनसे पल्मोनरी हाइपरटेंशन का खतरा बढ़ता है, जो जानलेवा भी हो सकता है, तो उसके सेवन पर अपने आप रोक लग जाती है।बहरहाल, आप मानें या न मानें, लेकिन इतना तो समझना ही होगा कि हमारा शरीर हमेशा के लिए जीने के लिए नहीं बना है। इसलिए कोई भी जुनून मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बुरा हो सकता है। अतः बेहतर यही होगा कि जीवन प्रत्याशा बढ़ाने के लिए अब तक हुए या हो रहे शोध रिपोर्ट्स पर गौर करें और उसके मुताबिक अपनी आदतें विकसित करें। अन्यथा नीम हकीम खतरे जान वाली नौबत भी आ सकती है। इसलिए सावधानी पूर्वक हरेक पहल करें और आगे बढ़ें।विटामिन और फ़ूड सप्लीमेंट खरीदें

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर

पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नही सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रेशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांसपेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक

बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

हेल्थ प्लस

बी यंग 5 फूड हैबिट्स

हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस पर बहस सालों से चली आ रही है। इससे भी ज्यादा 'हॉट टॉपिक' यह रहता है कि खाने की कौन-कौन सी चीजें हमें युवा बनाए रखने में सहायक होती हैं। सच तो यह है कि हम में से अधिकतर लोगों को कुछ खास खाने की चीजों को लेकर भ्रम बना रहता है। कुछ सोचते हैं कि हमें चॉकलेट नहीं खानी चाहिए तो कुछ का सोचना है कि हमें चॉकलेट जरूर खानी चाहिए। अधिकतर लोग वाइन के सेवन को गलत मानते हैं जबकि फूड साइंस कुछ और ही कहता है। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे फूड्स को, जो हमें हेल्दी रखने के साथ ही यंग बनाए रखने में सहायक होते हैं –

दही : इसमें कैल्शियम खूब होता है, जिसमें ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखने की क्षमता होती है। इसमें 'गुड बैक्टीरिया' होता है, जो हमें स्वस्थ बनाए रखता है और उम्र से जुड़ी इंटेस्टाइनल बीमारियों को खत्म करता है।

चॉकलेट : कोकोआ से बनी चीजों को खाने से दिल की बीमारी होने की आशंका कम रहती है, कई शोधों से यह तथ्य स्पष्ठ हो चुका है। कोकोआ में फलैवेनल्स होता है, जो ब्लड वेसल्स की कार्यप्रणाली को स्वस्थ बनाए रखता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क कम रहता है, टाइप 2 डायबिटीज, किडनी का रोग और डॉमेंशिया के होने की आशंका कम होती है।

ऑलिव ऑयल : सालों पहले ही यह पता चल गया था कि इसमें बसा मोनोसैचुरेटेड फैट दिल की बीमारी और कैंसर को दूर रखता है। अब के शोधों से यह पता चला है कि ऑलिव ऑयल में पोलीफेनोल्स, एंटिऑक्सिडेंट भी होता है, जो उम्र से जुड़े रोगों को दूर रखता है।

नट्स : कुछ अध्ययन बताते हैं कि जो लोग नट्स खाते हैं, वे ढाई साल ज्यादा जीते हैं। इसमें अनसैचुरेटेड फैट होता है, जिससे वही लाभ होता है जो ऑलिव ऑयल के सेवन से होता है। ये विटामिन, मिनरल और एंटिऑक्सिडेंट्स सहित अन्य फाइटोकेमिकल्स के मुख्य स्रोत होते हैं।

वाइन : सही और सीमति मात्रा में अल्कोहल का सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज और उम्र से होने वाली याददाश्त की बीमारी से छुटकारा दिलाता है। कहा जाता है कि किसी भी तरह के अल्कोहल के सेवन से यह लाभ मिलते हैं लेकिन रेड वाइन ही इस तरह के अध्ययन का केंद्र रही है। इसमें रेस्वेरैटल होता है, जिससे इस तरह के लाभ होते हैं। साथ ही जानवरों पर हुए शोध बताते हैं कि इसके सेवन से वह जीन्स एक्टिवेट होते हैं, जो बुढ़ापा कम कर सकते हैं।

केला, सेब खाओ याददाश्त बढ़ाओ

सेब, संतरा और केला खाओ और सेहत बनाओ...यह बात आपने काफी सुनी होगी। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि सेहत के अलावा इन फलों के सेवन से दिमाग भी स्वस्थ रहता है, लोगों की याददाश्त बढ़ती है और कैंसर के उपचार में भी लाभदायक होते हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक अध्ययन के बाद इस तथ्य का खुलासा किया है। 'मेडिकल न्यूज टूडे' के ऑनलाइन संस्करण पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयार्क के 'कारनेल विश्वविघालय' और दक्षिण कोरिया के विभिन्न विश्वविघालयों के वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस बाबत एक अध्ययन किया था। अध्ययन के तहत वैज्ञानिकों को ज्ञात हुआ कि इन तीनों फलों से निकलने वाले रासायनिक मिश्रण कैंसर सेल्स की वृद्धि को रोकने में सहायक होते हैं।

मां का दूध बचा सकता है बच्चें की जान

अगर बच्चों को जन्म लेने के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाया जाए तो शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी लाई जा सकती है। अकेले भारत में ही इससे हर साल 2 लाख 50 हजार बच्चों की जान बचाई जा सकती है। यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक एनएम वेनमैन का कहना है कि मां के दूध में सर्वोत्तम पोषक आहार और जबरदस्त रोग प्रतिरोधक क्षमता भी होती है। इसके अलावा यह बात भी वैज्ञानिक तरीके से साबित हो गई है कि मां का दूध बच्चे के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए उत्तम होता है।

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में कई बच्चे विभिन्न बीमारियों के शिकार होकर समय से पहले ही मर जाते हैं। वेनमैन ने कहा कि इस वर्ष एक अगस्त से सात अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'ब्रेस्ट फीडिंग: द फर्स्ट आवर सेव वन मिलियन बेबीज' रखी गई है। उन्होंने कहा कि यह थीम नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करने का एक बेहतर अवसर है। अगर 90 फीसद शिशुओं को जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध मिलता है तो इससे शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी आ सकती है। यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अभियान से जुड़े 'इंटरनेशनल बेबीफूड एक्शन नेटवर्क' 'आईबीएफएएन' के एशिया क्षेत्र के समन्वयक डा. अरूण गुप्ता ने बताया कि जागरूकता के अभाव में अक्सर नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में बच्चों का विकास बाधित होता है।

उन्होंने 'यूनिसेफ 2007' की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भारत में हर साल करीब 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म होता है। इनमें से 10.9 लाख बच्चों की पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते मृत्यु हो जाती है। इन बच्चों में से 10.4 लाख बच्चे सिर्फ एक साल की उम्र में ही दम तोड़ देते हैं। अगर नवजात शिशुओं के पोषण पर समुचित ध्यान दिया जाए तो मौत का यह आंकड़ा काफी हद तक घटाया जा सकता है। डा. गुप्ता के अनुसार देश में केवल 23.4 फीसद नवजात शिशु ही जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान करते हैं। कुपोषण और बाल मृत्यु-दर से निपटने के लिए स्तनपान की आर पूरी तरह ध्यान देना होगा।

जहर से भरा है आपका मेकअप बॉक्स!

स्त्रियों में बचपन से लेकर बुढ़ापे तक सजने-संवरने का जन्मजात गुण है। यह विशेषता कुदरत ने उन्हें तोहफे में दी है और यही उनकी कमजोरी भी है। महिलाओं की इसी कमजोरी को सौंदर्य सामग्री बनाने वाली दुनिया भर में फैली कंपनियां भुना रही हैं। हालांकि हाल ही में छपी एक तथ्यपरक किताब में खूबसूरती निखारने वाले उत्पादों के स्याह पक्ष को प्रस्तुत किया गया है। इसमें लेखक ने यह भी बताया है कि हर्बल चीजें सौंदर्य बढ़ाने के साथ निरापद भी हैं।

तमाम तरह के दावे करने वाली इन कंपनियों के उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में दिखाए जाने वाले विज्ञापनों की चकाचौंध में आंखें बंदकर महिलाएं उन्हें खरीदने में देर नहीं लगातीं। सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनियों का कारोबार कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अकेले ब्रिटेन में ही कास्मेटिक और सुगंधित चीजों के निर्माण में लगी कंपनियों का कारोबार प्रतिवर्ष 650 करोड़ पौंड से अधिक का है। खोजी पत्रकार डान मेलोशिप की नई किताब 'टोक्सिक ब्यूटी' में कास्मेटिक वस्तुओं के पीछे की हकीकत से रूबरू कराया गया है। डान कहते हैं कि सौंदर्य प्रसाधन की जगमगाती बोतलों और ट्यूब के अंदर खतरनाक किस्म के जहर भरे होते हैं जो विभिन्न तरह की गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। खूबसूरत बनाने के नाम पर कास्मेटिक चीजों में मिलाए गए रसायन एलर्जी से लेकर कैंसर जैसे गंभीर रोग पैदा करते हैं।

डान के अनुसार बालों को रंगने वाली डाई में प्रयुक्त किए जाने वाले रसायनों से त्वचाशोथ (एक तरह का एक्जिमा) हो जाता है। बालों को स्थायी रूप से रंगने वाली डाई में प्रयोग किया जाने वाला पैरा फिनाइलीन डाइअमीन (पीपीडी) त्वचा के संपर्क में आकर एलर्जी और एक्जिमा को जन्म देता है। पीपीडी अभी तक ब्रिटेन और अमेरिका में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि जर्मनी में बालों की डाई में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा हुआ है। फ्रांस और स्वीडन में कई साल पहले ही स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा चुका है।

डान की किताब में छपी रिपोर्ट के अनुसार क्लीजनर, शैंपू, बब्बल बाथ और टूथपेस्ट में भी एक खतरनाक रसायन सोडियम लाराइल सल्फेट (एसएलएस) इस्तेमाल किया जाता है। जो त्वचा के साथ ही आंखों के लिए भी नुकसानदायक है। नेल पालिश में प्रयोग किए जाने वाला फार्मेल्डिहाइड और टेल्कम पाउडर में इस्तेमाल होने वाला 90 प्रतिशत खनिज टाल्क भी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंचाता है। डियोडोरेंट में प्रयुक्त रसायन से स्तन कैंसर तक हो सकता है।

डान के अनुसार हमें कास्मेटिक वस्तुओं के बजाय शुद्ध वनस्पति से बनी सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे बालों को रंगने के लिए मेहंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा भी अन्य बहुत सी वनस्पतियां हैं जो दूसरी खूबसूरती बढ़ाने वाली कास्मेटिक सामग्री का बेहतर विकल्प बन सकती हैं।

फ्लू हो या अल्कोहल, नुकसान समान

सिर्फ शराब पीकर ही गाड़ी चलाना खतरनाक नहीं बल्कि सर्दी एवं फ्लू की अवस्था में गाड़ी चलाना भी उतना ही खतरनाक होता है। एक नए शोध से इस तथ्य की पुष्ठि होती है। इस शोध में पाया गया कि सर्दी व फ्लू के कारण सिर भारी होने, नाक बहने, छींक आने या पूरी तरह चौकन्न नहीं रहने आदि लक्षणों से हमारी ड्राइविंग क्षमता पर वैसा ही असर पड़ता है जैसा कि अल्कोहल के सेवन से। ब्रिटेन में 2008 में हुई दस में से एक दुर्घटना सर्दी या फ्लू के कारण हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, जाड़े के मौसम में जब सर्दी या फ्लू महामारी का रूप ले लेती है, उस समय इसके कारण होने वाली दुर्घटना बढ़ जाती है।

ब्रिटेन की लॉयड्स टीएसबी बीमा कंपनी द्वारा कराए गए शोध में तनाव, सिरदर्द, सर्दी या फ्लू एवं अन्य ऐसी ही स्वास्थ्य अवस्थाओं से गुजर रहे 102 ड्राइवरों पर अध्ययन किया गया। 'हेजार्ड सिमुलेटर टेस्ट' में तनाव व सिरदर्द आदि से गुजर रहे ड्राइवरों का चौकन्नपन एवं प्रतिक्रिया करने आदि के मामले में स्कोर सामान्य ड्राइवरों की तुलना में चार अंक नीचे रहा जबकि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त ड्राइवरों का प्रदर्शन स्वस्थ ड्राइवरों की तुलना में 11 अंक नीचे रहा। ऐसा स्कोर वैसे ड्राइवरों की होती है जिस पर ड्राइविंग से पहले डबल व्हीस्की का नशा चढ़ा हो। ऐसे स्पष्ठ खतरे के बावजूद समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता बहुत कम पाई गई। 38 फीसद ड्राइवरों ने बताया कि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त होने के बावजूद गाड़ी ड्राइव करते रहे हैं।

तकरीबन आधे ड्राइवरों का कहना था कि ऐसी बीमारियों का उनकी ड्राइविंग क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बीमा कंपनी की प्रवक्ता पाउला लेवलीन ने कहा कि हमारे द्वारा कराए गए इस शोध से यह प्रमाणित होता है कि बीमारी की अवस्था में गाड़ी चलाने से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती हैं। डॉ. डॉन हार्पर ने कहा कि ड्राइवरों के प्रर्दशन पर पड़ने वाला प्रभाव वैसा ही होता है जैसा कि अल्कोहल के दो यूनिट (या खून में अल्कोहल की मात्रा 0.05-0.075 मिलीग्राम/100 एमएल होने से) से पड़ता है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए एकाग्रता एवं त्वरित प्रतिक्रिया का होना आवश्यक है और यह दोनों ही हल्की सर्दी या फ्लू से भी काफी घट जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्कचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1939

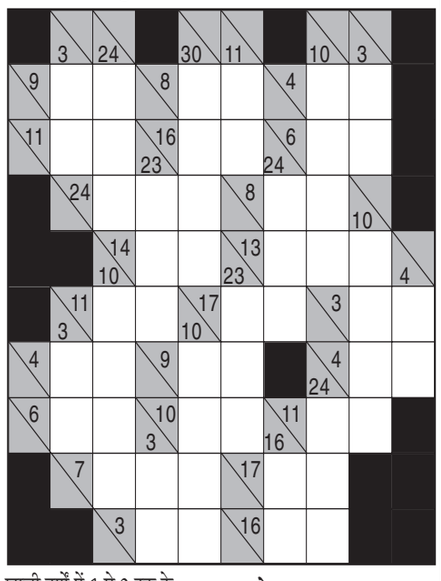

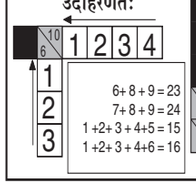

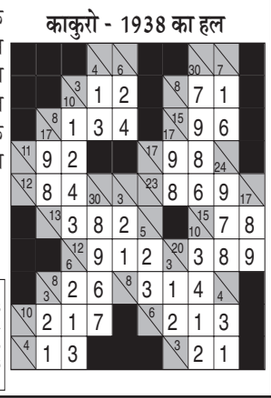

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1938 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

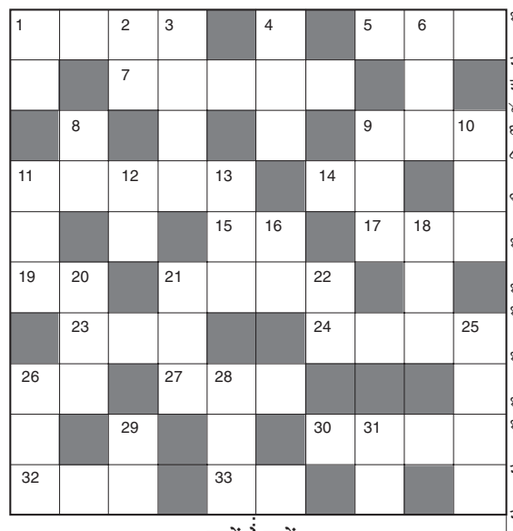

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

फिल्म वर्ग पहेली- 1939

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1938

सूडोकु -1939

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1938 का हल

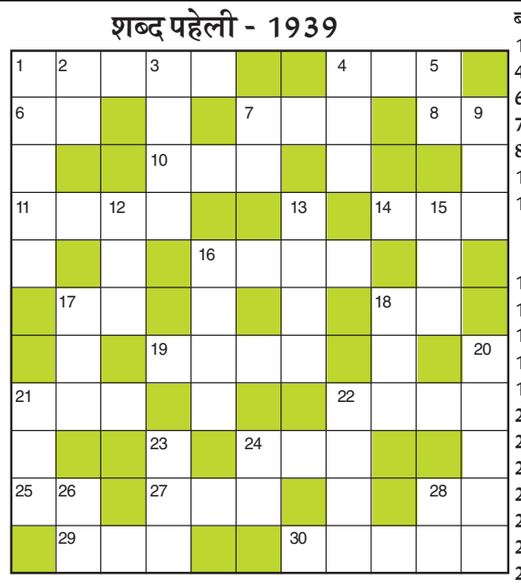

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 1939

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली - 1938 का हल

उत्तराखंड के भीमताल बस हादसे में पति-पत्नी समेत चार की मौत

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में भीमताल के ओखल क्षेत्र में बुधवार अपराह्न करीब 03 बजे एक रोडवेज बस के गहरी खाई में गिरने से हुए हादसे में पति-पत्नी समेत चार लोगों की मौत हो गयी जबकि 26 घायल हो गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के आश्रित को 10 लाख, गंभीर रूप से घायलों को 03 लाख और सामान्य घायलों को 15,000 से 25,000 तक की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घायलों को तुरंत बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने हादसे के कारणों की जांच के लिए एक समिति गठित करने का भी आदेश दिया है। नैनीताल जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रह्लाद नारायण मीणा के मुताबिक मृतकों में दो महिला, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल हैं। बस हादसे में मृतकों की पहचान गंगा धामी (48) पत्नी खड़क सिंह, खड़क सिंह (55) पुत्र जयसिंह निवासी खेला धारचूला, सुरेंद्र सिंह धर्मसत्तू (58) पुत्र ललित सिंह धर्मसत्तू निवासी ग्राम टिमटिया तेजम जनपद पिथौरागढ़ और दक्ष पंत (06) पुत्र विनोद पंत निवासी ग्राम सिमाइल बेरीनाग हाल निवासी जनपद पिथौरागढ़ के रूप में हुई है। मृतकों में खड़क सिंह व गंगा धामी पति-पत्नी हैं।

राजस्थान, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ को बाघ सौंपेगा मप्र, राज्य सरकार ने जारी की स्वीकृति

भोपाल। केन्द्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा राजस्थान, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ राज्य को बाघ हस्तांतरित करने के आदेश जारी कर दिये गये हैं। जारी आदेश में बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पेंच टाइगर रिजर्व और कान्हा टाइगर रिजर्व से राजस्थान को चार मादा बाघ, उड़ीसा को एक नर एवं दो मादा बाघ और छत्तीसगढ़ राज्य को दो नर एवं छह मादा बाघ सौंपे जाएंगे। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने दी। उन्होंने बताया कि जारी आदेश में कहा गया है कि बाघ देने की सैद्धांतिक प्रक्रिया में बाघ एवं बाघिन को ट्रांसलोकेट करने की कार्यवाही अधिकृत पशु चिकित्सक की देखरेख में की जाए। बाघों के जीवन को किसी प्रकार का खतरा न हो, इसका ध्यान रखा जाये। ट्रांसलोकेट किये जाने का सम्पूर्ण व्यय संबंधित राज्य द्वारा वहन किया जायेगा। हस्तांतरण की विधिवत अनुमति भारत सरकार से प्राप्त की जाये।

शिमला के ईडी दफ्तर में सीबीआई का छापा

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शिमला स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर में अचानक छापेमारी की। यह छापेमारी ईडी के एक अधिकारी से जुड़े पुराने रिश्वतखोरी के मामले की जांच के सिलसिले में की गई। सीबीआई की टीम ने ईडी के दफ्तर में रिकार्ड भी खंगाले।सूत्रों के अनुसार यह छापेमारी सीबीआई की चंडीगढ़ शाखा ने की। कार्रवाई ईडी के एक अधिकारी के खिलाफ रिश्वत लेने के आरोपों की पुष्टि और साक्ष्य जुटाने के लिए की गई। ईडी के जिस अधिकारी पर रिश्वत के आरोप हैं, वो बड़े औहदे पर तैनात बताया गया है। इस दौरान सीबीआई की टीम ने दफ्तर के विभिन्न हिस्सों में दस्तावेजों की जांच की।छापेमारी के दौरान आरोपित अधिकारी सीबीआई टीम को नहीं मिला, इस वजह से उससे पूछताछ नहीं हो सकी। सीबीआई ने यहां जांच में कई अहम दस्तावेजों को बरामद किया है। पूरे दिन ईडी दफ्तर में छापे की कार्रवाई पूरे शहर, स्थानीय लोगों और प्रशासन के अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। इस कार्रवाई को लेकर सीबीआई की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन सीबीआई की ईडी दफ्तर में छापेमारी से यह माना जा रहा है कि रिश्वत मामले में अधिकारी के खिलाफ जांच में तेजी आ सकती है और मुश्किले बढ़ सकती हैं। वहीं आने वाले दिनों में और कार्रवाइयां भी हो सकती हैं।

विराट व्यक्तित्व के धनी थे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी : मुख्यमंत्री डॉ यादव

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व विराट था। उन्होंने विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव-गांव तक पक्की सड़कें बनवाई गईं। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश की धरती पर देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना का भूमि-पूजन कर स्व. वाजपेयी के स्वप्न को साकार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम ग्वालियर में आयोजित ग्वालियर गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। ग्वालियर गौरव दिवस स्व. वाजपेयी की सौवीं जयंती पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न विभूतियों को ग्वालियर गौरव सम्मान से विभूषित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. वाजपेयी की स्मृतियां सिर्फ ग्वालियर से ही नहीं जुड़ी हैं। अटल बिहारी वाजपेयी ने बड़नगर में प्रारंभिक स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी। अटल स्मारक के अलावा प्रदेश में स्व. वाजपेयी के जीवन से जुड़े स्थानों पर उनसे जुड़ी स्मृतियों को संजोने के लिए एक समिति गठित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्व. वाजपेयी ने युवा अवस्था में ही एक जनप्रतिनिधि के तौर पर अपने व्यक्तित्व से सभी को चमत्कृत कर दिया था। वे शब्दों के जादूगर थे। हिन्दी के बड़े प्रचारक थे। उन्होंने जय विज्ञान का नारा भी दिया। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को स्कूल चलें हम अभियान के माध्यम से प्रेरित किया।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन ने झारखंड के डालटनगंज में दूरदर्शन एवं आकाशवाणी केंद्र का किया निरीक्षण

एजेंसी

पलामू। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ एल. मुरुगन ने तीन दिवसीय झारखंड के पलामू दौरे के आखिरी दिन डालटनगंज में दूरदर्शन एवं आकाशवाणी केंद्र का निरीक्षण किया। मोहम्मदगंज में नवनिर्मित रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान वे मेदिनीनगर सदर प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं से मिले। इसके अलावा भाजपा जिला कार्यालय में अटल जयंती पर प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। इसके बाद शाम को पटना के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन ने बुधवार सुबह दूरदर्शन एवं आकाशवाणी केन्द्र, डालटनगंज का दौरा किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूरा फोकस आकाशवाणी दूरदर्शन पर है। हम उस दिशा में काम कर रहे हैं।

उन्होंने दूरदर्शन परिसर में कपूर का पौधा भी लगाया। पलामू जिला लोक कला संस्कृति मंच के अध्यक्ष व आकाशवाणी दूरदर्शन के कलाकार शिशिर कुमार शुक्ला के नेतृत्व में पलामू प्रमंडल के सभी कलाकारों ने केन्द्रीय मंत्री के समक्ष अपनी मांग को रखी। शिशिर ने कहा कि कलाकारों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए मंत्री ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द डालटनगंज के आकाशवाणी-दूरदर्शन केन्द्र में कार्यक्रम शुरू होगा। इस ऐतिहासिक कार्य के लिए पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम का हम सभी कलाकार आभारी हैं, जिनके अथक प्रयास से यह संभव हुआ। केंद्रीय मंत्री मुरुगन ने मेदिनीनगर सदर प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही छात्राओं से प्रेरक संवाद भी किया। पलामू जिला उपायुक्त शशि रंजन की पहल पर 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम के तहत सदर कस्तूरबा में जिलेभर की 75 कस्तूरबा छात्राओं को इंजीनियरिंग एवं चैनपुर कस्तूरबा में 75 छात्राओं को मेडिकल की तैयारी करायी जा रही है। इसे देखने के लिए केंद्रीय मंत्री ने सदर कस्तूरबा का भ्रमण किया। केंद्रीय संसदीय एवं सूचना प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने भाजपा जिला कार्यालय में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर उनके पूरे जीवन वृत्त लगाई गई।

मणिपुर में आतंकियों के पुल उड़ाने की योजना को सुरक्षा बलों ने किया नाकाम

एजेंसी

चुराचांदपुर (मणिपुर)। राज्य हिंसक माहौल बनाए रखने के लिए आतंकी नई-नई चालें चलने की फिराक में जुटे हुए हैं। इस कड़ी में नक्सलियों की तरह आरसीसी पुल को उड़ाकर बड़ी घटना को अंजाम देने की आतंकियों ने योजना बनाई थी। जिसे सुरक्षा बलों ने समय रहते आज नाकाम कर दिया। सेना सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज बड़ी त्रासदी उस समय टल गई जब सुरक्षा बलों ने मणिपुर में आतंकियों के द्वारा पुल उड़ाने की योजना को नाकाम कर दिया गया। सेना और मणिपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए इंफाल-चुराचंदपुर मार्ग पर एक पुल के नीचे से 3.6 किलोग्राम विस्फोटक, डेटोनेटर, कॉर्डटेक्स और अन्य सामान जब्त किया।पुल के निचे विस्फोटक लगाने की खुफिया जानकारी मिलते ही मौके पर सेना और मणिपुर पुलिस की टीम पहुंचकर जांच-पड़ताल आरंभ किया। विस्फोटक की तस्दीक होते ही मौके पर पहुंचे सेना के बम निरोधक दस्ते ने बड़ी सफाई से सभी विस्फोटकों को बाहर निकालकर उसे निष्क्रिय कर दिया। जिसके चलते एक बड़ा हादसा होने से बच गया। माना जा रहा है कि आतंकियों ने यह विस्फोटक सेना को निशाना बनाने के लिए लगाया था। उल्लेखनीय है कि सेना और मणिपुर पुलिस राज्य के घाटी एवं पहाड़ी इलाकों में लगातार सघन तलाशी अभियान चलाते हुए प्रतिदिन विस्फोटक, हथियार एवं आपत्तिजनक सामग्री बरामद करने के साथ ही आतंकियों को भी गिरफ्तार करने में सफल हो रहे हैं। हालांकि, यह पता नहीं चल सका है कि पुल के निचे किसने विस्फोटक लगाया था।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा से हल्द्वानी जा रही रोडवेज बस खाई में गिरी, तीन की मौत, 25 घायल

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। अल्मोड़ा से हल्द्वानी जा रही उत्तराखंड राज्य सड़क परिवहन निगम की बस भीमताल-रानीबाग मोटर मार्ग पर आमडाली के पास करीब 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा अपराह्न करीब 3 बजे हुआ। बस में 28-29 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश नर्सिंग छात्राएं बताई जा रही हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र और नैनीताल जिले की पुलिस ने इस हादसे में तीन लोगों की मौत और 25 के घायल होने की पुष्टि की है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ टीम ने रस्सियों और स्ट्रेचर की मदद से घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी घायलों को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल और अन्य नजदीकी अस्पतालों में भेजा गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस तेज रफ्तार में थी और मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया,

जिसके बाद वह सीधे खाई में गिर गई। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। बस रानीबाग से हल्द्वानी की ओर जा रही थी और एक मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बस खाई में गिर गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भीमताल के पास बस दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुखद है। मैंने स्थानीय प्रशासन को त्वरित राहत और बचाव कार्य के निर्देश दिए हैं। बाबा केदार से सभी यात्रियों के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं। परिवहन विभाग ने हादसे की विभागीय जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना का कारण चालक की लापरवाही और खराब सड़क स्थिति हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश को भारत रत्न देने की वकालत की

एजेंसी

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में कहा कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव राजग नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को भारत रत्न देने की वकालत की। गिरिराज ने कहा कि नीतीश कुमार इतने दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। आज के बच्चे, जिनकी उम्र 30 साल है वह नहीं जानते कि लालू प्रसाद के जंगलराज में कुव्यवस्था थी। सड़कें, अस्पतालों और स्कूलों की जर्जर स्थिति थी। नीतीश कुमार ने बिहार को एक ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है और ओडिशा में नवीन पटनायक ने इतने वर्षों तक राज्य की सेवा की। ऐसे लोगों को देश में पुरस्कृत करने की जरूरत है। इसलिए ऐसे लोगों को भारत रत्न जैसे पुरस्कार से नवाजा जाना चाहिए। यह पहला मौका है जब भाजपा की तरफ से किसी केंद्रीय मंत्री ने अपनी ही सरकार से यह बड़ी मांग की है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या सच में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाराज हो गए हैं? दरअसल, बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में नेतृत्व के सवाल पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों एक टीवी डिबेट

के दौरान ऐसी बात कह दी थी, जिससे बिहार की सियासत गरमा गई थी। मुख्यमंत्री के बीमार पड़ने के बाद यह कयास लगाए जाने लगा कि नीतीश कुमार फिर से नाराज हो गए हैं। हालांकि, बाद में भाजपा और जदयू दोनों ने साफ कर दिया कि 2025 में एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। भाजपा लगातार यह मैसेज देने की कोशिश कर रही है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक है और बिहार में नीतीश कुमार ही एनडीए के नेता हैं। चर्चा है कि भाजपा पूरी तरह से बैकफुट पर आ गई है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को किसी भी हाल में नाराज नहीं करना चाहती है। यही वजह है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पुरानी मांग को करीब-करीब स्वीकार कर लिया। केंद्र सरकार ने पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा तो नहीं दिया लेकिन पीयू के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी। अब केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए केंद्र सरकार से बड़ी मांग कर दी है।

रोपवे परियोजना के खिलाफ कटरा में 72 घंटे का बंद शुरू प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया

एजेंसी

रियासी। जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया क्योंकि प्रस्तावित रोपवे परियोजना को रोकने की मांग तेज हो गई है और शहर में 72 घंटे का बंद रखा गया है। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बंद का आह्वान किया है और कहा है कि विरोध के दौरान कटरा में सभी गतिविधियाँ निलंबित रहेंगी। समिति के नेता भूपिंदर सिंह और सोहन चंद के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने कस्बे में विरोध मार्च निकाला और श्राइन बोर्ड तथा प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए तथा उन पर अड़ियल रवैया अपनाने का आरोप लगाया। हालांकि जब पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका तो दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सिंह और चंद समेत कई प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया और प्रदर्शन स्थल से पुलिस

वाहन में ले गए। सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार मुद्दे को पटरी से उतार रही है और कटरा के लोगों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि हम हजारों लोगों की नौकरियां बचाने के लिए इस परियोजना को बंद करने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन ने हमसे बातचीत करने का वादा किया था लेकिन इसके बजाय वे हमें हिरासत में लेने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व मंत्री जुगल किशोर ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग की आलोचना की। किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग करने के प्रशासन के कदम की कड़ी निंदा करते हैं। उनकी कार्रवाई का उद्देश्य कटरा में स्थिति को बिगाड़ना है जो अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रशासन पर बातचीत से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चर्चा करने के बजाय वे स्थिति को और खराब कर रहे हैं। विरोध के आह्वान पर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे और पवित्र शहर में सड़कों पर यातायात नदारद रहा। समिति के प्रवक्ता ने कहा कि प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विरोध में टट्टू मालिकों, दुकानदारों और अन्य स्थानीय हितधारकों द्वारा 72 घंटे का बंद शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि हमने आज डिप्टी कमिश्नर से मुलाकात की जिन्होंने उच्च अधिकारियों से परामर्श करने के लिए और समय मांगा। इसलिए, हमने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है।

गुजरात के ओखा में जेटी निर्माण के दौरान दुर्घटना, तीन की मौत

एजेंसी

द्वारका। गुजरात की देवभूमि द्वारका जनपद के ओखा में जेटी निर्माण में लगी क्रेन टूटने से एक इंजीनियर समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक सुपरवाइजर और एक श्रमिक भी शामिल हैं। द्वारका जिला कलक्टर जीटी पंडया ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीन लोगों की मौत की घटना में जांच का आदेश दिए हैं। ओखा मरीन पुलिस तीनों शवों के पोस्टमार्टम के लिए द्वारका सरकारी हॉस्पिटल ले गई है। जिला कलक्टर ने बताया कि द्वारका के ओखा में कोस्टगार्ड की ओर से जेटी बनाने का काम करीब एक साल से किया जा रहा है। जेटी निर्माण कार्य के दौरान आज अचानक क्रेन टूट गया और तीन लोग पानी में गिर गए, जबकि एक व्यक्ति दब गया। घटना की जानकारी मिलते ही जीएमबी कोस्टगार्ड, ओखा मरीन पुलिस, फायर ब्रिगेड और 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की टीम मौके पर पहुंच गई। पानी में गिरे एक व्यक्ति को किसी तरह बचा लिया गया। जबकि दो लोगों के शव बाहर निकाले गए हैं। एक व्यक्ति की मौत दबने से हुई है। मृतकों में जीतेन कराडी (23), अरविंद कुमार (24) और निशांत सिंह शामिल हैं।

संभल के चंदौसी क्षेत्र में लगातार छठे दिन जारी रहा एएसआई का सर्वे

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी तहसील क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे लगातार छठे दिन जारी रहा। एएसआई अधिकारियों के निर्देशन में चंदौसी नगर पालिका परिषद के 50 कर्मियों की टीम करीब 150 साल पुरानी बावड़ी की खुदाई में जुटी है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि एएसआई की टीम के निर्देशन में बावड़ी का राज खोलने के लिए नगर पालिका के 50 लोगों की टीम कार्य में लगी है। यह खुदाई कब तक चलेगी, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि इसके ढांचे पर जेसीबी मशीन नहीं चल सकती और श्रमिकों से काम कराया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि आज खुदाई में बावड़ी की ऊपरी मंजिल को साफ कराया गया और फर्श लाल पत्थर से बना हुआ

प्रतीत हो रहा है। जल निगम के जूनियर इंजीनियर अनुज कुमार ने बताया कि बावड़ी का अस्तित्व सामने लाने के लिए नगर पालिका के दो सेनेटरी इंस्पेक्टर, एक रेवन्यू इंस्पेक्टर, एक जेई की देखरेख में 40 से 45 मजदूर काम कर रहे हैं। एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को भी लगाया गया है। संभल के 19 प्राचीन कुओं और 68 तीर्थों का वर्णन तमाम धर्मग्रंथों में मिलता है। जिले के खग्गू सराय में विगत 13 दिसंबर को लगभग 46 साल से बंद प्राचीन शिव मंदिर खुलने के बाद जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने धर्मग्रंथों में वर्णित इन कूओं सहित तमाम प्राचीन कूओं को खोजकर उन्हें पुनर्जीवित कराने की मुहिम चला रखी है। जिलाधिकारी ने जांच के लिए एएसआई को पत्र लिखकर जिले के प्राचीन तीर्थ स्थलों और कुओं का निरीक्षण कराने की मांग की थी। एएसआई की चार सदस्यीय टीम संभल में अब तक कई तीर्थ एवं मंदिरों के साथ-साथ प्राचीन कुओं का भी सर्वे कर चुकी है। एएसआई के सर्वे के दौरान संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर सनातन सेवक संघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी पैंसिया को प्रार्थना पत्र देकर चंदौसी के लक्ष्मण गंज इलाके में बने प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार कराने और मंदिर के पास ही गली में स्थित खाली प्लाट में बावड़ी होने का दावा किया था। जिलाधिकारी के आदेश पर 21 दिसंबर को दोपहर में एडीएम सतीश कुशवाह के साथ तहसील और नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंच कर खुदाई शुरू की। खुदाई के दौरान पहले बावड़ी की दीवार नजर आई। बताया जा रहा है कि यह बावड़ी लगभग 150 साल पुरानी है और 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिलारी के राजा के शासनकाल से पूर्व इस बावड़ी का निर्माण कराया गया था।संभल के चंदौसी स्थित मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मण गंज में खाली प्लाट में मिली बावड़ी का रहस्य परत दर परत अब खुलने लगा है। खुदाई में बावड़ी की ऊपरी मंजिल साफ नजर आने लगी है। लाल पत्थर का फर्श दिखने लगा है।

असम पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, कोकराझार से दो संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी

गुवाहाटी। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने ऑपरेशन प्रघात के तहत आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए कोकराझार से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

नके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। एसडीजीपी हरमीत सिंह ने असम पुलिस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीती रात कार्रवाई के दौरान हथियार और गोलाबारूद के साथ कोकराझार से दो जिहादियों को गिरफ्तार किया है। ये राज्य में हिंसा भड़काने की घटनाओं को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। इन्होंने आईईडी हमले की योजना भी बनाई थी। एसडीजीपी ने कहा कि हम देश को क्षति नहीं होने देंगे। जिहादी दिवाली के पटाखों से

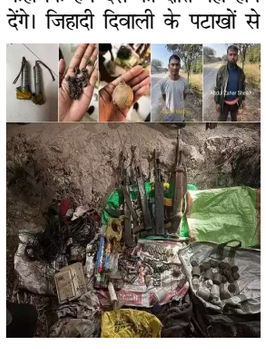

विस्फोटक बनाते थे। गिरफ्तार जिहादियों के बांग्लादेश और पाकिस्तान से संबंध हैं। एसटीएफ बल के प्रमुख पार्थ सारथी महंत की निगरानी में ऑपरेशन को अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान अब्दुल जहीर शेख और सब्बीर मिर्धा के रूप में की गई है। एसटीएफ ने चार हस्तनिर्मित एके सीरीज राइफलें, एके सीरीज राइफलों के साथ मैचिंग राइफलें, 34 जिंदा कारतूस, 24 खाली कारतूस, जिंदा अनप्रिम्ड कॉर्टेक्स की एक जोड़ी के साथ आईईडी, हस्तनिर्मित विस्फोटक के साथ ग्रेनेड, कृषि उपयोग में होने वाली सामग्री से बने डेटोनेटर, 14 इलेक्ट्रानिक स्वीच, आईईडी तैयार करने के लिए रखे तीन लोर केस, पटाखा से तैयार तार तथा विस्फोटक आदि बरामद किया। एसडीजीपी ने यह भी बताया कि एसटीएफ के ऑपरेशन से असम में इस तरह के हमले की योजना को नाकाम करने में कामयाबी मिली है।

महाकुम्भ में पहली बार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अंडर वॉटर ड्रोन होगा तैनात

एजेंसी

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में हर परिस्थिति में 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान का पूरा सुरक्षित प्लान तैयार कर लिया गया है। इसी क्रम में महाकुम्भ में पहली बार श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अंडर वॉटर ड्रोन तैनात किया गया है। जो 24 घंटे पानी के भीतर हर गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम है। सबसे खास बात यह है कि यह अंडर वॉटर ड्रोन अंधेरे में भी लक्ष्य पर सटीक नजर रखने में कारगर हथियार साबित होने वाला है। यह पानी के नीचे 100 मीटर गहराई तक टोह लेने में सक्षम है और किसी भी परिस्थितियों में सटीक जानकारी उपलब्ध कराने की खूबियों से लैस है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पूर्वी जोन, प्रयागराज डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बेहद तेज गति से और असीमित दूरी तक पानी के अंदर काम करने वाले इस ड्रोन को लॉन्च किया। उन्होंने इस ड्रोन की खासियत और महाकुम्भ में इसकी आवश्यकता के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह ड्रोन पैनिक अंदर 100 मीटर तक जाकर हर गतिविधि की रिपोर्ट आई ट्रिपल सी तक पहुंचाएंगे। इसे असीमित दूरी तक ऑपरेट किया जा सकता है। पानी के अंदर कहीं कोई संदिग्ध गतिविधि या घटना को लेकर यह सटीक जानकारी देगा, जिसके धर पर तुरंत जरूरी कदम उठाए जा सकेंगे। पीएसी के साथ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मिलकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा का काम कर रही हैं। जिसमें बाकायदा एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। यहां 700 झंडे लगी नाव पर 24 घंटे पीएसी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवान तैनात रहेंगे।

सीएम योगी ने अटल जी की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

एजेंसी

लखनऊ। 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अद्वितीय व्यक्तित्व और कृतित्व को नमन किया। प्रदर्शनी में अटल जी के छात्र जीवन से लेकर उनके प्रभावशाली राजनीतिक सफर को क्रमवार ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसमें उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के

दौरान लिए गए ऐतिहासिक फैसलों, भारत के विकास व समृद्धि के बड़े प्रयासों को भी रेखांकित किया गया है। प्रदर्शनी में अटल जी की देशभक्ति, सेवा और अदम्य साहस को बखूबी दर्शाया गया है। इसमें शामिल हर विवरण बहुआयामी व्यक्तित्व के साथ राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान की गवाही देता है। उनकी दूरदर्शी सोच ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उनकी विरासत हमें हमेशा मार्गदर्शन देती रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अटल जी से जुड़ी स्मृतियों को ताजा किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी जी के कटआउट के साथ फोटो खिंचवाई। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक अनुपमा जायसवाल, सुरेंद्र मैथानी, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, गोविंद नारायण शुक्ल, पूर्व मंत्री मोहसिन रजा आदि मौजूद रहे। सभी ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बच्चों के लिए 'फील गुड फैक्टर' दादा-दादी

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है।

आज की पढ़ी-लिखी हाई सोसायटी से यह आम शिकायत है कि मां-बाप अपने बच्चों को दादा-दादी के पास फटकने तक नहीं देना चाहते क्योंकि वे अपने बच्चों को लेकर ओवर पोजैसिव रहते हैं। जो साथ रहते हैं वे बच्चों के साथ मिल कर उनके खिलाफ पार्टीबाजी कर लेते हैं। दादा-दादी में से अगर एक भगवान को प्यारा हो गया तो बहू को और मनमानी की छूट मिल जाती है। कमजोर पार्टी को दबाना उसके लिए और भी आसान हो जाता है।

दादा-दादी के साथ पोते-पोती का जो एक खास जुड़ाव लगाव होता है वह आज की विषैली फिज़ा में बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टी.वी. सीरियल्स मन पर बहुत ही गलत असर डाल रहे हैं। इसका उदाहरण है प्रसिद्ध मैगा सीरियल, सास भी कभी बहू थी में पोती भूमि का अपनी दादी को 'ए तुलसी' कह कर संबोधित करना। भारतीय संस्कृति आज कहां पर पहुंच गई है।

बदलाव जरूरी है स्वाभाविक है यह सब तो ठीक है लेकिन बदलाव के नाम पर पतन के गर्त में जाना उचित नहीं है। जन्म देने वालों और पाल पोसकर बड़ा करने वालों को अपमानित कर क्या सिद्ध करना चाहती है आज की यह सभ्य सो कॉल्ड पढ़ी-लिखी पीढ़ी।

दादा-दादी बच्चों के जीवन में फील गुड फैक्टर होते हैं, सुरक्षा कवच, कम्फर्ट जोर और भविष्य में उनकी उम्र पर पहुंचने पर मधुर यादों का जखीरा।

आज के मां-बाप जब अपनी दुष्टता के चलते उनके बीच में कोई संबंध जुड़ने ही न देंगे, किसी भी तरह का कम्युनिकेशन नहीं होने देंगे तो बच्चों के दिल में एक बहुत बड़ा खालीपन रह जाएगा क्योंकि मां-बाप अपनी जगह हैं दादा-दादी अपनी जगह।

दादा-दादी उम्र के पड़ाव पर पहुंच गए होते हैं जहां जाकर एक ठहराव ज्यादा मैच्योरिटी और समझ आ जाती है। इसके अलावा अब वे सैकेंड चाइल्डहुड जी रहे होते हैं। ऐसे समय में वे अपने पोते-पोती के बेहतर दोस्त साबित हो सकते हैं।

बच्चे उनसे जीवन में कितनी अच्छी बातें और संस्कार सीखते हैं जो उनके व्यक्तित्व में गहराई तक उतर कर उन्हें भविष्य में बेहतर इंसान बनाते हैं यह सिर्फ समझने की बात है। बच्चे अपने मां-बाप को उनके मां-बाप की इज्जत करते, केयर देखते हैं तो स्वत: ही ये बातें उनके संस्कारों में आ जाती हैं। भले ही आप अपने मां-बाप से दूर रहते हों, बच्चों को उनसे जोड़ कर रखें, उन्हें रैग्युलर टच में रखें, फोन, विजिट या पत्र ई-मेल के द्वारा ही नहीं। वक्त की नज़ाकत पहचान कर दादा-दादी भी अपने को समयानुसार ढाल लें तो अच्छा है। उन्हें दखलअंदाजी से दूर रहना चाहिए और बिना मांगे सलाह देने से बचना चाहिए जब तक कि बात सीरियस अंजाम की ही न हो। अब वक्त उनका है। उन्हें अपने ढंग से जीने दें और बच्चों को भी अपने ढंग से पालने दें। उनकी खुशी में खुश होना सीख लें।

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है। आप जो सांसें ले रहे हैं ये उनकी ही देन हैं। उनके साथ जीवन मूल्य हैं। आज के आपाधापी और तनावग्रस्त माहौल में उनके पास शीतल छाया है। संतुलन है और आपके लिए रिइंश्योरैंस इसीलिए शायद आज दुनिया में कई जगह २दादा-दादी गोद लिए जाने लगे है।

अपने बच्चों को जिन्हें आप सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, दादा-दादी के प्यार से वंचित न रखें। उनको लेकर अपने पोजैसिवनैस के लिए स्वयं दादा-दादी बनने पर कहीं अपने प्रति इसी तरह के व्यवहार को पाकर बाद में आपको पछताना न पड़े।

ऐसे लगाएँ मस्कारा

पहली बार किसी मस्कारे का प्रयोग करने से पहले उसे दो-तीन घंटे पहले हथेली के पीछे की त्वचा पर लगाकर ट्रायल लें ताकि यह पता चले कि मस्कारा आपको सूट कर रहा है या नहीं। अगर मस्कारा लगाने से आपके आँखों में खुजली हो रही है, आँखें लाल हो रही हैं या फिर पलकें झड़ रही हैं तो उस मस्कारे का प्रयोग एकदम बंद कर दें। आमतौर पर युवतियों महिलाओं से मस्कारा एक बार में नहीं लगता। इसलिए कॉंस्ट्रेट होकर मस्कारा लगाएँ।

मस्कारे को पीछे से आगे की ओर बढ़ाकर प्रयोग करें। ताकि वह सही ढंग से पूरी बरौनियों पर फैल सके। मस्कारे के फैलने पर उसे छुड़ाने के लिए क्लींजिंग मिल्क या गुलाबजल को रूई के फाहे पर लगाकर मस्कारा छुड़ाए या आई मेकअप रिमूवर का प्रयोग करें। सख्त कपड़ा या टॉवेल का प्रयोग करने से पलकों को नुकसान पहुँचता है।

अगर आपकी पलकें झड़ रही हैं या फिर आँखों में किसी प्रकार का इंफेक्शन चल रहा है तो आँखों को ठीक होने तक मस्कारे का प्रयोग न करें।

डेटिंग के नाम पर धोखा

लड़कियां जब जवानी में कदम रखने लगती हैं, उनके किसी न किसी लड़के से अफेयर होने लगते हैं। पश्चिम की तर्ज पर हमारे यहां भी डेटिंग का प्रचलन बढ़ गया है। डेटिंग करते-करते कब बात हाथ से निकल जाए, लड़की स्वयं नहीं जान पाती। लड़कियां चूंकि ज्यादा भावुक होती हैं, अत: लड़के द्वारा 'डिच' किए जाने पर वे टूट जाती हैं। कई बार लड़कों के लिए डेटिंग महज मौज-मस्ती का पर्याय होती है। शादी का वायदा कर वे लड़की से शारीरिक संबध कायम करने की मांग करते हैं। लड़की वादे को सच मान समर्पण कर देती है तो उसे 'लूज कैरेक्टर' घोषित कर लड़के छोड़ देते हैं। बहुत कम लड़के-लड़कियां प्यार शब्द का अर्थ समझते हैं। इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता चाहिए जो बहुत कम युवाओं में होती है। आपकी जरा-सी गलती लड़की की जिंदगी तबाह कर सकती है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार तेरह से उन्नीस वर्ष की उम्र में लड़कियां उम्र के नाजुक दौर से गुजर रही होती हैं। इस समय जरा-सी चूक से उनके जीवन में खतरनाक मोड़ आ सकता है इसलिए सही राह पकड़ना जरूरी है। मां को लड़की को लेकर कुछ खास बातों पर ध्यान देना जरूरी है। सर्वप्रथम तो लड़की की दिनचर्या पर तवज्जो दें। वह क्या करती है, पढ़ने में उसकी कितनी रुचि है, कोर्स की किताबों के अलावा क्या पढ़ने में दिलचस्पी लेती है, टी.वी. पर कैसे प्रोग्राम और कितनी देर देखती है?

लड़की को हर समय शक की नजर से देखना भी अनुचित है और उस पर आंख मूंद कर विश्वास करना भी ठीक नहीं। सजगता अत्यंत जरूरी है क्योंकि आप जवान बेटी की मां हैं। लड़की के फ्रैंड सर्कल के बारे में जानकारी रखें। लड़की को विवाह होने तक व्यस्त रखें। जवान शिक्षक से कभी भी अकेले ट्यूशन न कराएं। सही उम्र में लड़की की शादी वक्त रहते ही कर दें लेकिन शिक्षा में कमी न रखें। वह इस लायक जरूर हो कि मुसीबत आने पर अपनी रोजी-रोटी स्वयं कोई अच्छा जॉब करके कमा सके, यानी कि उसे आत्मनिर्भर बनाएं।

कामयाबी का आकाश छूने को तैयार बेटियां

पुरुष प्रधान समाज के क्रूर पंजों की पकड़ से नारी अब आज़ाद होने लगी है। सदियों से उत्पीड़न और शोषण की शिकार बेटियां, अपनी मेहनत सूझ-बूझ और उत्साह के बूते जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नये-नये अध्याय लिख रही हैं। वे परिवार, समाज तथा देश को आगे ले जाने को तैयार हैं। समय भी सत्य और संकल्पों का सुधी होता है, इसलिए पक्के इरादों वाली बेटियों के रास्ते में आज कोई अवरोध अधिक देर नहीं टिकता। सत्य की राह पर चलते हुए लक्ष्य पर निगाहें, उन्हें हर मंजिल तक पहुंचाने में मददगार साबित होती हैं।

जीतने का जज्बा, हाल को कोसों दूर भगा देता है। उसी जीत के जज्बे ने आज बेटियों के सामने मेधा पाटकर, किरण बेदी, सानिया मिर्जा, इंदिरा नूयी, कल्पना चावला, सुनीता विलीयम जैसी शख्सियतों को सामने ला खड़ा किया है, जिनके आगे हर मुश्किल नतमस्तक हो जाती है। मेधा पाटकर ने नर्मदा विस्थापितों की हक की लड़ाई के लिए खुद को आगे कर दिया, वहीं किरण बेदी 'असंभव कुछ भी नहीं' की लाइन पर चलते हुए, बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गयीं।

आज लगभग हर क्षेत्र में सफलता के नित नए मुकाम हासिल करती बेटियां, आज हर पल जीतने के लिए तैयार हैं।

बुरा काम है दांपत्य में सेंधमारी

दांपत्य जीवन को हमेशा रथ के दो पहियों से निरूपित किया जाता है। इसका मतलब यह है कि दोनों पहियों का सही चलना दांपत्य जीवन की गाड़ी के लिये ज़रूरी है। बिना आपसी समझ और आपसी प्यार के यह संभव नहीं होता, इसलिये आपसी विश्वास को बनाये रखें। एक-दूसरे पर विश्वास सफलता की सबसे बड़ी पूंजी है।

प्यार भी बड़ी अजीब शौक है। यह तो बस हो जाता है। कब, क्यों और कहां, यह कुछ निश्चित नहीं है। प्यार करने वालों को प्यार का ऑब्जेक्ट दुनिया में सर्वाधिक हसीन लगता है, चाहे वह बदसूरत ही क्यों न हो। ऐसा न होता तो हमारे पड़ोसी 'किसलय रहेजा' जैसे बदशक्ल और रुखे इंसान के पीछे संजना यूं ही बाबरी न होती। उनकी पत्नी के सीधेपन का भी फायदा संजना को मिल गया। चंचल और स्मार्ट संजना रिश्ते में हालांकि 'किसलय' की कुछ दूर की बहन लगती थी। 'किसलय' की शादी उसके मां-बाप से कभी न करते, यह बात वे स्वयं भलि-भांति जानती थी। इन समीकरणों में संजना ने कृष्ण की राधा की भांति ही 'किसलय' के जीवन में जगह ले ली थी।

एक थे संजीव पांडे, ज़मींदार और उस पर भी बड़े राजनेता। दिखने में भी काफी सुदर्शन व्यक्तित्व के मालिक। माता-पिता ने उनकी शादी ज़मींदार घराने की एक कम पढ़ी-लिखी सुंदर, सुशील कन्या से कर दी थी।

एक-एक करके वह चार बच्चों की मां बन गई। संजीव को एक तो पहले से ही वह पसंद नहीं थी, जिस पर चार बच्चों की मां हो जाने पर वह उससे और भी खिंचा रहने लगा था। नमिता उसके दोस्त की पत्नी थी। नमिता के हावभाव में उसे आमंत्रण दिखाई दिया। अपने प्रेम को शक से बचाए रखने और संजीव तथा उसकी पत्नी ऐश्वर्या के दांपत्य में सेंधमारी करने के लिए नमिता ने विवाहित प्रेमी के बच्चों को फुसलाने का षड़यंत्र रचा। वह उनके लिए तोहफे खरीदती, कभी उन्हें होटलों में ले जाती, कभी पिक्चर दिखाती। किशोरावस्था में बच्चों में सही-गलत की इतनी पहचान नहीं हो पाती है। बच्चे भी नमिता आंटी के सामने अपनी मां को फूहड़ समझने लगे। अब नमिता का दूसरा कदम था प्रेमी के साथ मिलकर, अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसका कत्ल करवाना। कानून उसका कुछ न बिगाड़ सका। नमिता कुछ दिनों के शो के नाटक और श्वेत वस्त्रों के दिखावे के बाद अब बड़े-ठाठ से अपने प्रेमी संजीव की दूसरी पत्नी बनकर रहने लगी। प्रेम का एक घिनौना रूप यह भी है।

दूसरों का घर उजाड़ने वाली ऐसी सेंधमार महिलाओं का कहना है कि प्यार के लिए सामाजिक स्वीकृति वे ही चाहते हैं, जो भीरू होते हैं।

आज़ाद देश में हर महिला को इस बात की पूर्ण आजादी होनी चाहिए कि वह जिससे चाहे प्यार करे, जिसके साथ चाहे अपनी दुनिया बसाए।

विनय और मोना का प्यार परवान चढ़ता, इससे पहले ही विनय की शादी डॉक्टर अंजलि से हो गई। अंजलि चूंकि डॉक्टर थी, वह अस्पताल और मरीजों में व्यस्त रहती। किचिन में तरह-तरह की चीजें बनाकर पति को खिलाने के लिए भला उसे फुर्सत कहां थी। अंजलि की व्यस्तता का फायदा मोना ने खूब उठाया। उसके अस्पताल जाने पर वह अपने प्यार को 'प्लेटॉनिक' दोस्ती का नाम देकर, तब तक अपने मित्र रिश्तेदारों को छलती रही, जब तक कि बिल्ली के भाग से छींका न टूटा। अंजलि के गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया था। कोई इलाज न बचा और आखिर वह असमय ही चल बसी। अंजलि की मौत को अभी चंद महीने भी न हुए थे कि मोना उसकी जगह विनय की दूसरी पत्नी बनकर आ गई।

प्यार करना जुर्म नहीं, लेकिन किसी शादीशुदा पति या पत्नी से प्यार जताना बेशक जुर्म की श्रेणी में ही आता है। यह बात अलग है कि कानून इसके लिए किसी को सजा नहीं दिला सकता। एक समर्पित भारतीय पत्नी के लिए पति उसके अपने जीवन से बढ़कर होता है। उसकी मृत्यु के बाद वह जीवित लाश बनकर रह जाती है। ऐसी समर्पित पत्नी से उसका पति छीनकर दूसरी स्त्री ठीक करती है या गलत, यह उसकी अपनी सोच है, लेकिन एक पत्नी से उसका जीवन छीन लेना, कत्ल करने से छोटा अपराध कतई नहीं है। इसी तरह किसी पागल प्रेमी की हद तक पत्नी को चाहने वाले पति से उसकी पत्नी छीन लेना भी उतना ही संगीन अपराध है।

पीकेएल सीजन 11 के प्लेऑफ की शुरुआत, शीर्ष 6 कोचों ने की युवा सितारों की प्रशंसा

एजेंसी

पुणे। पीकेएल सीजन 11 का प्लेऑफ सप्ताह 26 दिसंबर से शुरू हो रहा है। पीकेएल का बैटल रॉयल श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी, पुणे से शुरू होगा। पहला मुकाबला हरियाणा स्टीलर्स और यूपी योद्धाओं के बीच होगा। दोनों टीमों ने कभी खिताब नहीं जीता है। वहीं, तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स, सीजन 8 की विजेता दबंग दिल्ली के.सी., सीजन 1 और 9 की खिताब धारक जयपुर पिंक पैंथर्स और सीजन 2 की चैंपियन यू मुंबा की टीमें भी लीग चरण के आखिरी गेम के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित कर सकें। इस प्रकार की कड़ी टक्कर से स्पष्ट है कि यह सीज़न कितना प्रतिस्पर्धी रहा है। कबड्डी के खेल के छह कोच मनप्रीत सिंह (हरियाणा स्टीलर्स), जोगिंदर नरवाल (दबंग दिल्ली के.सी.), जसवीर सिंह (यूपी योद्धा), नरेंद्र रेधु (पटना पाइरेट्स), घोलमरेजा माज़ंदरानी (यू मुंबा) और संजीव बालियान (जयपुर पिंक पैंथर्स) ने पंगा राउंडटेबल में विस्तार से बात की और पीकेएल सीज़न 11 के विभिन्न पहलुओं पर बात की।

महेश्वरी और अनंतजीत ने राजस्थान के लिए स्कीट मिश्रित टीम का राष्ट्रीय खिताब जीता

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नारुका की जोड़ी ने अपने राज्य राजस्थान के लिए स्कीट मिश्रित टीम का राष्ट्रीय खिताब जीतकर साल का अच्छा समापन किया। 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता के दौरान डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डीकेएसएसआर) में खेले गए फाइनल में इस जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के मेराज अहमद खान और अरेबा खान को 44-43 के करीबी स्कोर से हराया। पंजाब की गनेमत सेकॉन और अभय सिंह सेकॉन की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले दिन में, महेश्वरी और अनंतजीत ने तीन 25-शॉट राउंड में क्रमशः 72 और 71 का स्कोर करके सात टीमों के क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन टीमें- ग़नेमत और अभय, हरियाणा के इशान लिब्रा और रायज़ा ढिल्लों, और मेराज और अरेबा ने 141 के समान स्कोर किया, जिसके बाद उत्तर प्रदेश की जोड़ी ने आठ लगातार लक्ष्य साधकर तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और स्वर्ण के लिए मुकाबला करने का अधिकार प्राप्त किया। महेश्वरी और अनंतजीत ने आत्मविश्वास से भरे हुए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और छह श्रृंखलाओं के दौरान लगातार नेतृत्व बनाए रखा, लेकिन महेश्वरी को उनके शॉट समय की सीमा पार करने के कारण चेतावनी मिलने और ध्यान की कमी ने अंत में इसे और भी करीब बना दिया।

खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने शहर, राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं : प्रिया अग्रवाल

मुरादाबाद। मंडलीय ओलम्पिक संघ एवं क्षेत्रीय खेल कार्यालय के तत्वावधान में मंडल स्तरीय बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने खिलाडियों को पुरस्कार वितरण करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने शहर, राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं। हम सभी को खिलाड़ियों का हमेशा उत्साहवर्धन करना चाहिए। इस टूर्नामेनट में मंडल के विभिन्न जिलों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उप ओलम्पिक संघ के क्षेत्रीय सचिव डॉ. अजय पाठक ने मंडल स्तरीय बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि अंडर-15 बालक डबल्स में विजेता रहे अश्मित कुमार (शिरडी सॉई), शिवम शर्मा (सोनकपुर स्टेडियम) की जोड़ी ने यश चौहान जीके बेलहम एवं विशिष्ट चतुर्वेदी (स्प्रिंगफील्ड) की जोड़ी 21-15, 12-21, 21-18 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-15 बालक सिंगल्स विशिष्ट चतुर्वेदी (स्प्रिंगफील्ड) ने यश चौहान (जीके बेलहम) को 21-12, 12-21, 21-17 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-19 बालक डबल्स पीयूष आहुजा एवं शौर्य मिश्रा (स्टेडियम) की जोड़ी ने अनन्त कपूर (गोल्डन गेट) एवं मयंक यादव (स्टेडियम) की जोड़ी को 15-21, 21-19, 24-22 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-19 बालक सिंगल्स मंयक यादव (स्टेडियम) ने पीयूष आहुजा (स्टेडियम) को 21-15, 15-21, 21-19 से हराया। अंडर 15 बालिका डबल्स अवनी सिंह (एस0एससीए) एवं श्रेया सिंह ने अदिति सिंह (केन्द्रीय विद्यालय) एवं मानसी (मैथोडिस्ट) 21-12, 10-21, 21-19 से हराया। अंडर-19 बालिका डबल्स अवनी सिंह (एसएससीए) एवं अक्षिता (पीएमएस) ने अराधना शर्मा एवं प्रियांशी यादव 21-15, 21-18 से हराया।

राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का स्वागत

मुरादाबाद। मेरठ के मिलेनियम पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई एक दिवसीय राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में स्वागत अभिनंदन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 15 से अधिक जिलों के 300 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। रोलर स्केटिंग के कोच शाहवेज अली ने बताया कि आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के चार खिलाड़ियों ने 22 दिसंबर को मेरठ में हुई एक दिवसीय राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था।

खेलों की दुनिया में पंजाब के नाम रहा साल 2024

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा खेलों के क्षेत्र में किए गए उपक्रमों के चलते देश भर में साल 2024 राज्य के नाम रहा है। पंजाब को खेलों के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने और राज्य में खेल संस्कृति पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिनके पास खेल विभाग भी है, द्वारा साल 2023 में बनाई गई नई खेल नीति को जमीनी स्तर पर लागू करने के साथ ही साल 2024 में इस नीति के सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस साल पेरिस ओलंपिक में भारत के कुल 100 खिलाड़ियों में से 19 अकेले पंजाब के थे। इनमें 10 हॉकी खिलाड़ी, छह निशानेबाजी, दो एथलेटिक्स और एक गोल्फ के थे। इसके अलावा तीन पंजाबी खिलाड़ियों ने पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा लिया जिनमें एक पैरा एथलीट, एक पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी और एक पैरा पावर लिफ्टर थे। नई खेल नीति के तहत 22 खिलाड़ियों को तैयारी के लिए 15 लाख रुपए प्रति खिलाड़ी के हिसाब से कुल 3.30 करोड़ रुपए दिए गए।

साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचते हुए भारतीय हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता। इसमें 8 खिलाड़ी पंजाब के थे। मुख्यमंत्री ने पंजाब का नाम रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को प्रति खिलाड़ी एक करोड़ रुपये के इनाम के हिसाब से कुल 8 करोड़ की राशि के साथ सम्मानित किया। दो पंजाबी हॉकी खिलाड़ी रिजर्व थे जिन्हें 15-15 लाख रुपए दिए। इसके अलावा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले बाकी नौ खिलाड़ी और तीन पैरा खिलाड़ियों को भी हिस्सा लेने के लिए 15 लाख रुपए प्रति खिलाड़ी के साथ सम्मानित किया गया। इस तरह पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के कुल 22 पंजाबी खिलाड़ियों को तैयारी, इनाम और हिस्सा लेने की राशि मिलाकर कुल 13.10 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का कप्तान हरमनप्रीत सिंह 10 गोलों के साथ ओलंपिक का शीर्ष स्कोरर भी बना जिसने पंजाबियों का नाम दुनिया भर में चमकाया। इस साल पंजाब के 11 नामी खिलाड़ियों को पी.सी.एस. और डी.एस.पी. की नौकरियां दी गईं। इनमें नौ हॉकी खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ियों हार्दिक सिंह, रुपिंदर पाल सिंह, सिमरनजीत सिंह और गुरजंत सिंह को पी.सी.एस. और पांच हॉकी खिलाड़ियों हरमनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, शमशेर सिंह और वरुण कुमार तथा एक एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर और एक क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर को डी.एस.पी. लगाया गया। मुख्यमंत्री ने खेलों को और प्रफुल्लित करने के लिए साल 2023 में नई खेल नीति लागू की। इस नीति के तहत बेहतर कोचिंग, खेल सामान और रिफ्रेशमेंट वाली क्लस्टर स्तर की 1000 खेल नर्सरियां स्थापित की जानी है। साल 2024 में पहले चरण में 260 नर्सरियां बनाने का काम शुरू किया जा चुका है जो जल्द ही क्रियान्वित होंगी। मुख्यमंत्री ने पंजाब में पहली बार 'खेडां वतन पंजाब दीयां' की शुरुआत की ताकि उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका दिया जा सके। साल 2024 में 'खेडां वतन पंजाब दीयां' का तीसरा सीजन सफलतापूर्वक करवाया गया जिसमें पांच लाख के करीब खिलाड़ियों ने 37 खेलों के नौ आयु वर्गों में हिस्सा लिया।

महज 14 साल की उम्र में भारतीय स्क्वैश टीम में जगह बनाने वाली अनिका ने कहा– भारत के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणे की गोल्डन गर्ल के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।

अपनी इस उपलब्धि पर अनिका ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से बताया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। स्क्वैश को अब ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है, इसलिए खिलाड़ियों के लिए तैयारी शुरू करने और एक मजबूत टीम बनाने का यह एक रोमांचक समय है। मेरा मानना ??है कि दृढ़ता और समर्पण रास्ते में आने वाली किसी भी कठिनाई को दूर करने में मदद कर सकता है।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अनिका ने कहा, शुरू में, पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती थी। मुझे कई रातें देर से पढ़ाई और सुबह जल्दी प्रशिक्षण सत्र की याद है। हालांकि, मैंने आखिरी क्षण तक इंतजार करने के बजाय पहले से अच्छी तरह से अध्ययन करके अपने समय प्रबंधन कौशल में सुधार किया। इससे मुझे आगे रहने और दोनों प्रतिबद्धताओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली।

एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी? इस सवाल पर अनिका ने कहा, मेरा परिवार, खासकर मेरा छोटा भाई, सिर्फ़ सहायक ही नहीं रहा है। वह हर मैच में मेरा उत्साहवर्धन करता है, और मैदान के किनारे से अपने परिवार का प्रोत्साहन देखकर मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए गर्मजोशी और प्रेरणा की भावना से भर देता है।

अपना पहला मैच खेल रहे सैम कोंस्टास ने ऑस्ट्रेलिया को दिलाई तूफानी शुरुआत, जड़ा अर्धशतक

एजेंसी

मेलबर्न। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग टेस्ट मैच के पहले दिन लंच तक 1 विकेट पर 112 रन बना लिए हैं। उस्मान ख्वाजा 38 और मार्नस लाबुशेन 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 60 रनों की रोमांचक अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास ने उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन

जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए। इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने लंच तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। ख्वाजा 38 और लाबुशेन 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। बता दें कि इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में एक बदलाव किया है। शुभमन गिल को बाहर किया गया है और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका मिला है, वहीं, कप्तान रोहित शर्मा मैच में ओपनिंग करेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने नाथन मैकस्विनी की जगह सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया है।

संजय मांजरेकर ने मेलबर्न टेस्ट में भारतीय टीम के चयन की आलोचना की, कहा-गिल को बाहर करना कठोर कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के चयन की आलोचना की और कहा कि बल्लेबाज शुभमन गिल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करना एक गलत और कठोर फैसला था। टॉस के समय भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पुष्टि की कि शुभमन गिल बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर रहेंगे और वाशिंगटन सुंदर ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई है।

कप्तान ने यह भी कहा कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मांजरेकर ने कहा कि एमसीजी में टीम इंडिया के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब था। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि गिल को बाहर करने और वाशिंगटन सुंदर को शामिल करने के

फैसले से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब है। नॉन-टर्निंग पिच पर किए गए बदलाव से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी। गिल को बाहर करना कठोर है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में अनकैप्ड अंडर-19 बैटिंग सेंसेशन सैम कोंस्टास शामिल थे, जिन्होंने उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग की।

भारत प्लेइंग इलेवन: यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन के रिकार्ड की बराबरी की

एजेंसी

दुबई। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी में 904 रेटिंग अंक हासिल कर हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रविचंद्रन अश्चिन के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक कुल 21 विकेट हासिल किए हैं और इसके चलते उन्होंने शीर्ष स्थान पर 48 रेटिंग अंकों के अंतर से अपनी बढ़त बढ़ाई है। कगिसो रबाडा 856 रेटिंग अक दूसरे और जॉश हेजलवुड 852 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पैट कमिंस 822 रेटिंग अंक के साथ चौथे, रविचंद्रन अश्विन 789 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा मैट हैनरी (782) छठे, नाथन लायन (770) सातवें,

प्रभात जयसूर्या (768) आठवें, नोमान अली (759) नौवें और रवींद्र जडेजा (755) रेटिंग अंक के साथ दसवें स्थान पर है। मोहम्मद सिराज एक स्थान के फायदे के साथ 24वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जबकि पिछले टेस्ट की पहली पारी में 152 रनों की पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड यशस्वी जायसवाल को पछाड़ते हुए बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शीर्ष स्थान पर जो रूट का कब्जा है। गाबा टेस्ट के एक अन्य शतकवीर स्टीव स्मिथ भी शीर्ष 10 में वापसी हुई हैं। स्मिथ ने पिछले मैच में 101 रनों की पारी खेली थी।

जबकि 70 और 20 नाबाद रनों की पारी खेलने वाले ऐलेक्स कैरी 11 पायदान की छलांग के साथ 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 10 पायदान की छलांग के साथ 40वें जबकि रवींद्र जडेजा नौ पायदान की छलांग के साथ 42वें स्थान पर आ गए हैं।

पंजाब एफसी को अपने अगले घरेलू मुकाबले में मोहन बागान के विरुद्ध जीत की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने घरेलू मैचों में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब एफसी को पिछले दो बाहरी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था परंतु अपने घरेलू प्रदर्शन के दम पर शेर (पंजाब एफसी) मोहन बागान के विरुद्ध अपने अगले घरेलू मैच में जीत हासिल करना चाहती है। पंजाब एफसी 2024 का अपना अंतिम मैच खेलते हुए कल, गुरुवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लीग टॉपर्स मोहन बागान सुपर जायंट से भिड़ेंगे। पंजाब वर्तमान में सातवें स्थान पर है, 6 जीत से 18 अंकों के साथ, और कोलकाता की इस मजबूत टीम के खिलाफ जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को मजबूत करना चाहेगा। बॉक्सिंग डे का यह मुकाबला शाम 7~30 बजे शुरू होगा। मैच से पहले बात करते हुए, पंजाब एफसी के मुख्य कोच पानायोटिस डिलमपेरिस ने कहा, हर मैच एक रणनीतिक प्रक्रिया है, यह कभी भी केवल एक खिलाड़ी या टीम पर निर्भर नहीं होता। हमारा ध्यान खिलाड़ियों, विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों का समर्थन करने पर है। हमारे पास एक स्पष्ट योजना है, और वह कल मैदान पर दिखाई देगी। कोई तनाव नहीं है, कोई दबाव नहीं है, हम कल के मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। दोनों टीमें, जिन्होंने हाल ही में अपने बाहरी फिक्सचर में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। हालांकि, पंजाब को घरेलू मैदान पर खेलने का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। दोनों टीमें चोटों और निलंबनों के कारण अपने कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के बिना खेलेंगी, लेकिन फिर भी यह मुकाबला दोनों तरफ से उच्च गुणवत्ता वाले फुटबॉल का प्रदर्शन करने का वादा करता है।

वेस्ट ब्रोम छोड़ने के बाद कार्लोस कोरबेरन ने संभाली वालेंसिया की कमान

एजेंसी

मैड्रिड। ला लीगा के संयुक्त निचले क्लब वालेंसिया ने कार्लोस कोरबेरन को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। इंग्लिश चैम्पियनशिप टीम वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन को छोड़कर आए 41 वर्षीय कोरबेरन रुबेन बाराजा की जगह लेंगे। पूर्व कोच रुबेन बाराजा को सोमवार को बर्खास्त कर दिया गया था।

इससे पहले वालेंसिया ने अपने घरेलू मैदान पर अलावेस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस मैच से पहले टीम ने अपने पहले 17 मैचों में केवल 12 अंक ही अर्जित किए थे। माना जा रहा है कि वालेंसिया ने कोरबेरन के रिलीज क्लॉज के लिए करीब तीन मिलियन यूरो का भुगतान किया है। वेस्ट ब्रोम ने एक बयान में पुष्टि की, एल्बियन ने कार्लोस कोरबेरन के क्लब छोड़ने और ला लीगा की टीम वालेंसिया के साथ एक नया अवसर तलाशने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है। 41 वर्षीय खिलाड़ी

हमारे आभार के साथ अपने वतन लौटने के लिए तैयार है। वहीं, कोरबेरन ने कहा कि यह निर्णय मेरे जीवन का सबसे कठिन निर्णय था। उन्होंने कहा, इस विशेष क्लब के लिए मेरे दिल में हमेशा एक जगह रहेगी और मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं आप सभी के अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए वापस आ पाऊंगा। वेस्ट ब्रोम में अपने कार्यकाल के दौरान, कोरबेरन ने अपने पहले सीज़न में क्लब को नौवें और पिछले सीज़न में इसे पांचवें स्थान पर पहुंचाया, जबकि वर्तमान में यह चैम्पियनशिप तालिका में सातवें स्थान पर है।

कोलंबो में होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने कहा है कि 12 से 21 जनवरी तक श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित

होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम हिस्सा लेगी। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान श्रीलंका और इंग्लैंड भाग ले रहे है। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम जयपुर में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। शिविर के दौरान अंतिम टीम का चयन किया जाएगा। चारों टीमों के बीच दो-दो मैच खेले जायेंगे।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 12 जनवरी को भारत और पाकिस्तान की टीम के बीच खेला जायेगा। 13 जनवरी को भारतीय टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी। 15 जनवरी को भारत का मुकाबला श्रीलंका से होगा। इसके बाद 16 जनवरी को फिर भारत और पाकिस्तान के बीच दूसरा मैच होगा। 18 जनवरी को भारत बनाम इंग्लैंड और 19 जनवरी को भारत बनाम श्रीलंका का मैच होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 21 जनवरी को खेला जायेगा।

रोहन बोपन्ना और सुमित नागल के लिए खास रहा वर्ष 2024

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2024 भारतीय टेनिस के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा, लेकिन कुछ ऐसे क्षण भी थे जो उल्लेखनीय रहे और एक उज्जवल भविष्य की उम्मीदों को जीवित रखा, विशेषकर रोहन बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के सिलसिले ने उन्हें पुरुष युगल में पहली बार विश्व नंबर 1 बनने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना दिया और सुमित नागल ने एटीपी टॉप 100 में प्रवेश किया।

बोपन्ना की ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत

19 अलग-अलग जोड़ीदारों और 61 प्रयासों के बाद, बोपन्ना ने आखिरकार पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया, जिसकी तलाश वह तब से कर रहे थे, जब उन्होंने 22 साल पहले चेन्नई में युगल में एटीपी टूर की शुरुआत की थी। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू

एबडेन ने मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी को 7-6(0), 7-5 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इस उपलब्धि ने बोपन्ना को पहली बार पुरुष युगल में विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और ओपन युग में मेजर खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बना दिया। उन्हें चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया।

एशियन युवा-जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 में भारतीय टीम ने जीते 33 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दल ने दोहा, कतर में एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 में अपने अभियान का समापन किया, जिसमें कुल 33 पदक हासिल किए। चैंपियनशिप में 40 श्रेणियों में प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें से प्रत्येक में जूनियर और युवा स्तर पर 20 प्रतियोगिताएं थीं। स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल मिलाकर प्रत्येक भारोत्तोलन श्रेणी में पदक अलग-अलग प्रदान किए गए। भारत के युवा भारोत्तोलकों (13 से 17 वर्ष की आयु) ने नेतृत्व करते हुए सभी सात स्वर्ण सहित 21 पदक जीते। जूनियर भारोत्तोलकों (15 से 20 वर्ष की आयु) ने तालिका में 12 पदकों का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश की 16 वर्षीय ज्योशना सबर ने पहले दिन सुर्खियां बटोरीं। महिलाओं के युवा 40 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ज्योशना ने कुल 135 किग्रा (60 किग्रा स्नैच + 75 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर तीन स्वर्ण पदक जीते, जिससे कुल मिलाकर एक नया एशियाई रिकॉर्ड स्थापित हुआ।

पायल (महिला 45 किग्रा) और संजना (महिला 76 किग्रा) ने जूनियर और युवा वर्ग में पांच-पांच पदक जीते। पायल ने कुल 155 किग्रा (70 किग्रा स्नैच + 85 किग्रा क्लीन एंड जर्क) में कुल और स्नैच श्रेणियों में स्वर्ण पदक और युवा स्तर पर क्लीन एंड जर्क में कांस्य पदक अर्जित किया। उन्होंने महिला जूनियर 45 किग्रा कुल और क्लीन एवं जर्क में कांस्य पदक भी जीते। 17 वर्षीय संजना, जिन्होंने 230 किग्रा (90 किग्रा स्नैच + 120 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ वजन उठाया, ने जूनियर स्नैच वर्ग में मामूली अंतर से चूककर पांच रजत पदक जीते। प्री-टूर्नामेंट पसंदीदा में से एक, धनुष लोगानाथन, इस साल की द्धङ्खस्न जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक, पुरुषों के जूनियर 55 किग्रा में चूक गए। कोयल बार (महिला युवा 55 किग्रा) और साईराज परदेशी (पुरुष युवा 81 किग्रा) ने भारत की झोली में स्वर्ण पदक डाले, जबकि नीलम देवी ने महिला जूनियर 55 किग्रा में तीन रजत पदक जीते। अंतिम दिन, मैबम मार्टिना देवी ने महिलाओं के +87 किग्रा जूनियर डिवीजन में भारत को पदक दिलाने में योगदान दिया। उनका कुल 225 किग्रा (96 किग्रा स्नैच + 129 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाने से उन्हें दो सिल्वर (ओवरऑल और क्लीन एंड जर्क) और एक कांस्य (स्नैच) मिला। पिछले साल ग्रेटर नोएडा में आयोजित एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में, भारतीय भारोत्तोलन दल ने कुल 42 पदक जीते। भारत की कुल पदक तालिका में जूनियर भारोत्तोलकों द्वारा जीते गए 15 पदक और युवा एथलीटों द्वारा जीते गए 27 पदक शामिल हैं। महिला जूनियर 45 किग्रा (कुल) में कांस्य, पायल~ महिला जूनियर 45 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में कांस्य, शंकर लापुंग~ पुरुष जूनियर 61 किग्रा (कुल) में कांस्य, संजना~ महिला जूनियर 76 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत, संजना~ महिला में रजत जूनियर 76 किग्रा (कुल)वल्लूरी अजय बाबू~ पुरुष जूनियर में रजत 81 किग्रा (स्नैच) नीलम देवी~ महिला जूनियर 55 किग्रा (स्नैच) में रजत नीलम देवी~ महिला जूनियर 55 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत नीलम देवी~ महिला जूनियर 55 किग्रा (कुल) में रजत माईबम मार्टिना देवी~ महिला जूनियर +87 किग्रा में रजत (कुल)माइबाम मार्टिना देवी~ महिला जूनियर +87 किग्रा (क्लीन एवं जर्क) में रजत,माइबाम मार्टिना देवी~ महिला जूनियर +87 किग्रा (स्नैच) में कांस्य, एशियन यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024~ भारत के पदक विजेता पायल~ महिला यूथ 45 किग्रा (कुल) में स्वर्ण, पायल~ महिला यूथ 45 किग्रा (स्नैच) में स्वर्ण, पायल~ महिला यूथ 45 किग्रा (क्लीन और) में कांस्य जर्क) ज्योशना सबर~ महिला यूथ 40 किग्रा में स्वर्ण (कुल) ज्योशना सबर~ महिला यूथ 40 किग्रा में स्वर्ण (स्नैच) ज्योशना सबरः महिला यूथ 40 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में स्वर्ण, बाबूलाल हेम्ब्रोमः पुरुष यूथ 49 किग्रा में कांस्य, प्रीतिस्मिता भोई~ महिला यूथ 45 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत, अस्मिता धोने~ महिला यूथ 49 किग्रा।

वरुण धवन ने रिजेक्ट कर दिया था

श्रद्धा कपूर

का प्रपोजल, एक्ट्रेस ने करवा दी थी पिटाई

वरुण धवन इन दिनों अपनी फिल्म बेबी जॉन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. एक्टर की फिल्म आज क्रिसमस के मौके पर थिएटर्स में रिलीज हो गई है. इस फिल्म में वो कीर्ति सुरेश के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं. इस एक्शन फिल्म को लेकर फैंस में क्रेज देखने को मिल रहा है. वरुण धवन लगातार बेबी जॉन का प्रमोशन कर रहे हैं. हाल ही में वो शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने बताया कि एक बार श्रद्धा कपूर ने उनको प्रपोज किया था और उन्होंने श्रद्धा का प्रपोजल रिजेक्ट कर दिया था. इसके बाद श्रद्धा कपूर ने उनसे किस तरीके से बदला लिया.वरुण धवन ने बेबी जॉन के प्रमोशन के वक्त कई किस्से बताए. इस दौरान उन्होंने श्रद्धा कपूर के प्रपोजल को लेकर भी बात की. वरुण ने बताया कि श्रद्धा ने उनको प्रपोज किया था, लेकिन उन्होंने प्रपोजल रिजेक्ट कर दिया था, क्योंकि तब उनको लड़कियां पसंद नहीं थीं.

वरुण धवन ने रिजेक्ट किया श्रद्धा कपूर का प्रपोजल

बातचीत के दौरान वरुण धवन से पूछा गया कि श्रद्धा कपूर का प्रपोजल कोई कैसे रिजेक्ट कर सकता है. इसके बाद एक वीडियो क्लिप चलती है, जिसमें श्रद्धा कपूर खुद बोलती नजर आ रही हैं कि वरुण धवन ने उनका प्रपोजल मना कर दिया था. इस पर वरुण धवन ने कहा, अब आगे की कहानी मैं आपको बताता हूं. उस वक्त मैं आठ साल का था. आठ साल की उम्र में कौन से लड़के को लड़कियां पसंद आती हैं. इसके बाद फिर श्रद्धा कपूर की क्लिप आती है, जिसमें वो बोल रही हैं, हम पहाड़ पर खेलते-खेलते गए. तब मैंने वरुण को कहा कि मैं आपको एक बात बोलूंगी, मैं उस बात को आपसे उल्टा बोलूंगी, लेकिन आप उसे समझ जाना. तो मैंने बोला यू लव आई.

श्रद्धा ने मुझे तीन लड़कों से पिटवाया

इसके बाद वरुण धवन ने हंसते हुए कहा, मुझे तो यही समझ में नहीं आया कि वो मुझे पहाड़ पर लेकर क्यों गई. इसके बाद ये हुआ कि उसका 10 साल का बर्थडे था. श्रद्धा ने एक फ्रॉक पहनी थी और उसने मुझे बुलाया था. वहां पर तीन-चार ऐसे लड़के थे, जो सब श्रद्धा के प्यार में थे. तो वो लड़के मेरे पास आए और उन्होंने मुझसे कहा कि तुम श्रद्धा को पसंद क्यों नहीं करते हो. मैंने कहा मैं यहां सिर्फ डांस कॉम्पिटिशन जीतने के लिए आया हूं, मुझे लड़कियों में कोई दिलचस्पी नहीं है. तब उन लड़कों ने कहा कि नहीं तुमको उसे पसंद करना होगा. और इसके लिए उन्होंने मुझसे झगड़ा शुरू कर दिया, उन लोगों ने मुझे थोड़ा पीटा भी था. श्रद्धा ने मुझे उन तीन लड़कों से पिटवाया था, क्योंकि मैं उसको हां नहीं बोल रहा था.

मैं सिंगल हूं.... अर्जुन कपूर के इस बयान पर क्या बोलीं मलाइका अरोड़ा?

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल में से एक थे. उम्र की दहलीज लांघकर दोनों एक-दूसरे के साथ आए थे. शुरू में इस कपल को लोगों ने खूब जज किया, लेकिन बाद में उनको खूब पसंद भी किया गया. कुछ साल के साथ के बाद 2024 में मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रास्ते अलग हो गए. सिंघम अगेन के प्रमोशन के वक्त जब अर्जुन कपूर ने इस बात का खुलासा किया कि वो दोनों अलग हो गए हैं, तो फैंस का दिल टूट गया. अब मलाइका अरोड़ा ने पब्लिक प्लेटफॉर्म पर अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलासा किया है और अर्जुन कपूर के सिंगल वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी है.ई-टाइम्स के साथ जब एक बातचीत में मलाइका अरोड़ा से अर्जुन कपूर के सिंगल होने के कमेंट पर जवाब मांगा गया, तो उन्होंने इस मुद्दे पर बात करना सही नहीं समझा. मलाइका अरोड़ा ने अपनी जिंदगी की कुछ बातों को निजी रखना उचित समझा. मलाइका अरोड़ा ने कहा, मैं अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करने के लिए कभी भी पब्लिक प्लेटफॉर्म का सहारा नहीं लूंगी. तो अर्जुन ने जो कुछ भी कहा, ये उनका अपना अधिकार है.

सबको आगे बढ़ना चाहिए

इसी बातचीत में मलाइका ने अपनी जिंदगी में आई हुई परेशानियों के बारे में भी बात की. मलाइका ने परेशानियों को याद करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि सबको आगे बढ़ जाना चाहिए, नए साल का स्वागत करें जो कि उनकी जिंदगी में एक नई शुरुआत का संकेत दे रहा है.

अर्जुन कपूर ने कहा मैं सिंगल हूं

इससे पहले इंस्टाग्राम पर पैपराजी ने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें अर्जुन कपूर को मुंबई में एक कार्यक्रम में देखा गया था. वहां पर इकट्ठा भीड़ ने जैसे ही मलाइका का नाम चिल्लाना शुरू किया, अर्जुन ने पहली बार अपने ब्रेकअप पर बात की. एक स्माइल के साथ, उन्होंने शांति से जवाब दिया, नहीं अब मैं सिंगल हूं रिलैक्स.

वर्कफ्रंट

प्रोफेशनल वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर को हाल ही में 'सिंघम अगेन' में देखा गया था. इस फिल्म में वो खतरनाक विलेन के किरदार में नजर आए थे. 'सिंघम अगेन' में उनके साथ अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और करीना कपूर भी नजर आई थीं. वहीं मलाइका अरोड़ा ने 'माझा येक नंबर' गाने में स्पेशल अपीयरंस दी थी. इस गाने में मलाइका ने महफिल लूट ली थी.

तुम्हारे दो-दो बच्चे हैं...बोनी कपूर की इस बात से खफा हो गई थी श्रीदेवी, 6 महीने तक नहीं की थी बात

हिंदी सिनेमा की पहली फीमेल सुपरस्टार श्रीदेवी भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वो अभी भी लाखों दिलों की धड़कन हैं. छोटी उम्र से ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली श्रीदेवी ने अपनी एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में लोहा मनवाया है. श्रीदेवी पर फिल्मी दुनिया के कई कलाकार मरते थे, लेकिन उन्होंने जाने-मानें फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर से शादी की थी. हाल ही में एक बातचीत के दौरान बोनी कपूर ने खुलासा किया है कि जब उन्होंने श्रीदेवी को प्रपोज किया था तो श्रीदेवी ने उनसे छह महीने तक बात नहीं की थी.एबीपी लाइव के साथ चैट में बोनी कपूर ने कहा, मुझे उससे प्यार था और मैं अभी भी उससे प्यार करता हूं. मैं उससे मरते दम तक प्यार करता रहूंगा. मुझे उसे मनाने में चार-पांच साल लग गए. मैंने जब उसको प्रपोज किया तो उसने छह महीने तक मुझसे बात नहीं की थी. उसने मुझसे कहा था कि तुम्हारी शादी हो चुकी है और तुम्हारे दो बच्चे हैं, तुम मुझसे इस तरीके से बात कैसे कर सकते हो. लेकिन मेरे दिल में जो भी था, पर किस्मत ने मेरा साथ दिया.

रिलेशनशिप और पार्टनर पर बोनी कपूर ने क्या कहा ?

बोनी कपूर ने ये भी बताया कि समय के साथ रिश्ते कितने ज्यादा डेवलप हो जाते हैं. उन्होंने कहा, बढ़ते हुए समय के साथ कपल के बीच में अंडरस्टैंडिंग भी बढ़ जाती है. लवी-डवी रिलेशनशिप में अगर दोनों की सोच अलग नहीं होगी तो ऐसे रिश्ते लंबे वक्त तक नहीं टिकते हैं. कोई भी अपने आप में परफेक्ट नहीं होता है. मैं भी परफेक्ट नहीं हूं. मैं पहले से ही शादीशुदा था, लेकिन मैंने कभी भी कुछ छिपाया नहीं. मोना और मैं आखिरी वक्त तक दोस्त बने रहे थे. हमेशा अपने पार्टनर और बच्चों के साथ ईमानदार रहना बेहतर है. आपको अपने बच्चों के साथ भी लॉयल रहना चाहिए. मैं अपने बच्चों के साथ भी ईमानदार रहता हूं. मैं अपने बच्चों की मां और पिता दोनों हूं.बोनी कपूर ने कहा, असल जिंदगी में लोग तो सात साल में ही अपने असली रंग दिखाने लगते हैं. रिलेशनशिप तभी सफल रहेगा, जब आप अपने पार्टनर से कुछ नहीं छिपाएंगे. रिश्ते में कोई दिखावा नहीं होना चाहिए.

अर्जुन कपूर ने मां-बाप के अगल होने को बताया दर्दनाक

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बोनी कपूर के बेटे अर्जुन कपूर ने अपने पिता और मां मोना कपूर के अलग होने पर भी बात की थी. उन्होंने इसको दर्दनाक बताया था. उन्होंने बताया था, जब मैं 10 साल का था तब मेरे माता -पिता अलग हो गए. उस समय तो मुझे ऐसा नहीं लगा था कि इसका मुझपर कोई असर होगा, लेकिन अब जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो जिंदगी पर असर पता चलता है.

कहां हैं और कैसी लाइफ जी रहे हैं 'उतरन' के वीर?

रश्मि देसाई

से तलाक के बाद लाइमलाइट से हुए गायब

कलर्स चैनल पर काफी साल पहले 'उतरन' का कब्जा रहता था. इस शो में लीड किरदार निभाने वालीं टीना दत्ता और रश्मी देसाई की लोकप्रियता उनके उसी सीरियल के कारण है. इस शो में नंदीश सिंह संधू ने बतौर लीड एक्टर काम किया था और उस समय उनकी फीमेल फैन फॉलोविंग काफी हो गई थी. लोगों को लगता है कि नंदीश एक्टिंग से दूर हो गए हैं, लेकिन ऐसा नहीं है.नंदीश आज यानी 25 दिसंबर को अपना 42वां बर्थडे मना रहे हैं और एक बार फिर बर्थडे के कारण चर्चा में हैं. नंदीश सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं. नंदीश इन दिनों कहां एक्टिव हैं और क्या काम करते हैं, आइए जानते हैं.

नंदीश सिंह संधू का शुरुआती करियर

25 दिसंबर 1981 को राजस्थान के ढोलपुर में जन्में नंदीश सिंह संधू ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की थी. 2007 में नंदीश ने 'कस्तूरी' सीरियल से डेब्यू किया, जिसमें वो रौनक बनकर आए. इसके बाद नंदीश कई टीवी सीरियल में नजर तो आए लेकिन सपोर्टिंग रोल के कारण खास पहचान नहीं मिली. 2008 में 'उतरन' शुरू हुआ, लेकिन नंदीश की इसमें एंट्री 2009 की शुरुआत में हुई. नंदीश की जोड़ी टीना दत्ता के साथ बनी थी जो लीड एक्ट्रेस थीं.

इसी शो में रश्मि देसाई की मुलाकात नंदीश से हुई जो सेकेंड लीड एक्ट्रेस थीं. इस शो ने नंदीश को वीर नाम से घर-घर में फेमस किया था. 'उतरन' करीब 2012 तक चला और नंदीश लास्ट तक इस शो का हिस्सा बने रहे. नंदीश ने 'बेइंतहा' और 'फिर सुबह होगी' जैसे टीवी शोज भी किए. कलर्स के ही 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 6' में नंदीश नजर आए और फिर रश्मि देसाई के साथ 'नच बलिए 7' में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आए.

रश्मि देसाई और नंदीश सिंह संधू की स्टोरी

'उतरन' के सेट पर नंदीश सिंह संधू और रश्मि देसाई की मुलाकात हुई. इसके बाद उनकी दोस्ती हुई और बाद में प्यार हुआ. 2011 में नंदीश ने रश्मि देसाई के साथ शादी की. पर 2016 में दोनों ने तलाक ले लिया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नंदीश ने शादी टूटने की वजह बताते हुए कहा था कि रश्मि का ओवर सेंसिटिव नेचर उन्हें परेशान करता था. वहीं रश्मि ने इसकी वजह बताई थी कि नंदीश की दूसरी लड़कियों से दोस्ती थी जो उन्हें पसंद नहीं आता था और उनके बीच काफी झगड़े होते थे. फिलहाल दोनों अलग हैं और अपनी-अपनी लाइफ जी रहे हैं.